THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

नगर निगम की संपत्ति कुर्क करने का निर्देश

मैंगलोर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मैंगलोर में जिला अदालत ने पंपवेल क्षेत्र में बस टर्मिनल परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण करने के बाद मुआवजे का भुगतान नहीं करने पर मंगलुरु नगर निगम (एमसीसी) की चल संपत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया है। एमसीसी आयुक्त अक्षय श्रीधर ने गुरुवार को कहा कि अदालत के अमीन संपत्ति कुर्क करने के आदेश के साथ बुधवार को एमसीसी कार्यालय आए थे। हालांकि, निगम की मांग पर मुआवजे चुकाने की समय सीमा 25 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई। एमसीसी ने 2008 में पम्पवेल क्षेत्र में प्रस्तावित बस टर्मिनल के निर्माण के लिए 7.23 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया था।

वर्ष-27 अंक : 210 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.5, 2079 शुक्रवार, 14 अक्टूबर 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

फैसले पर हिजाब : रहेगा या जाएगा?

बैन पर सुप्रीम कोर्ट के जज भी बंटे

एक्सपर्ट बोले संविधान पीठ के पास जा सकता है केस, सीजेआई ही तय करेंगे जज

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिजाब पर बैन सही है या गलत, इस पर फैसला अब सीजेआई यूयू ललित करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने जब गुरुवार को फैसला सुनाया तो दो जजों की बेंच की इस मामले पर राय अलग-अलग थी। 10 दिनों की सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। आगे क्या होगा, ये जानने के लिए सुप्रीम कोर्ट के वकील ध्रुव गुप्ता ने कहा कि अब यह मामला संविधान पीठ के पास भेजा जा सकता है। पीठ में जज कौन होगा ये सीजेआई ही तय करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के 4 पहलू

जस्टिस धूलिया का फैसला : मेरे लिए लड़कियों की पढ़ाई का सवाल सबसे अहम है। क्या हम उनका जीवन कुछ बेहतर कर रहे हैं? मेरे मन में यही सवाल था। मैंने 5 फरवरी को सरकार के आदेश को रद्द कर दिया है और प्रतिबंधों को हटाने का फैसला किया है।

जस्टिस गुप्ता का फैसला : जस्टिस गुप्ता ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले से सहमति जताई और इस फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल करनेवाले से 11 सवाल पूछे। उन्होंने सवाल किया कि क्या छात्रों को आर्टिकल 19, 21 और 25 के तहत कपड़े चुनने का अधिकार दिया जा सकता है? अनुच्छेद 25 की सीमा क्या है? व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता के अधिकार की व्याख्या किस तरह से की जाए? क्या कॉलेज छात्रों की यूनिफॉर्म पर फैसला कर सकते हैं? क्या हिजाब पहनना और इसे प्रतिबंधित करना धर्म की स्वतंत्रता का उल्लंघन है?

नतीजा क्या निकला? : जस्टिस हेमंत गुप्ता ने कहा कि यह मामला सीजेआई को भेजा जा रहा है, ताकि वे उचित निर्देश दे सकें। याचिकाकर्ता के वकील एजाज मकबूल ने कहा कि अब सीजेआई यह तय करेंगे कि इस मामले पर सुनवाई के लिए बड़ी बेंच गठित की जाए या फिर कोई और बेंच।

हिजाब पर बैन बरकरार रहेगा : सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कर्नाटक के शिक्षा मंत्री बी नागेश ने बताया कि कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला अभी अंतरिम तौर पर लागू रहेगा। इसलिए स्कूलों और कॉलेजों में हिजाब पर बैन बरकरार रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट के वकील ध्रुव गुप्ता ने कहा, ऑर्डर में 2 मुख्य बातें सामने आई हैं। पहला- हिजाब पहनना इस्लाम में अनिवार्य है या नहीं? दूसरा- कर्नाटक सरकार ने जो बैन का आदेश दिया है, उससे मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है या नहीं? यानी दोनों धार्मिक और व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़ा मामला है।

ऐसे मामलों के लिए संविधान में आर्टिकल-145 (3) का उपयोग किया जाता रहा है। जो कहता है केस की सुनवाई 5 या उससे ज्यादा जजों की संवैधानिक बेंच में ट्रांसफर किया जाए।

बेंच बनाने का काम अब चीफ जस्टिस को करना है। वर्तमान में जो चीफ जस्टिस हैं, वो अगले महीने के पहले दूसरे हफ्ते में रिटायर हो जाएंगे। ऐसे में उम्मीद है कि नए चीफ जस्टिस ही बेंच का गठन करेंगे। बेंच गठन होने के बाद ही सुनवाई पर फैसला होगा। इसमें 1-2 महीने का वक्त लग सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ विभाजित फैसला दिया है। ऐसे में अभी हिजाब बैन पर कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला ही लागू होगा। सरकार हिजाब पर बैन बरकरार रख सकती है। हां, याचिकाकर्ता चाहें तो सीजेआई के पास अर्जेंट हियरिंग के लिए पिटिशन दाखिल कर सकते हैं। >14

कश्मीर मामले पर पलटा जर्मनी

पहले पाकिस्तान से दिखाया था प्रेम लेकिन अब अचानक बदले सुर

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर की स्थिति में संयुक्त राष्ट्र की भागीदारी की वकालत और पाकिस्तान की हां में हां मिलाना जर्मनी को भारी पड़ गया।

नतीजा यह हुआ कि उसे कुछ ही दिनों में बयान से पलटना पड़ा है। भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने अपने विदेश मंत्री के बयान का खंडन करते हुए माना कि कश्मीर का मुद्दा दो देशों के बीच का मसला है। इस मामले में विश्व निकाय की बहुत सीमित भूमिका है। एकरमैन ने कहा कि कश्मीर मसले पर जर्मनी के रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जर्मन विदेश मंत्री की टिप्पणी पर समाचार एजेंसी से बात करते हुए एकरमैन ने कहा कि सबसे पहले मुझे यह कहना होगा कि हम भारतीय पक्ष और भारतीय मीडिया की प्रतिक्रियाओं से काफी हैरान हैं।

जम्मू में नए वोटर्स को जोड़ने वाला फैसला वापस

डिप्टी कमिश्नर ने 24 घंटे में आदेश वापस लिया, राजनीतिक पार्टियां कर रही थीं विरोध

जम्मू में एक साल से ज्यादा समय से रह रहे लोग नहीं बन पाएंगे वोटर

जम्मू/श्रीनगर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू में एक साल से रह रहे लोगों को मतदाता बनाने वाला फैसला वापस ले लिया गया है।हालांकि, इसका औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है। बुधवार रात को जम्मू की डिप्टी कमिश्नर ने उस नोटिफिकेशन को वापस ले लिया, जिसमें सभी तहसीलदारों को जम्मू में एक साल से ज्यादा रहने वाले लोगों को आवास प्रमाण पत्र जारी करने के आदेश दिए गए थे। भारी विरोध के बाद यह फैसला वापस लिया गया है। केंद्रीय प्रशासित प्रदेश की ज्यादातर राजनीतिक पार्टियां इस फैसले का विरोध कर रही थीं। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने कहा कि भाजपा चुनावों से डरती है। वह जानती है कि वह बुरी तरह हारेगी। इस कारण जम्मू-कश्मीर में 25 लाख गैर-स्थानीय मतदाताओं को जोड़ने की अपनी योजना के साथ आगे बढ़ रही है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि इसका मतलब है कि जम्मू-कश्मीर के मतदाता के वोट का मूल्य खत्म हो जाएगा। जम्मू-कश्मीर को छोड़कर देश में कहीं भी यह कानून लागू नहीं है। उन्होंने कहा कि वोटिंग अधिकार जैसी चीजों का रास्ता साफ करने के लिए ही जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया है। ये डोगरा संस्कृति, पहचान, रोजगार और व्यवसाय को बर्बाद हो कर देगा।

3 घंटे पुलिस हिरासत में रहे गुजरात आप संयोजक

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष के ऑफिस में प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए आप के गुजरात प्रमुख गोपाल इटालिया को दिल्ली पुलिस ने छोड़ दिया है। उन्हें तीन घंटे तक हिरासत में रखा गया। दरअसल एनसीडब्ल्यू ने गुरुवार सुबह इटालिया को पीएम मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी करने के संबंध में नोटिस भेजा था। जिसका जवाब देने ही गोपाल पहुंचे थे। नोटिस के बाद आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के ऑफिस के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। दिल्ली पुलिस ने गोपाल को यहीं से हिरासत में लिया था। उन्हें सरिता विहार थाने ले गई थी। >14

पाकिस्तान में बस में आग लगने से 18 जिंदा जले

इस्लामाबाद, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के जमशोरो जिले में बुधवार को एक यात्री बस में आग लग गई। हादसे में 8 बच्चों सहित 18 लोग जिंदा जल गए, जबकि कई लोग घायल हो गए। सभी को जमशोरो अस्पताल ले जाया गया है। जमशोरो के पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जावेद बलूच के अनुसार, बस कराची से खैरपुर नाथन शाह लौट रही थी। नूरीयाबाद के पास इसमें आग गई और 18 लोगों की मौत हो गई। बस में बैठे यात्री बाढ़ प्रभावित लोग थे और घर वापस जा रहे थे। सभी मुगैरी समुदाय से थे। हादसे के तुरंत बाद रेस्क्यू शुरू कर दिया गया। शवों और घायलों को जमशोरो के लियाकत यूनिवर्सिटी अस्पताल ले जाया गया है।

जेल में पति से अकेले में मिल सकेगी पत्नी

वंश बढ़ाने से जुड़ी अपील पर कोर्ट ने दी अनुमति
प्राइवेसी के लिए अलग कमरे

अमृतसर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। जेल की सलाखें भी अब वंश बढ़ाने की गवाह बनेंगीं। जेल में बंद पति या पत्नी अपने लाइफ पार्टनर से एकांत में मिल सकेंगे। चौंकिए मत, यह पहल पंजाब सरकार ने की है और इसकी वजह है पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में इसी साल पहुंचे कुछ मामले। **पहला मामला :** मार्च 2022 में गुरुग्राम की एक महिला पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट पहुंची। उसकी पिटीशन दूसरे केसों से कुछ अलग थी। महिला ने जेल में बंद पति से शारीरिक संबंध बनाने की इजाजत मांगी थी। महिला ने दलील दी कि वह जेल में बंद पति से अपना वंश आगे बढ़ाना चाहती है। महिला ने कहा कि उसके पति को गुरुग्राम कोर्ट ने हत्या और अन्य अपराधों का दोषी ठहराया। 2018 के बाद से ही वह भोंडसी जिले की केंद्रीय जेल में बंद है।

दूसरा मामला : इससे पहले जनवरी 2022 को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई, जिसमें पत्नी ने अपने पति से अलग कमरे में मिलने का समय मांगा। उसने संविधान के आर्टिकल 21 का हवाला दिया, जिसमें उसे इसका अधिकार मिला है। तीसरा मामला : जसवीर सिंह ने याचिका दायर कर कहा था कि उसे अपना वंश आगे बढ़ाना है। पत्नी के गर्भवती होने तक उसे जेल में साथ रहने की अनुमति दी जाए। हाईकोर्ट ने इस मांग को खारिज कर दिया था।

काला जादू के खिलाफ कानून की मांग

तिरुवनंतपुरम, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। दो महिलाओं का अपहरण किया। तांत्रिक पूजा-पाठ की और बलि चढ़ा दी। शव के कई टुकड़े किए और गड्ढों में गाड़ दिया। एक की हत्या 26 सितंबर और दूसरी की 6 जून को हुई। यह सब हुआ देश के सबसे साक्षर राज्य कहे जाने वाले केरल में। सबसे पढ़े-लिखे राज्य में बढ़ते अंधविश्वास के हालात इतने भयावह हैं कि इसके खिलाफ कानून की मांग उठने लगी है।

3 साल पहले 2019 में बिल बना भी, लेकिन विधानसभा में पेश तक नहीं हुआ। इसमें काला जादू, मानव बलि रोकने के प्रावधान थे। सामाजिक कार्यकर्ता भी कानून की मांग कर रहे हैं। केरल कानून सुधार आयोग के उपाध्यक्ष के शशिधरन नायर कहते हैं, तत्काल कानून बनाने की जरूरत है। इसी आयोग ने इस कानून का ड्राफ्ट बनाया और सरकार को सौंपा था। सरकार धार्मिक मामला मानकर इससे बचने की कोशिश कर रही है। सरकार को लगता है कि इस पर कानून बनाने से मामला धार्मिक तूल पकड़ लेगा। वास्तव में समस्या यह है कि सरकार इसकी परिभाषा ही नहीं तय कर पा रही कि किस धार्मिक गतिविधि और प्रक्रिया को अंधविश्वास माना जाए और किसे नहीं। केरल के गृह विभाग ने इस बिल पर कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। सरकार भी इस बिल पर मौन साधे है। यहां तक कि केएलआरसी और लॉ विभाग की वेबसाइट्स पर इस बिल के बारे में कोई जानकारी तक अपडेट नहीं की गई। केरल शास्त्र साहित्य परिषद के अध्यक्ष बी रमेश कहते हैं, मामला संवेदनशील है। इसलिए सरकार इससे बचना चाहती है।

वे कहते हैं, यह बिल भी वास्तविक समस्या का कोई समाधान नहीं बताता। सजा के प्रावधान के साथ जागरूकता की भी जरूरत है। लोग साक्षर हैं, उन्हें शिक्षित करने की जरूरत है। केरल प्रिवेंशन ऑफ इरेडिकेशन ऑफ इनह्यूमन एविल प्रैक्टिस, टोना-टोटका और काला जादू बिल कर्नाटक और महाराष्ट्र की तर्ज पर तैयार किया गया है। इसमें 1 से 7 साल की जेल और 5 हजार से 50 हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान है।

राणा अय्यूब के खिलाफ चार्जशीट दाखिल : ईडी बोली, चैरिटी के नाम पर लोगों से धोखा

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। पत्रकार राणा अय्यूब पर चैरिटी के नाम पर लोगों से अवैध तरीके से फंड जुटाने का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

ईडी की जांच में सामने आया है कि राणा अय्यूब का मकसद फंड जुटाने के नाम पर सिर्फ आम जनता को धोखा देना था। ईडी का आरोप है कि राणा अय्यूब ने एक ऑनलाइन क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म केट्टो पर तीन कैंपेन शुरू किए थे और इससे करोड़ों रुपये जुटाए थे। इन कैंपेन के जरिए अप्रैल-मई 2020 के बीच स्लम में रहने वाले लोगों और किसानों के लिए, जून-सितंबर 2020 के बीच असम, बिहार और महाराष्ट्र में राहत कार्य के लिए और मई-जून 2021 में कोरोना प्रभावित लोगों के लिए फंड जुटाया गया। इस दौरान राणा अय्यूब को 2.69 करोड़ रुपये का डोनेशन मिला, जिसमें से 80.49 लाख रुपये फॉरेन करेंसी में आए। इसके बाद इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशंस एक्ट (एफसीआरए) का उल्लंघन करने के आरोप में राणा अय्यूब के खिलाफ जांच शुरू की, जिसके बाद अय्यूब ने फॉरेन डोनेशन लौटा दिया। >14

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT Attapur Mob: +91 9311340914, RENAULT AS Rao Nagar Mob: +91 9289208861, RENAULT Banjara Hills Mob: +91 7428892716, RENAULT Begumpet Mob: +91 9311733972, RENAULT Himayatnagar Mob: +91 8527234238, RENAULT Hitech City Mob: +91 9311733970, RENAULT Kompally Mob: +91 9667945858, RENAULT Kukatpally Mob: +91 7067322620, RENAULT LB Nagar Mob: +91 9311700671, RENAULT Malakpet Mob: +91 9667949393. **ADILABAD:** RENAULT Adilabad Mob: +91 9311733981. **GADWAL:** RENAULT Gadwal Mob: +91 9311700674. **KAMAREDDY:** RENAULT Kamareddy Mob: +91 9311399673. **KARIMNAGAR:** RENAULT Karimnagar Mob: +91 9582305983. **KHAMMAM:** RENAULT Khammam Mob: +91 8527234093. **KOTHAGUDEM:** RENAULT Kothagudem Mob: +91 7428439271. **MAHABUBABAD:** RENAULT Mahababad Mob: +91 9311341235. **MAHBUBNAGAR:** RENAULT Mahbubnagar Mob: +91 7799766431. **MANCHERIAL:** RENAULT Mancherial Mob: +91 9582571953. **METPALLY:** RENAULT Metpally Mob: +91 9289125188. **MIRYALGUDA:** RENAULT Miryalguda Mob: +91 7428439406. **NALGONDA:** RENAULT Nalgonda Mob: +91 7428439437. **NIZAMABAD:** RENAULT Nizamabad Mob: +91 9311700672. **SATHUPALLY:** RENAULT Sathupally Mob: +91 8130499615. **SHADNAGAR:** RENAULT Shadnagar Mob: +91 9311700675. **SIDDIPET:** RENAULT Siddipet Mob: +91 8527235114. **SURYAPET:** RENAULT Suryapet Mob: +91 8130311149. **VIKARABAD:** RENAULT Vikarabad Mob: +91 9311733961. **WANAPARTHY:** RENAULT Wanaparthy Mob: +91 9311700676. **WARANGAL:** RENAULT Warangal Mob: +91 9311700673. **ZAHIRABAD:** RENAULT Zahirabad Mob: +91 9311733977.

8 महीने में 1875 मौतें

महाराष्ट्र में बढ़ता किसानों की आत्महत्या का ग्राफ

मुंबई, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या का आंकड़ा चिंता बढ़ाने के लिए काफी है। खबर है कि जनवरी से लेकर अगस्त के बीच 1800 से ज्यादा किसान कर्ज और सरकार की उदासीनता समेत कई कारणों के चलते अपना जीवन खत्म कर चुके हैं। आंकड़े बताते हैं कि इस दौरान सबसे किसानों की मौत अमरावती में हुई है। खास बात है

कि महाविकास अघाड़ी सरकार के गिरने के बाद जून में भारतीय जनता और एकनाथ शिंदे ने सरकार बनाई थी। राज्य राहत और पुनर्वास विभाग का डेटा बताता है कि 8 महीनों के दौरान 1875 किसानों ने आत्महत्या की। जबकि, 2021 में इस दौरान कर्ज में दबे 1605 किसानों ने सुसाइड की थी। खास बात है कि एमवीए सरकार की तरफ से चलाई जा रही कर्जमाफी समेत अन्य योजनाओं और मुख्यमंत्री शिंदे की तरफ से किए गए वादों के बाद भी आत्महत्या की संख्या में इजाफा हो रहा है।

क्या हैं कारण

महाराष्ट्र में किसानों की सुसाइड की वजह का पता लगाने के लिए कई संगठन और सरकारी एजेंसियां जानकारी जुटा रही हैं। पता लगा है कि उपज की सही कीमत नहीं मिलना, तनाव और परिवार की जिम्मेदारियां, सरकार की उदासीनता, सिंचाई की सही व्यवस्था नहीं होना, कर्ज, सब्सिडी में भ्रष्टाचार और मौसम की मार जैसे कई इसके प्रमुख कारण हैं।

कहां असर ज्यादा

राज्य के अमरावती में 2022 में सबसे ज्यादा 725 किसानों की मौत हुई। जबकि, 2021 में यह संख्या 662 पर थी। इसके बाद औरंगाबाद में आंकड़ा 532 से बढ़कर 661 पर आ गया। नाशिक में बीते साल 201 मौतों के मुकाबले इस बार 252 किसानों ने खुदकुशी की। नागपुर में संख्या 2021 में 199 से बढ़कर 2022 में 225 पर पहुंच गई।

सरकार का स्टैंड समझें

जनवरी से अगस्त के बीच आत्महत्या करने वाले 1875 किसानों में 981 किसान सरकारी नियमों के अनुसार आर्थिक सहायता के लिए पात्र थे। जबकि, 439 को अपात्र माना गया था। वहीं, 455 किसान स्क्रूटनी यानी मामलों की जांच चल रही थी। फिलहाल, विभाग मृतक के परिजनों को 1 लाख रुपये दे रहा है।

बालासाहेब की तस्वीर के सामने

उद्धव ठाकरे ने मिलाया सीपीआई से हाथ शिंदे को मिला घेरने का मौका

मुंबई, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके खेमे के सांसद-विधायक लगातार यह आरोप लगाते हैं कि उद्धव ठाकरे ने हिंदुत्व की विचारधारा को छोड़ दिया है। इस बीच महाराष्ट्र की राजनीति से यह खबर आ रही है कि उद्धव ठाकरे ने भारतीय कॉम्यूनिस्ट पार्टी (सीपीआई) से हाथ मिलाया है, जो कि लगातार हिंदुत्व की विचारधारा का विरोध करती रही है। इतना ही नहीं, दोनों दल कभी मुंबई में एक-दूसरे के कट्टर प्रतिद्वंदी हुआ करते थे। 1970 में सीपीआई विधायक कृष्णा देसाई की हत्या ने न केवल शिवसेना के विधानसभा में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त किया, बल्कि इसके परिणामस्वरूप मध्य मुंबई में भगवा पार्टी की प्रभुत्व भी बढ़ा। सीपीआई के प्रकाश रेड्डी, मिलिंद रानाडे सहित अन्य नेताओं ने उद्धव ठाकरे से उनके आवास मातोश्री पर बुधवार को मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अंधेरी पूर्व विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में ठाकरे की पार्टी को अपना समर्थन देने का वादा किया।

शिंदे लगाते हैं हिंदुत्व छोड़ने का आरोप

हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर हिंदुत्व की विचारधारा से समझौता करने का आरोप लगाया था। उद्धव के इस फैसले के बाद शिंदे के एकबार फिर हमलावर होने का मौका मिल सकता है।

वहीं, महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी ने भी महाराष्ट्र के पूर्व सीएम के शिवसेना गुट के साथ एकजुटता व्यक्त की है। इससे पहले, एमवीए के सहयोगी एनसीपी और कांग्रेस ने उपचुनाव के लिए ठाकरे के उम्मीदवार का समर्थन करने के अपने फैसले की घोषणा की।

शिवसेना के बंटवारे के बीच अहम उपचुनाव

एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के बीच शिवसेना पर नियंत्रण को लेकर जारी जंग के बीच चुनाव आयोग ने अंधेरी पूर्व विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा की है। यह सीट मई में शिवसेना के रमेश लटके के निधन के बाद खाली हुई थी। यहां 3 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। गिनती 6 नवंबर को होनी है। महाराष्ट्री की सत्ता से बेदखल होने के बाद उद्धव ठाकरे के लिए यह पहली परीक्षा होगी।

शिंदे कैंप के साथ इस सीट पर उनकी सीधी लड़ाई होगी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना खेमे के रमेश लटके की पत्नी रुतुजा को उपचुनाव में मैदान में उतारने की संभावना है। वहीं, भाजपा ने संकेत दिया कि मुर्जी पटेल सत्तारूढ़ गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार होंगे। मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार ने ट्विटर पर कहा, अंधेरी पूर्व विधानसभा उपचुनाव के लिए अंधेरी पूर्व में चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया गया।

रामबन में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम

तीन आईईडी बरामद, बम निरोधक दस्ता मौके पर

रामबन, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला रामबन में सुरक्षाबलों ने बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम किया है। रामबन के गूल वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों को एक संदिग्ध बैग में से तीन आईईडी बरामद हुई हैं। इसके बाद बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया। साथ ही पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम क्षेत्र को घेर कर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस अधिकारी ने

बताया कि कुछ लोगों की संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद गूल उपमंडल के संगलदान के जंगलों में सर्च ऑपरेशन चलाया। सेना और पुलिस के संयुक्त तलाशी दल ने बुधवार देर रात एक बैग बरामद किया, जिसमें इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) मिले हैं। किसी भी तरह की जान-माल की क्षति से बचने के लिए बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया। अधिकारियों ने कहा कि माना जा रहा है कि संदिग्ध आतंकवादी जिले में हमले की फिराक में थे। मामले में अभी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले उत्तर प्रदेश की संभल लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद शफीकुर्रहमान ने लड़कियों के पर्दा को लेकर फिर विवादित बयान दिया है। उनका कहना है कि लड़कियां अगर बेपर्दा घूमेंगी तो आवारगी बढ़ेगी। उन्होंने कहा, 'हिजाब हटने से हालात बिगड़ते हैं और आवारगी बढ़ती है। हिजाब पर बैन लगता है तो न सिर्फ इस्लाम को बल्कि समाज को भी नुकसान होगा।

हमें उम्मीद है कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट सही फैसला करेगा।" उन्होंने भाजपा पर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के स्कूल-कॉलेजों में हिजाब पहनने पर लगा प्रतिबंध हटाने से इनकार करने वाले कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को बंटा हुआ फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाएं खारिज कर दीं, जबकि न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने उन्हें स्वीकार किया। न्यायमूर्ति गुप्ता ने फैसला सुनाते हुए कहा, "इस मामले में मतभेद हैं।" पीठ ने खंडित फैसले के मद्देनजर निर्देश दिया कि हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली इन याचिकाओं को एक बड़ी पीठ के गठन के लिए चीफ जस्टिस के समक्ष रखा जाए।

इससे पहले सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर कहा था कि औलाद इंसान नहीं कुदरत पैदा करती है। बर्क ने कहा था, 'औलाद पैदा करने का ताल्लुक इंसान से नहीं कुदरत और अल्लाह से है। अल्लाह-ताला जब किसी बच्चे को पैदा करने का इरादा करता है तो उसके साथ ही उसके खाने का इंतजाम भी करता है।" शफीकुर्रहमान ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को लेकर कहा था कि यह एक ऐस संस्था है, जिसपर राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) छापेमारी कर जुल्म ढा रही है। उन्होंने पीएफआई के खिलाफ हुई कार्रवाई का विरोध करते हुए पूछा था कि आखिर उनका जुर्म क्या है? इतना ही नहीं, उन्होंने हाल ही में प्रतिबंधित किए गए इस संगठन को मुसलमानों का मसीहा करार दिया था।

लड़कियां बेपर्दा घूमेंगी तो आवारगी बढ़ेगी

सपा सांसद शफीकुर्रहमान का विवादित बयान

ट्रांसजेंडर महिला से मारपीट कर जबरन काटे बाल

चेन्नई, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तूतीकोरिन से एक विचलित कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक ट्रांसजेंडर महिला के साथ मारपीट की गई है। इतना ही नहीं, बल्कि उसके जबरन बाल भी काट दिए गए। इस घटना का वीडियो भी सामने आए हैं। वीडियो में दिखने वाले युवकों को पकड़ लिया गया है। ट्रांसजेंडर अधिकार कार्यकर्ता ग्रेस बानो ने एक 19 सेकेंड का वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि रेजर के जरिए एक युवक पीड़िता के लंबे बाल काट रहा है। युवक ने बालों के गुच्छे को खेतों में फेंक दिया और उसके लिए अपशब्द कहता है। दूसरी ट्रांसजेंडर महिला भी उसके बगल में बैठी है। युवक को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'उन्हें देखिए। वे पुरुषों से पैसे वसूलते हैं। हमें उनके साथ क्या करना चाहिए? यह अब खत्म हो गया।'एक अन्य वीडियो में, महिला जमीन पर बैठी हुई दिखाई दे रही है, जिसकी एक आंख सूजी हुई है। वीडियो में वह असहाय दिख रही है। तमिलनाडु साऊथ जोन पुलिस ने ट्वीट को शेयर करते हुए कहा कि मारपीट करने वाले युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी पहचान नोह और विजय के रूप में हुई है।

बीजेपी में नहीं जा रहे एकनाथ खडसे

एनसीपी में रहने का ऐलान; विपक्ष को दी सलाह

मुंबई, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता एकनाथ खडसे ने भारतीय जनता पार्टी जाने की अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि वह भाजपा में नहीं जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने केंद्र में सत्तारूढ़ दल पर भविष्य में साजिश करने के आरोप भी लगाए हैं। खबरें आई थी कि खडसे दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलने पहुंचे थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बुलढाना में एक कार्यक्रम के दौरान खडसे ने कहा, 'मी भाजपात जाणार नाही, मी राष्ट्रवादीतच राहणार' (मैं भाजपा में नहीं जाऊंगा, मैं राष्ट्रवादी में ही रहूंगा) और इसके साथ ही यह साफ हो गया है कि वह भाजपा में दोबारा एंट्री नहीं करने वाले हैं। उनका कहना है कि अगर भविष्य में विपक्ष बिखरा रहेगा, तो इसका फायदा भाजपा को होगा। भाजपा विधायक चंद्रकांत पाटील ने दावा किया था कि खडसे दिल्ली में शाह से मिले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, खबरें आ रही थीं कि खडसे और उनकी बहन भाजपा सांसद रक्षा खडसे, शाह से मिलने दिल्ली जा रहे हैं। इसके साथ ही अटकलों का दौर शुरू हो गया था कि वह फिर से भाजपा में आने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, बुलढाना में दिए बयान के बाद स्थिति साफ हो गई है।

उद्धव पर साधा था निशाना

रविवार को ही खडसे ने भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से शिवसेना के नाम और चिह्न को फ्रीज करने के फैसले को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया था। उन्होंने शिवसेना संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे के प्रयासों को याद किया और कहा, 'जो पिता ने कई मुश्किलों के बाद कमाया था वह बेटे ने राजनीतिक झगड़े में कुछ मिनटों में ही गंवा दिया।' उन्होंने कहा था कि 'धनुष-बाण' का चिह्न ठाकरे के प्रयासों के कारण लोकप्रिय हुआ था।

घर में सो रही मासूम को उठा ले गया ट्रक ड्राइवर, दुष्कर्म की आशंका

इंदौर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंदौर में दो साल के मासूम के अपहरण का मामला सामने आया है,जिसे बाद में बरामद कर लिया गया है। चंदन नगर थाना क्षेत्र का मामला है। एक ट्रक चालक मासूम को लेकर उस वक्त फरार हो गया, जब वो घर वालों के साथ सो रही थी। मासूम को बिगड़ी हालत में पुलिस बरामद कर अस्पताल ले गई। मासूम के साथ दुष्कर्म की आशंका जताई जा रही है। इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र में 2 साल की मासूम अपने परिजनों के साथ सो रही थी। रात 2 बजे परिजनों की नींद खुली तो बच्ची उनके पास से गायब मिली। परेशान होकर घर वालों ने आस-पास ढूंढा लेकिन बच्ची नहीं मिली तो पुलिस को सूचना दी। चंदन नगर थाने की पुलिस ने बहुत मशक्कत के बाद बच्ची को बरामद कर लिया। बच्ची बिगड़ी हालत की अवस्था में मिली है उसे एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां डॉक्टर उसका इलाज कर रहे हैं। बच्ची को एक ट्रक ड्राइवर उठा कर ले गया था। अचेत अवस्था में मिली बच्ची को देखकर उसके साथ दुष्कर्म की आशंका जताई जा रही है। हलांकि डॉक्टर उसका इलाज कर रहे हैं। पुलिस ने घर से कई किलो मीटर दूर से बच्ची को बरामद किया है।

शादीशुदा प्रेमिका सो रही थी बच्चों के साथ

प्रेमी पहुंचा और कर दिया कांड

खंडवा, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में दिल दहला देने वाली घटना हुई है। शादीशुदा प्रेमिका अपने बच्चों के साथ सो रही थी। उसी समय उसका प्रेमी आया और उसने महिला को चाकू घोंपकर मार डाला। यह सब बच्चों ने देख लिया। उन्होंने परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला खंडवा जिले के खालवा थाना क्षेत्र के ग्राम खारीमाल का है। देर रात जब महिला अपने बच्चों के साथ सो रही थी, तभी गांव में ही रहने वाला उसका प्रेमी आया। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था। दोनों रिश्तेदार भी थे। प्रेमी ने जब चाकू घोंपा तो प्रेमिका चिल्लाने लगी। उसकी आवाज सुनकर बच्चे भी जाग गए। उन्होंने प्रेमी को भागते देखा। उनकी शिनाख्त पर ही पुलिस ने प्रेमी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या की वजह प्रेम प्रसंग है। आरोपी और महिला के बीच प्रेम संबंध थे। कुछ दिन पहले इसे लेकर विवाद भी हुआ था। जब यह घटना हुई, तब महिला का पति गांव के किसी कार्यक्रम में गया था। इसका फायदा उठाते हुए आरोपी ने बच्चों के साथ सो रही प्रेमिका पर हमला कर दिया। वार इतने तेज थे कि प्रेमिका की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। 'बकरी ईद में बचेंगे तो मुहर्रम में नाचेंगे' यह बयान देकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे भारतीय जनता पार्टी के निशाने पर आ गए हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि इसके जरिए खड़गे ने मुसलमानों का अपमान किया है। हालांकि, इसे लेकर अभी तक कांग्रेस या खड़गे की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, 'परिवार की तरफ से चुने गए कांग्रेस के पहले प्रॉक्सी प्रेसिडेंट उम्मीदवार को पूछा गया कि 2024 में प्रधानमंत्री उम्मीदवार कौन होगा। उनका जवाब था 'बकरी ईद में बचेंगे तो मुहर्रम में नाचेंगे'। पहले तो मुहर्रम जश्न नहीं है, शोक है! यह मुसलमानों का अपमान करने वाला है।' पूनावाला के अलावा भाजपा नेता अमित मालवीय ने भी वरिष्ठ नेता से सवाल किए हैं। उन्होंने बयान को असंवेदनशील बताया और कहा, खड़गे 'को भी उम्मीद नहीं है कि कांग्रेस 2024 तक टिकेगी।'

'मुहर्रम में नाचेंगे' कहकर फंसे मल्लिकार्जुन खड़गे!

भाजपा बोली- यह मुसलमानों का बड़ा अपमान

क्या था मामला

बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खड़गे से 2024 के प्रधानमंत्री उम्मीदवार को लेकर सवाल पूछा गया था। उन्होंने जवाब दिया, 'मैं संगठन का चुनाव लड़ रहा हूं। एक कहावत है कि बकरी ईद में बचेंगे तो मुहर्रम में नाचेंगे। पहले इस चुनाव को पूरा हो जाने दीजिए और मुझे अध्यक्ष बन जाने दीजिए, इसके बाद फिर देखेंगे।' कांग्रेस पार्टी की तरफ से जारी कार्यक्रम के अनुसार, पार्टी के शीर्ष पद के लिए मतदान 17 अक्टूबर को होगा और मतगणना 19 अक्टूबर को की जाएगी। इससे पहले 23 सितंबर से 30 सितंबर के बीच तीन उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था। फिलहाल, पार्टी प्रमुख के पद पर खड़गे को केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर चुनौती दे रहे हैं।

आज से बदलेगा मौसम का मिजाज, कई राज्यों में अभी और होगी बारिश

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को कहा कि अगले पांच दिनों तक तमिलनाडु में और अगले दो दिनों तक आंतरिक कर्नाटक में भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। आईएमडी ने यह भी कहा कि अगले तीन से चार दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कुछ और हिस्सों से मानसून की वापसी के लिए स्थितियां अनुकूल होने की संभावना है। मौसम विभाग के ताजा अपडेट्स के मुताबिक, एक चक्रवाती परिसंचरण कोमोरिन क्षेत्र और आस-पड़ोस के निचले क्षोभमंडल स्तरों में बना हुआ है। एक चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी अंडमान सागर के ऊपर निचले क्षोभमंडल स्तरों में बना हुआ है। इसके अगले 2-3 दिनों के दौरान पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इन मौसम प्रणालियों के कारण 13 से 17 अक्टूबर के बीच तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में भारी बारिश और गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है। इसके अलावा, आज अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में भी बारिश के आसार हैं। कल यानी 14 अक्टूबर से उत्तर पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों में मौसम के शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

पिछले कुछ वर्षों में मानसून की वापसी में काफी देरी हुई है और अक्टूबर के अंत तक बढ़ गई है। इसका अर्थ यह है कि किसानों को अपने बुवाई कार्यक्रम में बदलाव करना होगा। भारत के लिए मानसून महत्वपूर्ण है क्योंकि देश की कुल कृषि योग्य भूमि के लगभग 60% में सिंचाई की कमी है और इसकी आधी आबादी कृषि पर निर्भर है।

अक्टूबर के पहले

10 दिनों में दिल्ली में 625% (63,8 मिमी), हरियाणा में 577%, उत्तराखंड में 538% और उत्तर प्रदेश में 698% अधिक वर्षा दर्ज की गई। आईएमडी ने 30 सितंबर को घोषणा की थी कि पंजाब, चंडीगढ़ दिल्ली, जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान से मानसून की वापस हो चुकी है। आईएमडी ने मंगलवार को कहा कि मानसून की वापसी रेखा उत्तरकाशी (उत्तराखंड), नजीबाबाद, आगरा (उत्तर प्रदेश), ग्वालियर, रतलाम, (मध्य प्रदेश) और भरूच (गुजरात) से होकर गुजर रही है। इस सप्ताह उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के अधिक हिस्सों से मानसून के वापस जाने के लिए स्थितियां अनुकूल होने की संभावना है।

करवाचौथ की सजावटी थालियां चुराने वाले चोर को पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में करवा चौथ के मौके पर करवा चौथ की थालियां चोरी करने का मामला सामने आया है। दिल्ली के सदर बाजार इलाके से एक चोर को गिरफ्तार किया गया है। जिसने करवा चौथ गिफ्ट हैंपर की थालियां चोरी की थीं। चोर का नाम नवनीत कुमार है जिसे नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक सीसीटीवी की मदद से आरोपी को पकड़ा गया। उत्तरी दिल्ली के डीसीपी सागर सिंह कलसी के अनुसार, 12 अक्टूबर को मंडावली के रहने वाले शिकायतकर्ता नरेश कुमार गुप्ता ने आरोप लगाया था कि वह सदर मार्केट में खरीदारी के लिए आया और 20 सेट डेकोरेटिव करवाचौथ प्लेट हैंपर खरीद कर एमसीडी की पार्किंग में बोरे में रख दिया।

सरकारी वन विभाग में 233 करोड़ के गबन का मामला

सीबीआई ने अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किया मामला

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने बुधवार (12 अक्टूबर) को एक बड़े घोटाले का पर्दाफाश किया है। सीबीआई ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए एक ऐसे स्कैम का खुलासा किया है, जिसका वास्ता सीधे तौर पर दिल्ली सरकार से है। 11 अक्टूबर को सीबीआई ने एक प्राथमिकी दर्ज की है, इस प्राथमिकी के मुताबिक दिल्ली सरकार की जद में आने वाले वन एवं वन्यजीव विभाग के द्वारा एक सरप्लस फंड को फिक्सड डिपॉजिट रिसीप्ट करने के नाम पर एक संदिग्ध बैंक एकाउंट में करीब 223 करोड़ रुपयों को ट्रांसफर किया गया था। इस पूरे मामले में सबसे बड़ी चौंकाने वाली बात ये है कि जिस एकाउंट में ये रकम ट्रांसफर की गई है वो खाता ही फर्जी है। इस मामले में बैंक ऑफ बड़ौदा के एक अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सीबीआई ने बैंक ऑफ बड़ौदा के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक एलए खान, वन और वन्यजीव विभाग, दिल्ली सरकार और बैंक ऑफ बड़ौदा के अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 120 बी, 409, 420, 467, 468, 471 के अलावा प्रिवेंशन ऑफ आईपीसी की भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धाराओं 13(2) 13(1)(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। सीबीआई को सूत्रों से पता चला कि दिल्ली सरकार के वन एवं वन्य जीव विभाग द्वारा 223 करोड़ रुपये का सरप्लस फंड बैंक ऑफ बड़ौदा बैंक की पहाड़गंज शाखा को रिज मैनेजमेंट बोर्ड फंड के नाम से एफडीआर में निवेश करने के लिए जारी किया गया था। जब इस बारे में और छानबीन की गई तो पता चला कि दिल्ली सरकार के वन एवं वन्य जीव विभाग ने रिज मैनेजमेंट बोर्ड फंड के नाम से 223 करोड़ रुपये की सावधि जमा योजना को मंजूरी दी और एक साल बाद बैंक ऑफ बड़ौदा से एसबीआई आईपी एक्सटेंशन की पहाड़गंज शाखा में ट्रांसफर कर दी। जांच में ये बात भी सामने आयी कि बैंक ऑफ बड़ौदा के सीनियर बैंक मैनेजर एलए खान ने वन एवं वन्य जीव विभाग के अज्ञात अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी पत्रों और दिल्ली अर्बन शेल्टर के खाते से बैंक ऑफ बड़ौदा के विविध खाते से 223 करोड़ रुपये गलत तरीके से बचत खाते में ट्रांसफर कर दिए।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 14 अक्टूबर, 2022 3

सु वि चा र

परमात्मा से प्रेम करना समस्त मानव जाति से प्रेम करना है

उपचुनाव में टीआरएस की जीत होने पर मुनुगोडु विस को अपनाने को तैयार : केटीआर

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने उनकी पार्टी के उम्मीदवार आगामी उपचुनाव में जीतने पर मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र को अपनाने का वादा किया। गुरुवार को मुनुगोडु निर्वाचन क्षेत्र के चंदूर में विशाल रैली को संबोधित करते हुए टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि उपचुनाव एक ठेकेदार, पूर्व विधायक राजगोपाल रेड्डी के अहंकार और मुनुगोडु लोगों के स्वाभिमान के बीच हो रहा है। अगर हमारी पार्टी के उम्मीदवार कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी विधायक के रूप में चुने जाते हैं तो मैं मुनुगोडु निर्वाचन क्षेत्र को अपनाने के लिए तैयार हूं। मैं निर्वाचन क्षेत्र के विकास की पूरी जिम्मेदारी लूंगा और इसकी विकास प्रगति की अत्यंत सावधानी से समीक्षा करूंगा।

मुनुगोडु के लोगों पर उपचुनाव थोपने के लिए भाजपा उम्मीदवार राजगोपाल रेड्डी की आलोचना करते हुए मंत्री केटीआर ने कहा कि राजगोपाल ने विधायक रहते हुए निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुछ नहीं किया था और वह 18,000 करोड़ रुपये का अनुबंध प्राप्त करके ही भाजपा में शामिल हुए हैं। केटीआर ने कहा कि चूंकि राजगोपाल को 18,000 करोड़ रुपए का ठेका मिला है, उन्हें लगता है कि वे पैसे से बाजार में उत्पाद की तरह वोट खरीद सकते हैं। लोगों को एक उचित सबक सिखाना चाहिए कि लोकतंत्र में ऐसे अहंकारी और लालची लोगों के लिए कोई जगह नहीं है। नीति आयोग की सिफारिशों को लागू करने में विफल रहने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भारी पड़ते हुए, जिसमें फ्लोरोसिस के उन्मूलन के लिए तेलंगाना राज्य को 19,000 करोड़ रुपये के आवंटन का सुझाव दिया गया था, केटीआर ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने अपने आठवें कार्यकाल के दौरान एक भी वादा नहीं किया। वर्षों का कार्यकाल और भाजपा को मुनुगोडु उपचुनाव में वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है।

केटीआर मंत्री जगदीश रेड्डी और वाम दल के नेताओं के साथ पार्टी उम्मीदवार कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी के साथ थे जिन्होंने उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र भरा है। बाद में, केटीआर ने शिवन्नागुडेम गांव में अमशाला स्वामी के आवास का दौरा किया और उनके साथ दोपहर का भोजन किया। स्वामी फ्लोरोसिस के शिकार हैं। डबल बेडरूम हाउस के निर्माण के लिए राज्य सरकार ने 5 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। केटीआर ने उनके घर की प्रगति के बारे में पूछताछ की है और पार्टी नेताओं से सदन को पूरा करने के लिए मदद देने को कहा है।

दिल्ली शराब घोटाला सीबीआई कोर्ट ने बढ़ाई अभिषेक राव की हिरासत

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीबीआई अदालत ने गुरुवार को अधिकारियों के अनुरोध पर दिल्ली शराब नीति घोटाले के आरोपियों में से एक, बोइनपल्ली अभिषेक राव की हिरासत दो दिनों के लिए बढ़ा दी। इससे पहले अभिषेक को हिरासत में पूछताछ के लिए तीन दिन की सीबीआई रिमांड पर भेजा गया था। पूछताछ के दौरान अभिषेक अधिकारियों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दे पाए। रिपोर्टों के अनुसार, सीबीआई अधिकारियों ने शराब के टेंडर के समय शेल कंपनियों की स्थापना के बारे में पूछताछ की और अभिषेक से घोटाले की जड़ों और घोटाले में उनकी संलिप्तता के बारे में पूछताछ की। दिल्ली शराब नीति में उनकी रुचि और दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद में व्यापारियों के साथ उनकी बैठकों के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने जवाब दिया कि उनकी रॉबिन डिस्टिलरीज के निदेशक और सह-आरोपी अरुण रामचंद्रन पिल्लई के साथ व्यापार शुरू करने की योजना है।

भूपालपल्ली एसपी ने माओवादियों से आत्मसमर्पण की अपील की

मुख्यधारा में शामिल होने वालों को रोजगार प्रदान करने का किया वादा

भूपालपल्ली, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक (एसपी) जे. सुरेंद्र रेड्डी ने भूमिगत माओवादियों के परिजनों से अपील की है कि वे शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करें। उन्होंने यह भी वादा किया कि मुख्यधारा में शामिल होने वालों के खिलाफ मामले छोड़ दिए जाएंगे और उन्हें रोजगार भी प्रदान किया जाएगा। भूपालपल्ली पुलिस ने गुरुवार को यहां प्रतिबंधित माओवादियों के सात सदस्यों के परिजनों और रिश्तेदारों के साथ बैठक कर उनका हालचाल जाना। बाद में उन्होंने कार्यक्रम में चिकित्सकीय परीक्षण के बाद जरूरतमंदों को चश्मा सौंपा। माओवादियों के परिजनों को कपड़े और अन्य आवश्यक वस्तुएं भी मुहैया कराई गईं। एसपी ने कहा कि जिला पुलिस विभाग माओवादी परिवार के सदस्यों को आवश्यक चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हम मुफ्त स्वास्थ्य जांच, दवाएं, आंखों की जांच और कपड़े मुहैया कराने के लिए तैयार हैं। उन्होंने माओवादियों से हिंसा से दूर रहने और अपने माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के कल्याण के लिए मुख्यधारा में शामिल होने का आह्वान किया। यह कहते हुए कि कई भूमिगत माओवादी गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं, रेड्डी ने कहा कि अगर वे मुख्यधारा में शामिल होते हैं, तो हम उन्हें बेहतर चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करेंगे। ओएसडी गौश आलम ने कहा कि नक्सलियों को अपनी विचारधारा के साथ हिंसा के रास्ते से कुछ भी हासिल नहीं होगा।

धरणी पोर्टल से बड़े पैमाने पर जमीन का अतिक्रमण : कोमटिरेड्डी राजगोपाल

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी नेता व पूर्व विधायक कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने कहा कि, राज्य में धरणी पोर्टल से बड़े पैमाने पर जमीन का अतिक्रमण होने से तेलंगाना मे देश का सबसे बड़ा भूमि घोटाला हो चुका है। इस संदर्भ में, मुनुगोडु उप चुनाव के. बीजेपी उम्मीदवार कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने कहा कि केसीआर परिवार ने धरणी पोर्टल से बड़े पैमाने पर जमीन का अतिक्रमण किया है।

जोकि सर्वथा अनुचित कार्य है। जिसमें उन्होने आगे कहा कि इस सीएम केसीआर के परिवार ने अकेले हैदराबाद के आसपास क्षेत्रों में कुल 18 लाख करोड़ की जमीन पर कब्जा कर लिया गया है। इससे साफ जाहिर है कि यह हमारे देश का सबसे बड़ा भूमि घोटाला है। इसके चलते उन्होंने मांग की कि तेलंगाना सरकार धरणी पोर्टल पर श्वेत पत्र जारी करे।

मुख्यमंत्री ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की

विजयवाड़ा, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी अपनी पत्नी वाई.एस. भारती रेड्डी ने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन और महिला राज्यपाल सुप्रवा हरिचंदन से शिष्टाचार मुलाकात की। पी.एस. राज्यपाल के संयुक्त सचिव सूर्यप्रकाश ने राजभवन पहुंचने पर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। 30 मिनट से अधिक समय तक चली बैठक में राज्यपाल हरिचंदन और मुख्यमंत्री श्री जगन मोहन रेड्डी ने सरकार द्वारा लागू किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यक्रमों पर चर्चा की। इस अवसर पर टी. रघुराम, सीएम के कार्यक्रम समन्वयक और एमएलसी, मुथ्याला राजू, सचिव जीएडी, दिल्ली राव, कलेक्टर, एनटीआर जिला, कांति राणा टाटा, विजयवाड़ा पुलिस आयुक्त, विशाल गुन्नी, पुलिस उपायुक्त, स्वप्निल दिनकर, विजयवाड़ा नगर निगम के आयुक्त, बालासुब्रमण्यम रेड्डी , निदेशक प्रोटोकॉल, उन लोगों में शामिल थे जो उपस्थित थे।

भारी बारिश : कृष्णा-गोदावरी बेसिन पर प्रमुख परियोजनाएं पूर्ण

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों में राज्य में भारी बारिश के साथ, गोदावरी और कृष्णा बेसिन पर प्रमुख परियोजनाओं में जल स्तर लगभग पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) तक पहुंच गया है। गोदावरी पर श्रीराम सागर, श्रीपदा येलमपल्ली, निजाम सागर, सिंगूर और लोअर मनेयर बांध जैसी प्रमुख परियोजनाओं में पिछले एक सप्ताह के दौरान भारी प्रवाह प्राप्त हुआ है और उनमें से अधिकांश एफआरएल के करीब पहुंच गए हैं। श्रीराम सागर और निजाम सागर परियोजनाएं बुधवार को क्रमश: 1095 फीट और 1405 फीट के अपने एफआरएल स्तर पर पहुंच गई हैं।

श्रीराम सागर परियोजना का प्रवाह 31,705 क्यूसेक है, जबकि निज़ाम सागर का प्रवाह 2,638 क्यूसेक तक पहुंच गया है। दूसरी ओर, श्रीपदा येलमपल्ली परियोजना में, जिसे 54,829 क्यूसेक प्रवाह प्राप्त हुआ, जल स्तर 485.56 फीट के एफआरएल के मुकाबले 484.28 फीट तक पहुंच गया। सिंगूर में जल स्तर 1,717 के एफआरएल के मुकाबले 1,717.81 फीट तक पहुंच गया है। निचले मनैर बांध में, जिसे पिछले एक सप्ताह में 12,184 क्यूसेक प्राप्त हुआ, जल स्तर 917.85 फीट तक पहुंच गया, जबकि एफआरएल 920 फीट है।

कदम परियोजना का जलस्तर लगभग एफआरएल तक पहुंच गया है। बुधवार को परियोजना का जलस्तर 700 फीट के एफआरएल के मुकाबले 698.55 फीट रहा। इस बीच, कृष्णा बेसिन में भी, सभी प्रमुख परियोजनाओं में भारी प्रवाह हो रहा था। बेसिन में प्रमुख परियोजनाओं में से एक, प्रियदर्शिनी जुराला परियोजना (पीजेपी), जल स्तर बुधवार को 1,045 फीट के एफआरएल के मुकाबले 1,043.90 फीट तक पहुंच गया है। लगातार भारी प्रवाह के साथ, श्रीशैलम बांध में जल स्तर 885 फीट के एफआरएल के मुकाबले 884.80 फीट तक पहुंच गया। इसी तरह, नागार्जुन सागर परियोजना (एनएसपी) को भी 590 फीट के एफआरएल के मुकाबले 589.%0 फीट के स्तर पर प्रचुर मात्रा में अंतर्वाह प्राप्त हो रहा था।

अलमाटी भी एफआरएल तक लगभग पहुंच गया है, जो वर्तमान स्तर 1,704.72 फीट है, जबकि एफआरएल 1,705 फीट है। यहां तक कि नारायणपुर परियोजना का जलस्तर 1615 फीट के एफआरएल के मुकाबले 1614.53 फीट तक पहुंच गया है।

आसपास के क्षेत्रों के जलमग्न होने के खतरे को देखते हुए सिंचाई अधिकारी इन परियोजनाओं से पानी का निर्वहन कर रहे थे। अधिकारी श्रीराम सागर से 31,705 क्यूसेक और नागार्जुन सागर परियोजना से 125752 क्यूसेक छोड़ रहे हैं। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए अन्य प्रमुख परियोजनाओं में भी इसी तरह के कदम उठाए जा रहे हैं।

आदिलाबाद में महसूस किए गए भूकंप के हल्के झटके

आदिलाबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्नूर मंडल केंद्र के कुछ हिस्सों में बुधवार रात को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3 मापी गई।

रात 11 बजकर 23 मिनट पर दो सेकेंड के लिए झटके महसूस किए जाने पर कई लोग इस डर से अपने घरों से बाहर भाग गए कि भूकंप के कारण उनके घर गिर जाएंगे। स्थानीय लोगों ने बताया कि सात साल पहले उत्नूर मंडल को झटके महसूस हुए हैं। मंचेरियल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों के कई हिस्सों में पिछले साल अक्टूबर में भी हल्के झटके महसूस किए गए थे।

उत्तराखण्ड गर्जना दिवस पर पवन कल्याण द्वारा बैठक का आयोजन जरूरी : अवंती श्रीनिवास

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व एपी मंत्री अवंती श्रीनिवास ने कहा कि, क्या उत्तराखण्ड गर्जना दिवस पर पवन कल्याण द्वारा बैठक का आयोजन जरूरी है। इस संदर्भ में, एपी सरकारी सूत्रों ने बताया कि, हाल ही में राज्य में 3 राजधानियों के विकेंद्रीकरण के समर्थन में गठित जेएसी ने इसी महीने की 15 तारीख को विशाखापत्तनम में उत्तराखण्ड गर्जना का आह्वान किया था, जिसमें. इससे संबंधित पोस्टर का अनावरण आंध्र प्रदेश के मंत्री गुडीवाड़ा अमरनाथ और पूर्व मंत्री अवंती श्रीनिवास ने किया। इस अवसर पर मंत्री जी. अमरनाथ ने सभी से उत्तराखंड गर्जना कार्यक्रम में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस गर्जना सभी को अपनी अपनी पार्टियों की परवाह किए बिना जरूर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस गर्जना में सभी दल और सभी समुदाय के लोग शामिल होंगे तथा जिसमें आक्रामक रूप अपनाने वाले वे सभी लोग उत्तराखण्ड के देशद्रोही होंगे। पूर्व मंत्री अवंती श्रीनिवास ने कहा कि लोग अमरावती के साथ-साथ विशाखापत्तनम और कुरनूल के लिए भी न्याय करने की मांग रहे हैं। उन्होंने सवाल पूछा कि उत्तराखंड क्षेत्र में राजधानी क्यों नहीं होनी चाहिए। पवन कल्याण ने शिकायत की कि विशाखा गर्जना के कारण जन सेना को जागरूक किया गया।

जिस दिन वह उत्तराखंड की गर्जना की जानी है क्या उस दिन वहां पवन कल्याण की बैठक जरूरी है? इसके चलते मंत्री ने पवन कल्याण की बैठक के आयोजन को राजनीति से परे व गैर जरूरी बताया।

चालू शैक्षणिक वर्ष के लिए एसएससी परीक्षा में छह पेपर होंगे

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसएससी सार्वजनिक परीक्षा 2023 में इस शैक्षणिक वर्ष के लिए भी केवल छह पेपर होंगे।

राज्य सरकार द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान एसएससी सार्वजनिक परीक्षाओं में प्रश्नपत्रों की संख्या को 11 से घटाकर छह करने का निर्णय लिया गया है। पिछले दो शैक्षणिक वर्षों के दौरान, सरकार ने कोविड-19 महामारी के कारण एसएससी सार्वजनिक परीक्षाओं में प्रश्नपत्रों की संख्या घटाकर छह कर दी थी। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में, हालांकि प्रश्नपत्र कम कर दिए गए थे, लेकिन महामारी के कारण सभी परीक्षाएं आयोजित नहीं की जा सकीं। परीक्षा के लिए पंजीकृत छात्रों को उत्तीर्ण घोषित किया गया और उन्हें उनके आंतरिक मूल्यांकन के अंकों को देखते हुए ग्रेड आवंटित किए गए। शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के दौरान, दसवीं कक्षा की परीक्षा छह पेपरों के लिए आयोजित की गई थी और परिणाम भी घोषित किए गए थे। अब, इसे वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि सरकार ने एसएससी सार्वजनिक परीक्षा 2023 में प्रश्नपत्रों की संख्या को घटाकर छह कर दिया है और परीक्षा के लिए 100 प्रतिशत पाठ्यक्रम को कवर किया जाएगा।

तेलंगाना पुलिस ने दी 5जी सिम घोटाले से सावधान रहने की चेतावनी

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एयरटेल और जियो के साथ 5जी सेवाएं शुरू करने के साथ, घोटालेबाज इस अवसर का उपयोग कुछ जल्दी पैसा कमाने के लिए कर रहे हैं। लोगों को घोटालों के बारे में जागरूक करने के प्रयास में, तेलंगाना राज्य पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक जागरूकता वीडियो साझा किया है। वीडियो में बताया गया है कि कैसे किसी के सिम कार्ड पर 5जी सेवाओं को सक्रिय करने के झूठे बहाने साइबर अपराधियों के साथ ओटीपी साझा करने का लालच दिया जा सकता है।

वीडियो को साझा करते हुए, तेलंगाना राज्य पुलिस के ट्विटर हैंडल ने लिखा, 5जी अपग्रेडेशन सिम घोटाले से सावधान रहें। साइबर धोखेबाजों के झांसे में न आएं जो आपके सिम को अपग्रेड करने के बहाने आपको ठग सकते हैं। मनी पर्स के वीडियो के अनुसार, साइबर अपराधी कॉल या टेक्स्ट के माध्यम से आप तक पहुंचेंगे और आपको सूचित करेंगे कि आप 5जी सेवाओं में शिफ्ट होने के योग्य हैं और यह मुफ़्त है। फिर वे आपसे एक ओटीपी मांगेंगे जो उन्हें सेवाओं को सक्रिय करने में मदद करेगा। जब कोई ओटीपी देता है, तो स्कैमस्टर उनके फोन हैक कर लेते हैं और उनकी सारी निजी जानकारी चुरा लेते हैं। इसके अतिरिक्त, वे बैंकिंग ऐप्स में भी जा सकते हैं और खातों से सारे पैसे चुरा सकते हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि 5जी सेवाएं केवल चुनिंदा शहरों में उपलब्ध हैं और अधिकांश मौजूदा सिम कार्ड पहले से ही सेवा के अनुकूल हैं। इसके अलावा, सक्रियण आपके फोन पर सरल चरणों का पालन करके किया जा सकता है, और दूरस्थ सक्रियण आमतौर पर आवश्यक नहीं होता है। 5जी सेवाओं को सक्रिय करने में आपकी मदद करने का दावा करने वाले संदिग्ध स्रोतों से आने वाले किसी भी कॉल या मैसेज से सावधानी बरतने की जरूरत है। बिना किसी विश्वसनीय कारण के ओटीपी साझा न करने की सलाह दी जाती है।

CLASSIFIEDS

WANTED

Salesman (min.5 yrs exp. in Gold Jewellery), Civil Supervisor (min.5 yrs exp), office boy. Helper Cont: 9392405437. RO NO.2745340

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

छात्रों ने गुरुकुल को करीमनगर से स्थानांतरित करने का विरोध किया

करीमनगर, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ज्योतिबा फुले गुरुकुलम शर्मानगर के छात्रों ने बुधवार को आवासीय विद्यालय को करीमनगर से स्थानांतरित करने के विरोध में धरना दिया। अधिकारियों ने स्कूल को थिम्मापुर स्थानांतरित करने का फैसला किया था। बुधवार को, जब अधिकारियों ने स्कूल को स्थानांतरित करने का प्रयास किया, तो छात्रों और एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने स्कूल के सामने धरना दिया। जैसे ही पुलिस ने आंदोलनकारी छात्रों को हिरासत में लिया, छात्र एक रैली में जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और वहां भी विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों द्वारा तीन महीने के लिए स्थानांतरण स्थगित करने का वादा करने के बाद विरोध को बंद कर दिया गया था।

फीस वृद्धि पर बीएचयू में गरमाई राजनीति

प्रियंका गांधी ने लिखा-बीजेपी की नीतियों से सामान्य घरों के बच्चों की पढ़ाई छूट जाएगी

वाराणसी, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में फीस वृद्धि के खिलाफ चल रहे आंदोलन में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की एंट्री हो गई है। प्रियंका ने ट्वीट कर लिखा, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में 400% फीस वृद्धि के बाद अब बीएचयू में भी 50% फीस वृद्धि कर दी गई है। भाजपा सरकार की नीतियों के चलते सामान्य घरों के लाखों बच्चों की पढ़ाई-लिखाई छूट जाएगी। भाजपा राज में युवा विरोधी नीतियों का यह चरम काल है, शिक्षा महंगी है और नौकरियों का बुरा हाल है।

प्रियंका गांधी के ट्वीट के बाद कैंपस में छात्र संगठनों के बीच गहमा-गहमी बढ़ गई है। सभी छात्रों के अलग-अलग संगठन एकजुट हो गए हैं। एबीवीपी, एनएसयूआई, एआईएसए और भगत सिंह छात्र मोर्चा के छात्रों ने गुरुवार शाम बैठक होने वाली है।

वहीं, बुधवार को पूरे दिन थोड़ी-थोड़ी देर में विरोध-प्रदर्शन चलता रहा। शाम के समय एनएसयूआई-बीएचयू इकाई के छात्रों ने शिक्षा मंत्री का पुतला फूंकने का प्रयास किया था।

पुतला फूंकने के प्रयास के दौरान बीएचयू के कुलपति और शिक्षा मंत्री के विरोध में नारेबाजी की गई। इसे लेकर सुरक्षाकर्मियों के साथ छात्रों की जमकर नोकझोंक हुई। छात्रों का आरोप है कि सुरक्षाकर्मी उन्हें लगातार 'मुझे जला दो' कहकर उकसाते रहे।

गुरुवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय कैंपस में छात्रों ने सेंट्रल ऑफिस का घेराव कर दीक्षांत समारोह में शामिल होने की गुहार लगाई। कहा कि एक सप्ताह के भीतर हमारा नाम दीक्षांत समारोह में नहीं डाला गया तो सड़क पर निकलकर आंदोलन करेंगे। तीन साल के बाद 10 दिसंबर को बीएचयू का दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा।

इस समारोह में साल 2021-22 में पासआउट छात्रों को मेडल और डिग्री दोनों दी जाएगी। मगर, इसके पहले वाले दो सत्रों के छात्रों को नहीं आमंत्रित किया गया है। इसमें से केवल मेडल विजेताओं को ही बुलाया गया है।

ये बातें बीएचयू के छात्रों ने कही। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाया है कि दीक्षांत समारोह में भेदभाव किया जा रहा है। सत्र 2021-22 वाले छात्रों को मेडल और उपाधि दोनों ही दीक्षांत में बांटे जाएंगे।

जबकि, साल 2019-20 और 2020-21 सत्र के केवल उन्हीं छात्रों को शामिल किया गया है, जिन्हें मेडल मिलेगा। उन छात्रों को नहीं बुलाया जाएगा, जिन्हें उपाधि नहीं मिली है। छात्रों ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, डिग्रियां छात्रों के घर पर भेजने की बात कही जा रही है।

सेंट्रल ऑफिस का घेराव

आज इस भेदभाव के खिलाफ छात्र एकजुट हो रहे हैं। सेंट्रल ऑफिस का घेराव कर एक मुहिम की शुरुआत की गई। छात्रों में शामिल विपुल सिंह ने कहा कि कुलपति को एक चिट्ठी भी दी जाएगी। इस लेटर पर विश्वविद्यालय के हजारों छात्रों का हस्ताक्षर होगा। इसके अलावा सभी फैकल्टी के छात्र-छात्राओं को उस लेटर की प्रति और दीक्षांत समारोह के जिम्मेदार कमेटी को सौंपा जाएगा।

अर्द्धसैनिक बलों में 7052 पदों पर चार जनवरी तक करें बहाली

पटना हाइकोर्ट ने दिये निर्देश

पटना, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाइकोर्ट ने केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों (सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी, सीआइएसएफ तथा आइटीबीपी) में बचे हुए 7052 पदों पर चार जनवरी तक बहाली कर लेने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति मोहित कुमार शाह की एकलपीठ ने एक साथ कई अवमानना मामले पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि तय तारीख तक बहाली नहीं किये जाने पर सभी संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अदालती आदेश की अवमानना का मामला चलाया जायेगा।

हाइकोर्ट के आदेश पर कोई कार्रवाई नहीं की

गौरतलब है कि केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग ने 21 जनवरी, 2015 को केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल (सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी, सीआइएसएफ व आइटीबीपी) में 62390 सिपाही की बहाली के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। आवेदकों की ओर से अधिवक्ता नित्या नंद मिश्रा ने कोर्ट को बताया कि कोर्ट ने पांच अप्रैल 2018 को केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग को 30 दिनों के भीतर आवेदकों के उम्मीदवारी पर विचार कर उन्हें सिपाही के पद पर बहाल करने का आदेश दिया था, लेकिन केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग ने हाइकोर्ट के आदेश पर कोई कार्रवाई नहीं की। डीपीआरओ सह सहायक निदेशक के 31 रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए ली जाने वाली लिखित परीक्षा बीपीएससी 16 से 18 नवंबर तक लेगा। बुधवार को संभावित तिथि की घोषणा परीक्षा कैलेंडर में की गयी। 30 नवंबर को मुख्य परीक्षा का रिजल्ट निकलने, 15 और 16 दिसंबर को साक्षात्कार और 20 दिसंबर को अंतिम रिजल्ट की संभावित तिथि तय की गयी है।

पटना लॉ कॉलेज में 120 सीटों पर एडमिशन के लिए एंट्रेंस टेस्ट छह नवंबर को होगा। दोपहर 2:30 से शाम चार बजे होने वाली इस परीक्षा में 2282 स्टूडेंट्स शामिल होंगे। इसके लिए दो सेंटर बनाये गये हैं। मगध महिला कॉलेज पर 1100 व बीडी पब्लिक स्कूल बुद्धा कॉलोनी में 1182 स्टूडेंट्स शामिल होंगे।

छह नवंबर को पहली पाली में एमएड के 20 सीटों के लिए 847 स्टूडेंट्स एंट्रेंस टेस्ट में शामिल होंगे। वहीं, पहली पाली में ही एमएससी बायोटेक नोलॉजी के 86 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा 10:30 बजे से 12 बजे तक आयोजित की जायेगी।

मदरसों के सर्वे पर भड़के पूर्व सपा विधायक हाजी जमीर उल्लाह

बोले-अगर पाबंदी लगी तो घर-घर में मदरसे होंगे

अलीगढ़, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी में अवैध मदरसों के सर्वे पर समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक हाजी जमीर उल्लाह ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर सर्वे के बाद मदरसों पर कोई कार्रवाई की गई तो हर घर-घर में मदरसे होंगे। माना जा रहा है कि उनके इस बयान पर यूपी में सियासी पारा चढ़ सकता है।

हाजी जमीर उल्लाह ने कहा कि इस्लाम को मदरसों की दीवार तोड़ने से कोई खतरा नहीं है, ऐसे फैसलों से इस्लाम और मजबूत हो रहा है। पूर्व सपा विधायक ने कहा कि सरकार द्वारा अवैध मदरसों की जांच के बाद अगर मदरसों पर पाबंदी लगाने की कोशिश हुई तो फिर घर-घर में मदरसे होंगे। गौरतलब है कि हाल ही पिछले दिनों प्रशासनिक जांच में 103 मदरसे अवैध पाये जा चुके हैं।

वहीं पूर्व सपा विधायक हाजी जमीर उल्लाह ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा, "जब मदरसों के पंजीकरण का कानून हाल में बना तो फिर पहले के मदरसे अवैध होंगे क्या?" उन्होंने कहा कि अगर मदरसों पर खराब नीयत रखी गई तो फिर मदरसों को घर-घर खोला जाएगा। आज

से 40 साल पहले घरों में ही मदरसे होते थे। मदरसों के अंदर दीनी तालीम दी जाती थी और स्कूलों में दुनिया की तालीम दी जाती थी।

हाजी जमीर उल्लाह ने कहा, "अगर तालाब में कोई एक मछली गंदी निकली तो क्या पूरे तालाब को सजा मिलेगी। अगर कोई गलती करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए।" उन्होंने कहा कि अगर आप पाबंदी लगाते हैं तो हमें कुरान पढ़वाना ही होगा तो हम अपने घर में ही इसकी व्यवस्था कर लेंगे।

आपको बता दें कि कुछ दिन पहले यूपी सरकार ने मदरसों की जांच के आदेश दिए थे। इस जांच के तहत अलीगढ़ जनपद के 103 मदरसों को अवैध रूप से संचालित होते पाया गया। इसको लेकर अलीगढ़ के डीएम इन्द्र विक्रम सिंह ने शासन को रिपोर्ट सौंपी थी।

बड़े भाई की कमाई में मांग रहे थे हिस्सा

इनकार किया तो छोटे की गर्भवती पत्नी और साली को मार डाला

बदायूं, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। बदायूं के दहगवां के शेखूपुरा गांव में दो भाइयों ने अपने छोटे भाई की पत्नी और साली की कुल्हाड़ी से काटकर इसलिए हत्या कर दी कि उनका बड़ा भाई उन्हें अपनी कमाई खिला रहा था। वह बड़े भाई को धमकी दे चुके थे कि या तो वह अपनी कमाई उन्हें दे या फिर वह दो-चार को मारकर ही जेल जाएंगे। लज्जावती अपने जेठ को बचाना चाहती थी। इसलिए उसने जेठ को घर से बाहर भगा दिया था। हत्यारोपी अपने बड़े भाई को तो नहीं तलाश पाए, लेकिन उन्होंने लज्जावती और उसकी सात साल की बहन की हत्या कर दी। शेखूपुरा निवासी कमल सिंह पांच भाइयों में सबसे छोटा है। सबसे बड़ा रमेश है। उसकी शादी नहीं हुई है। उससे छोटा देशराज उर्फ जंडैल, उससे छोटा बहोरी और उससे छोटा भगवती है। पांचों भाई अलग-अलग रहते हैं। बड़े भाई रमेश ने बताया कि वह मजदूरी करके रुपये कमाता है। वह पहले देशराज और बहोरी के साथ साझे में रहता था, लेकिन उनकी पत्नियां कभी खाना देतीं तो कभी नहीं देतीं थीं।

इससे रमेश उनसे हमेशा के लिए अलग रहने लगा। दो साल पहले कमल की शादी हुई तो उसकी पत्नी लज्जावती खाना बनाकर देने लगी थी। देशराज और बहोरी

शराब पीने के आदी हैं। वह चाहते थे कि रमेश अपनी कमाई लाकर उन्हें दे, लेकिन रमेश उनकी बातों में नहीं आ रहा था। मंगलवार रात जब दोनों आरोपी भाई देशराज और बहोरी अपने घर में हंगामा कर रहे थे, तभी उन्होंने एलान किया था कि वह आज रमेश को ठिकाने लगाकर ही रहेंगे। वे उसे खोजते हुए कमल सिंह के घर पहुंचे थे, लेकिन उससे पहले लज्जावती ने रमेश को अपने घर से भगा दिया था। लज्जावती को आशंका थी कि दोनों आरोपी रमेश को मार सकते हैं, पर उससे नहीं बोलेंगे, लेकिन दोनों हत्यारोपियों के सिर पर खून सवार था। उन्होंने लज्जावती और उसकी छोटी बहन मंजू की ही हत्या कर दी।

शाम को पत्नियों के साथ की थी मारपीट, पुलिस ले गई थी थाने

हत्यारोपी देशराज उर्फ जंडैल और बहोरी ने मंगलवार शाम शराब पीकर अपनी-अपनी पत्नियों के साथ मारपीट की थी। उनकी पत्नियों ने थाने जाकर दोनों की शिकायत कर दी।

इस पर पुलिस दोनों को उठा ले गई, लेकिन देर शाम उनकी पत्नियों ने थाने आकर उन्हें छुड़ा लिया। रात दस बजे दोनों ने फिर से हंगामा कर दिया। पत्नियों के साथ मारपीट की। इससे दोनों घर से चली गईं।

हत्यारोपी देशराज और बहोरी को दो सगी बहनें ब्याही हैं। उनकी ससुराल संभल जिले के बहजोई थाना क्षेत्र के गांव मोहकमपुर में है। देशराज की पत्नी जगवती और बहोरी की पत्नी रामवती है। इसी गांव मोहकमपुर में कमल सिंह की भी ससुराल है। इसमें लज्जावती का परिवार अलग है। लज्जावती सात माह की गर्भवती थी। बुधवार को जब उसके शव का दो डॉक्टरों के पैनल में पोस्टमार्टम कराया गया तो पता चला कि उसकी कोख में बेटी पल रही थी। हत्यारोपियों ने उसकी सांसें उसके जन्म लेने से पहले ही छीन लीं। लज्जावती के गर्भवती होने पर भी उन्हें तरस नहीं आया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दोनों बहनों की सिर में गंभीर चोट लगने से मौत होना पाया गया है। लज्जावती गांव में ही महिलाओं के कपड़े सिलकर अपना परिवार चला रही थी। पति की मजदूरी और इससे उसके परिवार का गुजारा चल रहा था।

पांच भाइयों के नाम छह बीघा जमीन रखी है गिरवी

कमल सिंह के पांचों भाइयों के नाम छह बीघा जमीन है। कमल सिंह ने बताया कि कुछ साल पहले उनके पिता हुलासी जमीन डेढ़ लाख रुपये में गिरवी रख गए थे। उनके पास इतना पैसा नहीं था कि वह जमीन छुड़ा सकें। देशराज और बहोरी उनका कोई सहयोग नहीं कर रहे थे। उल्टा रमेश पर रुपये देने का दबाव बना रहे थे। इससे वह मजदूरी पर निर्भर हो गए। वह अपनी जमीन नहीं छुड़ा सके।

लंपी वायरस का बढ़ा प्रकोप

जिले में पशुओं को बचाने की चुनौती

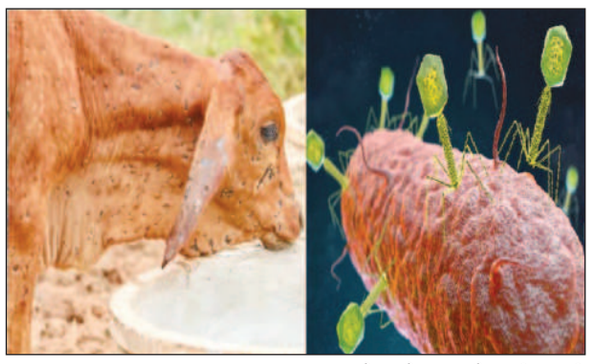

पटना, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के सासाराम जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है। इन दिनों सासाराम में लंपी वायरस पशुओं पर कहर बनकर टूट रहा है। इससे सबसे अधिक गाय प्रभावित हो रही हैं। हालांकि, यह वायरस सासाराम में अब तक कोई प्रभाव नहीं छोड़ा है। लेकिन, राज्य के अन्य जिलों में धीरे-धीरे यह वायरस अपना पांव पसारने लगा है, तो वहीं देश के राजस्थान, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में लंपी वायरस ने भयंकर तबाही मचायी है। अब तक करीब 75 हजार से अधिक पशु लंपी स्किन डिजीज की चपेट में आकर मर चुके हैं। इस स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन व पशुपालन विभाग अलर्ट मोड में हो गया है, जहां उन्हें जिले के करीब नौ लाख पशुधनों को बचाने की बड़ी चुनौती होगी।

क्या है लंपी वायरस

एक्सपर्टस के अनुसार, लंपी एक वायरल डिजीज है, यानी यह बीमारी एक संक्रामक रोग विषाणु जनित बीमारी है। इस रोग का संचरण, फैलाव, प्रसार पशुओं में मक्खी, चिचड़ी एवं मच्छरों के काटने से होता है। वहीं संक्रमित पशुओं से अन्य पशुओं में बेहद तेजी से फैलती है। इस बीमारी से संक्रमित पशुओ में हल्का बुखार हो जाता है। इससे ग्रसित हो जाने पर पशुओं के शरीर पर जगह-जगह नोड्यूल-गांठें ऊभर आती हैं। इस वायरस से ग्रसित पशुओं को तत्काल इलाज व बचाव की जरूरत होती है, अन्यथा गंभीर होने पर पशु की मौत हो जाती है। पशुओं की मृत्यु दर अनुमान करीब पांच प्रतिशत होता है।

फिल्मी डायलॉग के सहारे प्रशांत किशोर ने कसा तंज

कहा- राजा का बेटा अब राजा नहीं बनेगा, पहले वाला समय गया, ठीक है न?

पटना, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। जन सुराज यात्रा पर निकले चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बुधवार (12 सितंबर) को बिहार में पिपरा पंचायत के लोगों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब देश आजाद हुआ तो गांधी जी, बाबासाहेब अंबेडकर ने जनता को अधिकार दिया कि देश का राजा वही बनेगा जिसको आप चुनेंगे, राजा का लड़का राजा नहीं बनेगा।

चुनावी रणनीतिकार ने कहा कि देश में अब लोकतंत्र है जिसको गरीब जनता देश वोट करेगी वही राजा बनेगा। पहले वाला समय अब चला गया है। जनता एक बार जाग जाएगी तो सबको बता देगी। प्रशांत किशोर ने पश्चिम चंपारण में लोगों को संबोधित करते हुए कहा, "अब राजा का बेटा राजा नहीं बनेगा, राजा वही बनेगा, जिसे जनता वोट करेगी। लोकतंत्र में राजा का लड़का राजा नहीं बन सकता है। ठीक है ना।" लोगों से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि अब बिहार के बच्चों के भविष्य के लिए वोट डालिए, न की लालू, नीतीश या मोदी के नाम पर।

गांधी जी का फोटो लेकर चले हैं: जन सुराज यात्रा पर निकले पीके ने कहा कि हम गांधी जी का फोटो लेकर चले हैं, याद रखिए गांधी के सामने समाज खड़ा हो गया तो देश आजाद हो गया। आप लोग फिर से गांधी के साथ एक बार खड़े हो जाइए और आपकी गरीबी दूर होगी।

स्थानीय लोगों से बात करते हुए पीके ने कहा कि बिहार में 13 करोड़ की आबादी में से 8 करोड़ आबादी ऐसी है जिसे दिन का 100 रुपया भी नहीं मिलता है। यहां तीन करोड़ परिवार में से केवल 1250 से 1500 परिवार के लोग ही सांसद या विधायक बन रहे हैं, दूसरे किसी को मौका नहीं मिलता।

आपको सजग करने आए हैं:

चुनावी रणनीतिकार ने कहा कि 20 सालों से वही परिवार राज कर रहा है, इनके अनुसार दूसरा कोई काबिल नहीं है। जो आदमी राजनीति में आना चाहता है जिसके अंदर बिहार में व्यवस्था परिवर्तन को लेकर जुनून है, वैसे लोग संसाधन या व्यवस्था की कमी से पीछे न छूटे, यही हमारी कोशिश है। पीके ने लोगों से कहा कि जन सुराज पद यात्रा में हम आपको सिखाने और समझाने नहीं आए हैं बल्कि आपको सिर्फ सजग करने आए हैं।

योगी का दिवाली गिफ्ट

यूपी में इलेक्ट्रिक कार खरीदने पर 1 लाख तक छूट, स्कूटी-बाइक पर 5000 डिस्काउंट

लखनऊ, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी की योगी सरकार ने दिवाली से पहले यूपी वासियों को दिवाली गिफ्ट देते हुए नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2022 की घोषणा कर दी है। इस योजना के मुताबिक राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों को भारी-भरकम डिस्काउंट मिलेगा। योगी सरकार ने इस पॉलिसी को 3 डी बनाया है यानी इस नीति से सरकार तीन लक्ष्यों को प्राप्त करना चाहती है। पहला लक्ष्य है इलेक्ट्रिक गाड़ियों की खरीद पर भारी-भरकम छूट देकर लोगों को इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना। दूसरा राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वालों को प्रोत्साहित करना और तीसरा चार्जिंग स्टेशन सेंटर स्थापित करने वालों को रियायत देना ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग चार्जिंग स्टेशन लगाने के लिए प्रेरित हों। यूपी सरकार की नई नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2022 के मुताबिक कोई भी व्यक्ति इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदता है तो उसे भारी भरकम छूट मिलेगी। योजना के मुताबिक राज्य में पहले खरीदे जाने वाले दो लाख दोपहिया वाहन पर 5 हजार रुपये प्रति वाहन की छूट मिलेगी। उसी तरह शुरूआती 50 हजार तिपहिया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वाले को 12, 000 रुपये प्रति युनिट छूट मिलेगी और इलेक्ट्रिक कार खरीदने वाले पहले 25 हजार लोगों को 1 लाख रुपये तक छूट मिलेगी। इसके अलावा अगर आप इलेक्ट्रिक बस खरीदते हैं तो शुरूआती चार सौ बस खरीदने वालों को 20 लाख रुपये तक सब्सिडी दी जाएगी। यही नहीं, राज्य में पहले तीन साल खरीदे जाने वाले सभी इलेक्ट्रिक वाहनों को रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन चार्ज नहीं देना होगा।

11 गांवों के पूर्व प्रधानों और सचिव से वसूले जाएंगे 6.20 करोड़, लेखाजोखा नहीं दे पाए

अमेठी, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। जामो ब्लॉक की 11 ग्राम पंचायतों द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 में खर्च की गई 6.20 करोड़ रुपये राशि का लेखाजोखा प्रस्तुत नहीं किया गया। समय देने के बावजूद लेखा अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए गए। मामले में जिला लेखा परीक्षा सहकारी समितियां एवं पंचायतें द्वारा डीपीआरओ को पत्र भेजकर उक्त राशि अधिभार हेतु अंकित कर वसूली योग्य उल्लेख करते हुए प्रधान व सचिव को उत्तरदायी बताया गया है। पत्र मिलने के बाद डीपीआरओ ने उक्त गांव में पूर्व ग्राम प्रधान तथा पंचायत सचिवों को नोटिस भेजकर सात दिन में साक्ष्य समेत जवाब देने को कहा है। जवाब व साक्ष्य नहीं देने पर वसूली की जाएगी। वित्तीय वर्ष 2020-21 में जामो ब्लॉक के 11 गांवों के प्रधान व सचिव द्वारा छह करोड़ 20 लाख 51 हजार 173 रुपये का लेखाजोखा नहीं प्रस्तुत किया।

गोलियों से थर्रा उठा बिहार का बेतिया

बदमाशों ने घर में घुसकर सात को मारी गोली

बेतिया, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में फिर अपराध बढ़ते जा रहे हैं। राज्य के पश्चिमी चंपारण के बेतिया में बदमाशों ने एक घर में घुसकर अंधाधुंध गोलीबारी की। हमले में सात लोगों को गोली लगी है। गोलीबारी से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सातों घायलों को निकट के अस्पताल में भर्ती कराया। कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। गोलीबारी की घटना योगापट्टी थाना क्षेत्र के गोलाघाट डुमरी के अहिरौली गांव में हुई। पुलिस के अनुसार तीन बदमाशों ने अहरौली निवासी राजा बाबू पटेल के घर पर धावा बोला। गोलीबारी आपसी रंजिश के चलते किए जाने की आशंका है। हमले के लिए पेशेवर शूटरों

को पैसा देकर बुलवाया गया था। गोलीबारी के बीच ही कुछ साहसी ग्रामीणों ने एक शूटर को पकड़ लिया और उसकी जमकर धुनाई के बाद पुलिस को सौंप दिया गया। सातों घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में राजा बाबू पटेल, विजय पटेल और रुस्तम मियां शामिल हैं।

पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। गोलीबारी के आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दफ्तर में संदिग्ध सूटकेस ले गए तो अलार्म कर देगा अलर्ट

सेंसरों का यह भी फायदा

कानपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। अब किसी भी सरकारी और कॉमर्शियल दफ्तर में संदिग्ध सूटकेस ले गए और खाली हाथ वापस लौटे तो अलार्म बजेगा। स्मार्ट सिटी के सिटी कमांड सेंटर में 15 सेकेंड के भीतर मैसेज पहुंच जाएगा कि अलर्ट हो जाएं। फौरन चेकिंग शुरू करें। इसके लिए स्मार्ट सिटी के सर्विलांस कैमरों को ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सुसज्जित कर दिया गया है।

स्मार्ट सिटी के तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सॉफ्टवेयर कैमरों से लिंक कर दिया है। सेंसरों को यह टीम तकनीकी रूप से दक्ष बना रही है। यह सिखा रही है कि किस तरह उन्हें काम करना है। स्मार्ट सिटी के सीईओ एवं नगर आयुक्त शिव शरणप्पा जीएन ने पुलिस की मदद को यह पहल की है।

साईं बाबा का लालू के बेटे पर चमत्कार!

तेज प्रताप का दावा, टीवी देखने के बाद टेबल पर मिला प्रसाद

पटना, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के वन एवं पर्यावरण मंत्री तेजप्रताप यादव ने दावा किया है कि उनके साथ चमत्कार हुआ है। उन्होंने कहा कि वह रात में शिरडी वाले साईं बाबा का सीरियल देख रहे थे। तब उन्होंने साईं बाबा को याद किया और सोचा कि उनकी भभूत मिल जाए। अगले ही दिन उनके टेबल पर अपने आप भभूत का पैकेट मिल गया। तेजप्रताप का कहना है कि ऐसा चमत्कार उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। आरजेडी

सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने एक वीडियो में बताया कि वे अपने घर पर साईं बाबा का सीरियल देख रहे थे। उसमें दिखाया जा रहा था कि साईं बाबा भभूत से लोगों की बीमारियां और परेशानियां दूर करते थे। तेजप्रताप ने बाबा को दिल से याद किया और भभूत उन्हें भी मिल जाने की कामना की। उन्होंने देखना चाहा कि सही में साईं बाबा चमत्कार करते हैं या नहीं। इसके बाद जब वे अगले दिन अपने घर पर बने ऑफिस में आए तो टेबल पर भभूत रखी मिली। तेजप्रताप का कहना है कि ये साईं बाबा का चमत्कार है। उन्होंने अपने मन में भभूत की कामना की और अगले दिन वो ऑफिस में मिल गई।

एक और केस में उलझ गए आजम खान

लखनऊ, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकारी लेटर पैड एवं मोहर के गलत इस्तेमाल के मामले में बुधवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री व रामपुर से सपा विधायक आजम खान पर एमपी एमएलए कोर्ट में आरोप तय किए हैं। विशेष अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव ने आरोप तय करते हुए गवाही के लिए चार नवम्बर की तिथि तय की है। सुनवाई के दौरान आजम खान व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित थे। इससे पहले 29 सितंबर को आजम खान की ओर से दाखिल उन्मोचन प्रार्थना पत्र कोर्ट ने खारिज कर दिया था। अदालत में आजम खान पर लगे आरोपों को पढ़कर सुनाया गया। जिस पर आजम खान की ओर से आरोपों से इनकार करते हुए मुकदमे के विचारण की मांग की गई।

अभियोजन अधिकारी सोनू सिंह राठौर ने बताया कि आजम खान के खिलाफ 1 फरवरी 2019 को हजरतगंज थाने में अल्लामा नकवी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

गोली चलने से बीजेपी नेता की पत्नी की मौत

एसएसपी को किसी ने कुछ बताया तक नहीं, अब एसडीएम पर भड़के लोग

काशीपुर, 13 अक्टूवर (एजेंसियां)। काशीपुर में 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश को दबोचने के लिए आई यूपी की ठाकुरद्वारा पुलिस ने कुंडा थाना पुलिस को अपने आने की भनक तक नहीं लगने दी। शाम को 10-12 लोग सादे कपड़ों में दो गाड़ियों से ज्येष्ठ उप प्रमुख (भाजपा) गुरताज भुल्लर के फार्म हाउस पर आ धमके। उनके हाथों में पिस्टल थे। परिवार के लोगों ने बदमाश समझकर उन्हें ललकारा। इस दौरान हुई फायरिंग में गुरजीत कौर की मौत हो गई। कुंडा थाना पुलिस को इस घटना की भनक तब लगी जब मृतका के चाचा ने पुलिस को हत्या हो जाने की जानकारी दी। इस पर कुंडा थाना प्रभारी दिनेश फर्त्याल भी उच्चाधिकारियों को सूचित किए बगैर ही घटनास्थल की ओर रवाना हो गए। मौके पर पहुंचकर वारदात की गंभीरता को देखते हुए एसओ ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वारदात में ठाकुरद्वारा के प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र सिंह, आरक्षी राघव, सिंघम, शिवकुमार और राहुल घायल हो गए। घायलों को कुंडा थाना पुलिस ने सरकारी अस्पताल पहुंचाया लेकिन इसी दौरान घायल महिला की मौत की खबर सुनकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। ठाकुरद्वारा इंस्पेक्टर योगेंद्र ने तत्काल एसएसपी मुरादाबाद हेमंत कुटियाल को वारदात में पुलिस कर्मियों के घायल होने की सूचना दी।

कुटियाल ने ही ऊधमसिंह नगर के एसएसपी मंजूनाथ टीसी को घटना के बारे में बताया। तब कहीं जाकर एसएसपी मंजूनाथ टीसी को इस बारे में जानकारी हुई। एसएसपी मंजूनाथ के निर्देश पर जिले के आला पुलिस अधिकारी घटना स्थल की ओर से दौड़ पड़े।

एसपी काशीपुर चंद्रमोहन सिंह, सीओ वंदना वर्मा, सीओ रामनगर बीएस भाकुनी, सीओ बाजपुर भूपेंद्र सिंह, कोतवाल मनोज रतूड़ी, कोतवाल जसपुर प्रेम सिंह दानू, कोतवाल बाजपुर प्रवीण सिंह कोश्यारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए।

इस दौरान गुस्साए लोगों ने कुंडा थाने के सामने एनएच को घेरकर वहां जाम लगा दिया। इससे एनएच पर वाहनों की लबी कतारें लग गईं। देर रात तक पुलिस अधिकारी प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने में लगे थे लेकिन प्रदर्शनकारी टस से मस होने को तैयार नहीं हुए।

जनाक्रोश से फूले पुलिस के हाथ-पांव, एसडीएम पर भड़के लोग

मृतका गुरजीत कौर बेहद सौम्य स्वभाव की थी। उसकी हत्या की खबर ने क्षेत्र की जनता को झकझोर कर रख दिया। उसकी पांच वर्ष की एक बेटी है और चार माह पूर्व ही उसने एक बेटे को जन्म दिया था। गुरजीत कौर का मायका काशीपुर के मोहल्ला टांडा उज्जैन का है। उसकी मौत को लेकर उपजे आक्रोश से पुलिस के हाथ-पांव फूल गए।

एहतियात के तौर पर अधिकारियों ने कुंडा थाने का मेन गेट तक बंद कर दिया। प्रदर्शनकारियों को समझाने के दौरान एसडीएम अभय प्रताप सिंह के मुंह से अनायास ही कुछ निकल गया जिस पर लोग उन पर भड़क गए। मौके पर मौजूद एसपी चंद्रमोहन सिंह, सीओ वंदना वर्मा व अन्य अधिकारियों ने एसडीएम को वहां से हटाकर स्थिति को जैसे-तैसे संभाला।

पीएम मोदी ने हिमाचल प्रदेश के ऊना में बल्क ड्रग पार्क की आधारशिला रखी

शिमला, 13 अक्टूवर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को हिमाचल प्रदेश के अपने दौरे के दौरान ऊना जिले में एक बल्क ड्रग पार्क की आधारशिला रखी। उन्होंने भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी)-ऊना को भी राष्ट्र को समर्पित किया और ऊना जिले के अंब अंदोरा से नयी दिल्ली के लिए नयी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। मोदी ने साल 2017 में आईआईटी-ऊना की आधारशिला रखी थी। हिमाचल प्रदेश में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

मोदी ने हरोली में बल्क ड्रग पार्क की आधारशिला रखी, जिसे 1,900 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया जाएगा। यह

पार्क एपीआई (दवा के चिकित्सकीय गुणों के लिए जिम्मेदार यौगिक) आयात पर निर्भरता घटाने में मदद करेगा। इससे लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने और 20,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने नयी वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। यह देश में शुरू की गई चौथी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन है और पहले की तुलना में एक उन्नत संस्करण है, जो बहुत हल्की होने के साथ-साथ कम अवधि में तेज रफ्तार पकड़ने में सक्षम है। यह ट्रेन महज 52 सेकेंड में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है।

प्रधानमंत्री के ऊना के पेखुबेला हेलीपैड पर पहुंचने पर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मोदी ऊना के इंदिरा गांधी स्टेडियम में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। वह चुनावी राज्य में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और आधारशिला रखने के बाद चंबा जिले के चोगन मैदान में भी एक अन्य जनसभा को संबोधित करेंगे। पिछले पांच वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी का हिमाचल प्रदेश का यह नौवां दौरा है।

तीन हजार की रिश्वत ले रहा था राजस्व अधिकारी

एसीबी को देखते ही बाइक उठाई और हो गया फरार

मुंबई, 13 अक्टूवर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एक गांव में रिश्वतखोर राजस्व अधिकारी, एसीबी अधिकारी को देखते ही बाइक से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि राजस्व अधिकारी ने जमीन मामले को सुलझाने के लिए रिश्वत की मांग की थी जिसकी शिकायत एसीबी के पास पहुंची थी। जिसके बाद से भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने दबिश डालनी शुरू कर दी थी। अधिकारियों के अनुसार घटना बुधवार को जिले के शाहपुर तालुका के खुटघर शाहपुर गांव की है।

आरोपी ने शिकायतकर्ता से एक हाउसिंग सोसाइटी के नाम पर भूमि के हस्तांतरण के लिए 13,000 रुपये की मांग की थी। बातचीत के बाद, राशि को 5,000 रुपये पर अंतिम रूप दिया गया था। आरोपी ने शिकायतकर्ता से 3,000 रुपये स्वीकार भी किए। इसके बाद शिकायतकर्ता ने इस मुद्दे को उठाने के लिए एसीबी की ठाणे इकाई से संपर्क किया। इसके बाद राजस्व अधिकारी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया। फिर शिकायतकर्ता और पांच गवाह के साथ एसीबी की टीम आरोपी राजस्व अधिकारी के दफ्तर पहुंची। वहां शिकायतकर्ता को राजस्व अधिकारी को तीन हजार रुपये देने के लिए कहा गया लेकिन इसकी भनक राजस्व अधिकारी को लग गई थी और वह सभी को धक्का देकर फरार हो गया। एसीबी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है और बाद में शाहपुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था।

वहीं एक अन्य मामले में महाराष्ट्र पुलिस ने एक लड़की को जन्म देने के लिए अपनी पत्नी को प्रताड़ित करने के आरोप में नवी मुंबई के तलोजा में एक व्यक्ति और उसके परिवार के सात सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारी ने कहा कि आरोपी इस बात से भी नाखुश थे कि बच्ची का रंग सांवला है। फरवरी 2019 में मुख्य आरोपी से शादी करने वाली 29 वर्षीय महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर तलोजा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था।

नशा तस्करों पर नकेल

अब एक साल की होगी जेल

जम्मू, 13 अक्टूवर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में नशा तस्करी में बार-बार पकड़े जाने वाले तस्कर अब एक साल के लिए जेल में जाएंगे। जैसे किसी कुख्यात अपराधी पर पुलिस की सिफारिश पर जिला प्रशासन पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) लगाकर उसे एक से दो साल के लिए जेल में डालता है।

ठीक इसी तरह अब बार-बार नशा तस्करी में पकड़े जाने वाले कुख्यात नशा तस्करों पर प्रिवेंशन ऑफ इलीक्टि ट्रैफिकिंग नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक (पीआईटीएनडीपीएस) एक्ट लगाया जाएगा। इसकी शुरुआत भी कर दी गई है। पिछले 20 दिन में ऐसे तीन कुख्यात तस्करों पर उक्त एक्ट लगाया गया है। इसके बाद इन लोगों को एक साल के लिए सेंट्रल जेल भेज दिया गया है। जिले के सभी थानेदारों से कहा गया है कि वह अपने अपने इलाके में सक्रिय सभी बड़े नशा तस्करों की पहचान करें। ऐसे तस्करों को चिन्हित करें, जिन पर पहले से 4 से 5 मामले चल रहे हों और वह अब भी लगातार इस तरह की तस्करी में शामिल हों। इनको गिरफ्तार करें और इनकी सिफारिश जिला प्रशासन से करें, ताकि इन पर पीआईटीएनडीपीएस लगाकर जेल में भेजा जाएगा। हाल ही में मीरां साहिब में दो लोगों पर पीआईटीएनडीपीएस लगा है,

जबकि एएनटीएफ ने भी एक आरोपी पर पीआईटी लगाया था। जब कोई अपराधी बार बार किसी अपराध में संलिप्त हो, तो संबंधित पुलिस इसका डोजियर तैयार करती है। इसमें बताया जाता है कि उक्त अपराधी समाज के लिए खतरा बन चुका है, जिसका बाहर रहना समाज के लिए खतरा है। लिहाजा इसे एक साल या दो साल के लिए पीएसए लगाकर जेल में रखा जाए।

'पीछे जाकर खा लो मामा !'

जब महाकाल लोक के कार्यक्रम में मोदी की नजर पड़ते ही झेंप गए शिवराज

उज्जैन, 13 अक्टूवर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उज्जैन में आलौकिक श्री महाकाल लोक का लोकार्पण किया। पूरा माहौल ही भक्तिमय था। इस दौरान स्टेज पर मोदी के बगल में बैठे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का एक वीडियो वायरल हो गया है। इसमें संबोधन से पहले वह जेब से कुछ निकालते हैं। उसे छिपाकर खाते हैं और अचानक मोदी पलटकर उन्हें देखते हैं। इसके बाद तो जैसे शिवराज को कुछ समझ ही नहीं आया कि क्या हो गया है। उनका मुंह खुला का खुला रह गया। आधा उठकर इधर-उधर भी देखा। इसे सोशल मीडिया पर मजाकिया अंदाज में प्रचारित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को दिनभर उज्जैन में थे। सुबह से ही वे मंदिरों के दर्शन कर रहे थे। उन्होंने चिंतामण गणेश, गढ़कालका देवी के दर्शन किए। शिप्रा पर चुनर चढ़ाई। इसके बाद शाम को जब मोदी आए तो वह व्यस्त हो गए। पूरा दिन व्यस्त रहने की वजह से शायद स्टेज पर ही उन्हें भूख लग आई होगी, तभी उन्होंने जेब से निकालकर कुछ खाया। इसी दौरान यह वाकया हो गया। इंस्टाग्राम पर इसका एक मीम बन गया। इसमें ऐसा प्रतीत होता है कि मोदी शिवराज से कह रहे हो कि 'पीछे जाकर खा लो मामा!' जिस अंदाज में यह वीडियो बना है, उसे देखने वालों की हंसी नहीं छूट रही।

वीडियो बनाने वाले को 21 तोपों की सलामी

माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण दुबे ने यह वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भूख लग रही थी। उज्जैन में चुपके से नजर बचाकर जेब से पिस्ता निकाल कर खाने लगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की नजर उन पर पड़ गई तो वे चौंक गए। जिसने भी इस वीडियो को बनाया, उसे 21 तोपों की सलामी।

स्वागत करो मेरा

इंस्टाग्राम पर एक यूजर पंकज क्षीरसागर ने लिखा- रंगे मुंह पकड़ा गए सीएम! पास बैठे हैं बब्बर शेर पीएम। और उनके पास बैठे हैं मध्यप्रदेश के सीएम शिवराज जी। उन्होंने इधर-उधर ताकते हुए नजरें बचाते हुए जैकेट की जेब में से चोरी चुपके पिस्ता निकाला। छीला और खाया। तभी स्वागत के लिए एंकर ने नाम पुकारा। खाने में तल्लीन शिवराजजी को पीएम ने देखा। और आंखों-आंखों में और हाथों के इशारे से बताया जाओ स्वागत करो मेरा।

आदमपुर उपचुनाव: आप बीजेपी कांग्रेस का रोमांच

समझें तीनों के लिए क्यों जरूरी है वीआईपी सीट

आदमपुर, 13 अक्टूवर (एजेंसियां)। उपचुनाव के लिए आदमपुर का मैदान तैयार है। भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी के बाद अब कांग्रेस ने भी बुधवार को सीट पर उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है। हरियाणा की यह वीआईपी सीट कई मायनों में खास है। तीनों दलों के लिए यह उपचुनाव अहम होगा। क्योंकि एक ओर जहां भाजपा उम्मीदवार के लिए यह जंग विरासत बरकरार रखने की होगी। वहीं, कांग्रेस की जंग सीट पर नियंत्रण बनाए रखने की होगी। इधर, पंजाब के बाद नई सियासी जमीन तलाश रही आप के लिए भी यह जीत अच्छी शुरुआत साबित हो सकती है।

कांग्रेसः जय प्रकाश

कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री जय प्रकाश को उम्मीदवार बनाया है। जेपी हिसार से तीन बार के सांसद रह चुके हैं। साथ ही वह बरवाला विधानसभा सीट से विधायक हैं और कैथल की कलायत सीट से भी विधायक का चुनाव जीत चुके हैं। खबर है कि चुनावी मैदान में जेपी

की एंट्री के साथ ही मुकाबला रोमांचक हो गया है। क्योंकि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्थानीय वोटर्स का मानना है कि अब किसी भी उम्मीदवार के लिए चुनाव आसान नहीं होगा। इससे पहले भी उन्होंने कुलदीप बिश्नोई को 2005 में कड़ी चुनौती पेश की थी। नतीजे आए, तो बिश्नोई की जीत का अंतर महज 6015 रह गया था। अब बिश्नोई के पार्टी बदलने के बाद कांग्रेस इस सीट पर नियंत्रण बनाए रखना चाहेगी। साथ ही पार्टी जीत के जरिए यह दिखाने में कामयाब हो सकती है कि परिवर्तन की हवा चल रही है। इसके अलावा पार्टी बिश्नोई को हराकर राज्यसभा चुनाव और कांग्रेस छोड़ने का सियासी हिसाब भी पूरा करना चाहेगी।

भारतीय जनता पार्टीः भव्य बिश्नोई

भाजपा ने कुलदीप के बेटे भव्य पर भरोसा जताया है। अब यह चुनाव खुद कुलदीप के लिए भी चुनावी क्षमता साबित करने का मौका होगा। खास बात है कि साल 1968 के बाद से यह सीट बिश्नोई परिवार के पास है। इससे पहले 1968 से 2000 तक यहां भजन लाल का शासन रहा। इसके बाद 2005 में बिश्नोई इसे संभाल रहे हैं। साल 2012 उपचुनाव में पत्नी रेणुका ने जीत दर्ज की थी। हालांकि, इस सीट से भाजपा को एक और फायदे के आसार हैं। अगर भव्य उपचुनाव में जीत दर्ज करते हैं, तो भाजपा राज्य में गठबंधन के साथी दुष्यंत चौटाला की जेजेपी के सामने और मजबूत स्थिति में आ जाएगी।

आम आदमी पार्टीः सतेंद्र सिंह

पड़ोसी राज्य पंजाब में 2022 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के हाथों से सत्ता छीनने में सफल रही आप हरियाणा में भी बड़ी एंट्री की कोशिशों में जुटी हुई है। आप पहले ही तय कर चुकी है कि साल 2024 में होने वाले चुनाव में सभी 90 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। इस बार उपचुनाव में पार्टी ने सतेंद्र सिंह पर भरोसा जताया है।

खास बात है कि हरियाणा आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का गृहराज्य है। इस लिहाज से भी पार्टी यहां तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी। खबर है कि पार्टी ने 2 हजार से ज्यादा वॉलिंटियर्स मैदान में उतारने का फैसला किया है। इसके अलावा दिल्ली और पंजाब के करीब 25 विधायक भी यहां प्रचार के लिए पहुंच सकते हैं।

कांग्रेस के टिकट पर लड़ चुके हैं तीनों उम्मीदवार

खास बात है कि आदमपुर उपचुनाव में दम भर रहे तीनों उम्मीदवार कभी कांग्रेस के टिकट से ही मैदान में उतर चुके हैं। एक ओर जहां भव्य ने हिसार से लोकसभा चुनाव लड़ा था। वहीं, सतेंद्र 2014 में आदमपुर विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं।

नदी पार करते समय तीन मजदूर सहित बह गया टैक्टर, सिर्फ ड्राइवर बचा

छिंदवाड़ा, 13 अक्टूवर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के मोहखेड़ क्षेत्र में बुधवार शाम हुई तेज बारिश की वजह से उमरानाला से हिवरावासुदेव के बीच स्थित उमरा नदी उफान पर आ गई थी। उसी दौरान ईट से भरा एक ट्रैक्टर पानी के तेज बहाव में उसमें बह गया। उस समय उस पर ड्राइवर समेत चार लोग सवार थे। ड्राइवर तो तैरकर बाहर आ गया। बाकी मजदूरों का अब तक कोई सुराग नहीं लगा है। बताया जाता है कि तेज बहाव में तीनों मजदूर काफी दूर निकल गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल उमरानाला और मोहखेड पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू कर दिया।

ड्राइवर ही बचा, बाकी सभी लापता

गुरुवार सुबह तक सिर्फ एक ट्राली ही मिल पाई थी। पानी का तेज बहाव होने के कारण ट्रैक्टर और उसमें सवार तीन लोग कहां गए, यह अब तक पता नहीं लगा है। गुरुवार को भी सुबह से ही नदी के आसपास पानी में बहे लोगों के परिजन और रिश्तेदारों का तांता लगा हुआ है। ग्रामीण की मदद से पुलिस तीनों युवकों की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक हिवरावासुदेव निवासी ट्रैक्टर चालक 26 वर्षीय रवि उईके के साथ गांव के 25 वर्षीय अनिल धुर्वे, 24 वर्षीय विनोद कड़वे और 23 वर्षीय अजय धुर्वे ईट लेने मोरडोंगरी गए थे। बुधवार रात बारिश की वजह से उमरा नदी उफान पर थी। मोरडोंगरी से ईटें लेकर लौट रहा ट्रैक्टर उमरा नदी का रपटा पार कर रहा था। रपटे पर बीच में आकर ट्रैक्टर नदी में पलट गया। हादसे में ड्राइवर समेत चारों युवक बह गए थे। ड्राइवर रवि तैरकर पानी से बाहर आ गया। विनोद, अनिल और अजय का सुराग नहीं लगा है।

बारिश के चलते नदी आ गई थी उफान पर

उमरानाला क्षेत्र में बुधवार को काफी तेज बारिश हुई थी। इस कारण क्षेत्र के नदी-नाले उफान पर आ गए थे। ऐसे में पानी के तेज बहाव में ईट से भरा ट्रैक्टर पार कराना ड्राइवर को भारी साबित हो गया, और ट्रैक्टर बह गया।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	में	कन्या..	04-21 बजे
चंद्र-	वृष	में	तुला-	06-25 बजे
मंगल	वृष	में	वृश्चिक	08-36 बजे
बुध-	कन्या	में	धनु---	10-49 बजे
गुरु-	मीन	में	मकर-	12-55 बजे
शुक्र-	कन्या	में	कुंभ-	15-45 बजे
शनि-	मकर	में	मीन...	16-24 बजे
राहु-	मेष	में	मेष--	18-20 बजे
केतु-	तुला	में	वृष--	19-44 बजे
			मिथुन.	21-45 बजे
			कर्क...	23-57 बजे
			सिंह...	02-09 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु**शरद,** दिशा**शूल**-पश्चिम-दही खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी **- 04-52** राततक उपरान्त, षष्ठी
मास **-** कार्तिक कृष्ण पक्ष ,शुक्रवार, **14 Oct**
नक्षत्र **-** रोहिणी **- 20 -46 -** तक,उपरान्त मृगशिरा
योग **-** व्यतिपात-**13 - 56 -** तक उप- वरियान
करण- कौलव **- 15 - 56 -** तक,उप- तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार **-लक्ष्मी पंचमी**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
10:34 से
12:02 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल.	06:12 - 07:38 शुभ	रोग.	17:54 - 19:26 अशुभ
लाभ.	07:38 - 09:06 शुभ	काल.	19:26 - 20:58 अशुभ
अमृत.	09:06 - 10:34 शुभ	लाभ.	20:58 - 22:30 शुभ
काल	10:34 - 12:02 अशुभ	उत्पात	22:30 - 00:02 अशुभ
शुभ	12:02 - 13:30 शुभ	शुभ	00:02 - 01:34 शुभ
रोग	13:30 - 14:58 अशुभ	अमृत	01:34 - 03:06 शुभ
उत्पात	14:58 - 16:26 अशुभ	चंचल	03:06 - 04:38 शुभ
चंचल	16:26 - 17:51 शुभ	रोग	04:38 - 06:12 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है। किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है।आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है।इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें।आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है।अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ङा)
आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा।ग्रहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे।इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा।

कर्क (डी डू हे डो डा डी डू डे डो)
आपकी जीभ तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपकी यह योग्यता आज आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी।हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चलें। आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नही मिलेगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें।दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है।केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी।अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते।इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ।इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
आपसे सामाजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है।आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा।इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं।अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें।आज ऊर्जा और स्टैमिना दोनों ही कम रहेंगे।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं।आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें।अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है।अपना दिमाग खुला रखें।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आपको आज खुद का ही चिंतन करना है।आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नही कर पा रहे।इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी।

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
आज का दिन भावनात्मक रहेगा।आपको अपने अंतरतम की भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति भी आ सकती है आप को इससे थोडा सा डर रहेगा क्योंकि आपने इससे पहले ऐसा कभी नही किया है।लेकिन अगर आप ऐसा करेंगे तो आपको भावनात्मक संतुष्टि मिलेगी।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे।इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे। आपके सामने नए अवसर आयेंगे लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं।इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आज का दिन अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिलकुल सही है।आज आप सामान्य से अधिक आक्रामक और दृढ व्यवहार करेंगे।इससे आसपास के लोगों को आश्चर्य होगा।उन्हें शायद आपके बारे में अपनी राय बदलने पर भी मजबूर होना पड़े।लेकिन उनके आश्चर्य की भावना से आपको आज जरुरी मौका मिल जाएगा।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 14 अक्टूबर, 2022

क्रूरता की हद तक अंधविश्वास

देश में सबसे ज्यादा पढ़े-लिखे लोगों की जब भी बात आती है तो सबसे पहले केरल का नाम आता है जहां की साक्षरता दर देश में सबसे ज्यादा है। यही नहीं केरल को सबसे ज्यादा वैज्ञानिक चेतना वाला राज्य भी कहा जाता है, क्योंकि अधिकांश लोग प्रगतिशील विचारधार के लोग माने जाते हैं। उसी केरल में अपने सुख और समृद्धि के लिए एक दंपति ने दो महिलाओं की हत्या कर पूरे देश में सनसनी फैला दी है। ताजा घटना देश में विकास की उन तमाम अवधारणाओं पर सवाल उठाती है, जिसमें केवल अर्थव्यवस्था के आंकड़ों को पैमाना बना लिया जाता है और चेतना की कसौटी को पीछे धकेल दिया जाता है। इस हत्या की वजह बदला या कोई अन्य कारण होता तो भी कुछ बात बनती लेकिन यह केवल अपने समृद्ध होने के लोभ में की गई जो क्रूरता की हदों को भी पार कर गई है। केरल के पथानामथिट्टा के एलंथूर गांव में तंत्र-मंत्र और बलि के जरिए मनचाहा सुख समृद्ध हासिल करने की सलाह देने वाले एक तांत्रिक की मदद लेकर दंपति ने दो महिलाओं की हत्या कर दी और उनके शवों के सत्तर टुकडे कर घर में ही दफना दिया। अब पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं मारी गई महिलाओं का मांस भी तो नहीं खाया गया, क्योंकि दोनों महिलाओं के छाती के मांस गायब पाए गए हैं। हालांकि तीनों आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं और कानूनन उनकी सजा भी तय की जाएगी, लेकिन जानकर ताज्जुब होता है कि आज भी ऐसे लोग होते हैं जो इस तरह के अंधविश्वासों में जीते-मरते हैं। भला किसी इंसान की हत्या करने के बाद चमत्कार के जरिए आज तक कोई धनी बन पाया है! लेकिन अंधविश्वास का ऐसा क्रूरतम रूप जब सामने है तो आश्चर्य किस बात का? दो महिलाओं की हत्या करते हुए अपराध में शामिल तीन लोगों ने इसके कानूनी अंजाम के बारे में जरा भी सोचा होता तो इस हत्या के पहले उनके हाथ जरूर कांप जाते। इन हत्याओं का जो कारण सामने आया है, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि बलि के सहारे समृद्धि हासिल करने की पिछड़ी मानसिक अवस्था में जीने वाला व्यक्ति बाकी और क्या सोचने लायक बचा होगा। आपको याद होगा कि हाल ही में दिल्ली में भी इसी तरह से छह साल के एक बच्चे की हत्या कर दी गई थी। सवाल है कि किसी के भीतर बिना मेहनत या क्षमता के अपना मनचाहा हासिल करने की ऐसी भूख कहां से पैदा होती है, जो उसे अंधविश्वासों की क्रूर और अज्ञानता की दुनिया में ले जाती है? सोच विचार से वंचित और मानसिक रूप से बेहद कमजोर ऐसे लोगों की भावनाओं का शोषण कर अंधविश्वास का कारोबार करने वाले लंपट टाइप के तांत्रिकों या बाबाओं को इस तरह की खुली छूट कौन और किस आधार पर देता है? संविधान के अनुच्छेद 51-ए (एच) के मुताबिक वैज्ञानिक सोच, मानवतावाद, जांच और सुधार की भावना विकसित करना सभी नागरिकों का दायित्व है। सवाल है कि क्या सरकारें और उनके संबंधित महकमे इस तरह के दायित्व से मुक्त हैं? अक्सर वामपंथी मूल्यों का हवाला देने वाली केरल की मौजूदा सरकार के लिए यह घटना तो चुल्लू भर पानी में डूब कर मर जाने जैसी होनी चाहिए। वामपंथी दलों के सत्ता में या फिर विपक्ष में भी बेहद प्रभावशाली भूमिका में रहने का दम भरते नजर आते हैं, फिर भी इस स्तर के अंधविश्वास अगर पल रहे हैं, तो यह बड़े विरोधाभास से कम नहीं है। अंधविश्वास के नतीजे में अगर कोई जघन्य अपराध की घटना सामने आ जाती है, तो उसमें कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाती है। लेकिन उससे पहले अमूमन हर गांव-शहर में पसरे ओझाओं, तांत्रिकों या बाबाओं या तंत्र-मंत्र की गतिविधियां खुलेआम संचालित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जाती। जबकि ऐसे ही लोग क्रूरतम अंधविश्वास को लोगों के मन-मस्तिष्क में बैठाने के स्रोत होते हैं। सिर्फ कक्षाओं में विज्ञान पढ़ाने से अंधविश्वास नहीं दूर होगा, जब तक कि वैज्ञानिक चेतना के विस्तार नहीं होगा। इसके लिए सरकार को भी सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

बोली का जवाब गोली से क्यों?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारत के सुप्रीम कोर्ट में नफरती भाषणों के खिलाफ कई याचिकाओं पर आजकल बहस चल रही है। उन याचिकाओं में मांग की गई है कि मजहबी लोग, नेताओं और टीवी पर बहसियों के बीच जो लोग घृणा फैलानेवाले जुमले बोलते और लिखते हैं, उनके खिलाफ सरकार सख्त कानून बनाए और उन्हें सख्त सजा और जुर्माने के लिए भी मजबूर करे। असलियत यह है कि भारत में सात कानून पहले से ऐसे बने हैं, जो नफरती भाषण और लेखन को दंडित करते हैं लेकिन नया सख्त कानून बनाने के पहले असली सवाल यह है कि आप नफरत फैलाने वाले भाषण या लेखन को नापेंगे किस मापदंड पर।

आप कैसे तय करेंगे कि फलां व्यक्ति ने जो कुछ लिखा या बोला है, उससे नफरत फैल सकती है या नहीं? किसी के वैसा करने पर कोई दंगा हो जाए, हत्याएं हो जाएं, जुलूस निकल जाएं, आगजनी भड़क जाए या हड़ताल हो जाए तो क्या तभी उसकी उस हरकत को नफरती माना जाएगा? यह मापदंड बहुत नाजुक है और उलझनभरा है। हमारी अदालतें मामूली मामले तय करने में बरसों खपा देती हैं तो ऐसे उलझे हुए मामले वह तुरंत कैसे तय करेंगी? यदि कोई किसी जाति या मजहब या व्यक्ति या विचार के विरुद्ध कोई-बहुत जहरीली बात कह दे और उस पर कोई दंगा न हो तो अदालत और सरकार का रवैया क्या होगा? ऐसे सख्त कानून का दुष्परिणाम यह भी हो सकता है कि कई मुद्दों पर खुली बहस ही बंद हो जाए। किसी नेता, पार्टी, विचारधारा, धर्मग्रंथ या देवी-देवताओं की स्वस्थ और तर्कसंगत आलोचना का भी लोप हो जाए। यदि ऐसा हुआ तो यह नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन तो होगा ही, देश में पाखंड, अंधविश्वास और धूर्तता की भी अति हो जाएगी। ऐसा होने पर महर्षि दयानंद, डॉ. अंबेडकर, बट्रेंड रसेल जैसे सैकड़ों विद्वानों के ग्रंथों पर प्रतिबंध लगाना होगा। इसीलिए भारत में हजारों वर्षों से शास्त्रार्थ की खुली परंपरा चलती रही है, जिसका अभाव हम यूरोप और अरब जगत में सदा से देखते आ रहे हैं। पिछले दो-तीन सौ साल में ईसाई जगत तो काफी उदार हुआ है लेकिन हम अरबों की, नकल क्यों करें? जिसको जिस धर्मग्रंथ या धर्मपुरुष या जाति या पार्टी या नेता के खिलाफ जो कुछ बोलना हो, वह बोले लेकिन उसके जवाबी बोल को भी वह सुने, यह जरूरी है। बोली का जवाब गोली से देना कहां तक उचित है? जो बोली के जवाब में गोली चलाए, उसको सजा जरूर मिलनी चाहिए लेकिन यदि अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध लग जाएगा तो भारत, भारत नहीं रह जाएगा।

यदि बोली के जवाब में नागरिक गोली न चलाएं तो सरकार भी अपना गोला क्यों चलाए? गोली और गोला बोली के विरुद्ध नहीं, दंगाइयों के विरुद्ध चलने चाहिए। जो नफरती या घृणास्पद भाषण या लेखन करते हैं, वे अपनी इज्जत खुद गिरा लेते हैं।

जी-20 सम्मेलन और उत्तर प्रदेश

आर.के. सिन्हा

भारत में अगले साल 2023 में आयोजित होने वाला जी-20 शिखर सम्मेलन देश के पर्यटन क्षेत्र को मजबूती देने के लिहाज से एक बेहद अहम अवसर के रूप में सामने आ रहा है। यह सम्मेलन आगामी वर्ष 9 और 10 सितंबर को राजधानी नई दिल्ली में होगा। इस सम्मेलन में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोपियन यूनियन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, कोरिया गणराज्य, तुर्की, ब्रिटेन और अमेरिका के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा अति महत्वपूर्ण व्यक्ति भाग लेंगे। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 1 दिसम्बर, 2022 से 30 नवम्बर, 2023 तक पूरे एक वर्ष के लिए जी-20 की अध्यक्षता करेंगे। इसके साथ ही देशभर में इस साल दिसंबर से ही बैठकों के दौर शुरू हो रहे हैं। ये बैठकें राजधानी दिल्ली के अलावा देश के अन्य प्रमुख शहरों में होंगी।

हमारे प्रधानमंत्री ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि भारत में ताज महल के अलावा भी विश्व को दिखने के लिए बहुत कुछ है। अतः जी-20 की धमक पूरे देश में दिखने वाली है। इस लिहाज से करीब 200 तो निर्धारित बैठकें होंगी, जिनमें जी-20 देशों के नुमाइंदे भाग लेंगे। लेकिन, पूरे वर्ष पर्यटकों और राजनयिकों का आना-जाना लगा ही रहेगा। मतलब यह कि "राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट" का सन्देश प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों को दे दिया है। भारत जी-20 के प्रमुख की हैसियत से बांग्लादेश, मिस्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और यूएई को अतिथि देशों के रूप में आमंत्रित करेगा। एक मोटे अनुमान के अगले दो सालों तक भारत में जी-20 सम्मेलन की तैयारी और सम्मेलन में भाग लेने के लिए राष्ट्राध्यक्षों, विदेश मंत्रियों, राजनयिकों, विदेशी मामलों के जानकारों, पत्रकारों वगैरह का भारत में आना होगा। 200 से ज्यादा हुई बैठकों के फलोअप के लिए 2023 के बाद भी यह सिलसिला तो कुछ वर्षों के लिए लगा ही रहेगा। इसलिए बेहतर यही होगा कि सब राज्य अपने-अपने पर्यटन क्षेत्रों को विकसित करें और तैयार रखें ताकि उन्हें विदेशी मेहमान देखे बिना न जा सकें । राष्ट्राध्यक्षों को भी कुछ पर्यटन स्थलों पर लेकर जाया जाएगा। फिलहाल जी-20 सम्मेलन के आलोक में उत्तर प्रदेश (यूपी) सरकार ने कमर कसी हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने आला अफसरों को लगातार निर्देश दे रहे हैं ताकि राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों जैसे काशी, आगरा, सारनाथ, अयोध्या, मथुरा आदि में विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवा दी जाएं। काशी भारत की धार्मिक और आध्यात्मिक राजधानी है। कुछ साल पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय शिंजो आबे ने काशी के दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में भाग लिया था। गंगा सिर्फ एक नदी नहीं, हमारी संस्कृति की वाहक भी है। 2500 किलोमीटर की गंगा की धारा के दोनों ओर सैकड़ों नगर बसे हुए हैं। काशी के 10 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित सारनाथ है। यह प्रमुख बौद्ध तीर्थस्थल है। यहीं पर बोध गया में अपना दिव्य ज्ञान प्राप्ति के पश्चात भगवान बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश दिया था, जिसे "धर्म चक्र प्रवर्तन" का नाम दिया गया। यह स्थान बौद्ध धर्म के चार प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है। इसी तरह से बनारस में दर्जनों चर्च और मस्जिदें भी हैं। दिल्ली के पड़ोसी होने के कारण यूपी के पर्यटन क्षेत्र को एक नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद है। काशी, आगरा, मथुरा, अयोध्या में तो हर साल लाखों पर्यटक आते ही हैं। देखिए भारत के पर्यटन स्थलों में भारतीय पर्यटकों की तो कोई कमी नहीं रहती।

इन सबमें पर्याप्त संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। पर असली चुनौती यह है कि भारत में अधिक से अधिक विदेशी पर्यटक आएं। वे आएंगे तो जाहिर है कि वे देश को विदेशी मुद्रा का तोहफा भी देकर जाएंगे। ये भारत या किसी भी अन्य देश के लिए बहुत जरूरी होता है। अभी जी-20 सम्मेलन को देखते हुए यूपी जैसी तैयारी अन्य राज्यों में नहीं दिख रही है।

इस बाबत विलंब नहीं होना चाहिए। अब वैसे भी वक्त बहुत कम बचा है। दरअसल पर्यटन के लिहाज से यूपी समृद्ध तो है ही, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में इसे और गति मिली है। अब तक सुविधाओं की कमी के कारण जहां पर्यटक नहीं पहुंच पाते थे, उन जगहों को भी सड़क मार्ग से जोड़ा गया है। राज्य में हवाई अड्डों की संख्या बढ़ने से पर्यटकों की भी आसान पहुंच सुनिश्चित हो रही है। बेशक, कोरोना महामारी का दौर समाप्त होने के बाद से यूपी ने पर्यटन के क्षेत्र में नई छलांग लगाई है। भगवान श्रीराम-श्रीकृष्ण की धरती अयोध्या व मथुरा को नए सिरे से विकसित किया गया। अयोध्या का दीपोत्सव, बरसाने की होली, काशी की देव दीपावली, बुद्धिस्ट और रामायण कॉन्क्लेव ने भी यूपी के पर्यटन को मजबूती दी है। इन आयोजनों ने घरेलू के साथ विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित किया है। पर अब भी विदेशी पर्यटक हमें पर्याप्त नहीं मिल रहे हैं। यह पर्यटक मानसिकता एक बड़ी भारी चुनौती बनी हुई है।

यह तो तय मानिए कि ग्रेटर नोएडा में बन रहे जेवर एयरपोर्ट के चालू होने के बाद यूपी के पर्यटन स्थलों में जाने को उत्सुक विदेशी पर्यटक सीधे जेवर एयरपोर्ट पर उतरने लगेंगे। कुछ उसी तरह से जैसे अमृतसर के स्वर्ण मंदिर तथा जलियांवाला बाग को देखने के लिए आने वाले विदेशी पर्यटक सीधे अमृतसर ही पहुंच जाते हैं। यही स्थिति जेवर एयरपोर्ट की हो सकती है। बेशक, दिल्ली और यूपी के किसी पर्यटन स्थल में जाने के इच्छुक पर्यटक जेवर एयरपोर्ट पर आकर अपने आगे की यात्रा को जारी रख सकेंगे। वृंदावन, मथुरा और आगरा जाने वालों को दिल्ली की भीड़ के दर्शन करने की जरूरत ही क्या है ? जेवर एयरपोर्ट लगभग 30 हजार करोड़ रुपये की लागत से 5845 हेक्टेयर जमीन पर बन रहा है। यह एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट और विश्व के कुछेक समृद्ध और आधुनिक सुविधा संपन्न एयरपोर्टों में एक होगा। जेवर एयरपोर्ट के पहले चरण का काम 2023-24 में ही पूरा हो जाएगा।

भारत सरकार की कोशिश तो यही है कि इसका पहला चरण जी-20 सम्मलेन के दौरान ही चालू हो ही जाए। नई दिल्ली में 1983 में हुए गुट निरपेक्ष शिखर सम्मेलन के बाद जी-20 जैसा महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन भारत में आजादी के बाद पहली बार हो रहा है। यह देश के लिए गौरव का विषय है। यहां पर सम्मलेन के दौरान आने वाले अतिथियों का इस तरह से स्वागत हो ताकि वे जब अपने मुल्कों में जाएं तो वे भारत के अघोषित ब्रांड एंबेसेडर के रूप में भारत के पर्यटन स्थलों का स्वतः प्रचार करें।

यह केन्द्र तथा राज्य सरकारों को सुनिश्चित करना होगा। वैसे तो भारत के पर्यटन क्षेत्र के सामने दुनिया का कोई भी देश खड़ा नहीं होता। हमारे यहां पर नदियां, पहाड़, समुद्री तट, धार्मिक स्थान वगैरह की कोई कमी नहीं है। हमारे समाज, संस्कृति और खान-पान की विविधता अतुलनीय हैं। अब हमारे सामने जी-20 की बदौलत एक अनुपम अवसर है कि हम अपने पर्यटन क्षेत्र को नई बुलंदियों पर ले जाएं। बेहतर तो यह होगा कि इस पुण्य कार्य में सब राज्य सक्रिय हों। अभी सिर्फ यूपी ही सक्रिय लग रहा है।

एक कमरे के मंदिर से शुरु हुआ था दुबई का 'हिंदू टेंपल'

रजनीश कपूर

कहते हैं कि एक बड़ी उपलब्धि कि शुरुआत छोटी सी पहल से ही होती है। दुबई का जेबेल अली इलाक़ा हाल ही में सुर्ख़ियों में था। दुनिया भर के हिंदुओं के लिए यह एक गर्व की बात है कि मुस्लिम बाहुल्य संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी दुबई में राम नवमी के दिन एक विशाल हिंदू मंदिर का लोकार्पण हुआ। इस विशाल हिंदू टेंपल की शुरुआत एक छोटे से कमरे से हुई थी। आज वही छोटा से कमरे वाला मंदिर 70 हज़ार वर्ग फ़ीट का एक विशाल मंदिर बन गया है। इस मंदिर को शांति, सद्भाव और सहिष्णुता के एक मजबूत संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। 1958 में बने इस एक कमरे के मंदिर को गुरु दरबार सिंधी मंदिर के नाम से जाना जाता था। इस मंदिर की स्थापना रामचन्द्रन सवलानी और विक्योमल श्रॉफ़ ने की थी। ज्यों-ज्यों दुबई में बसे हिंदुओं को इस मंदिर के बारे में पता चला तब से वे बड़ी श्रद्धा से यहाँ आने लगे। जैसे-जैसे लोगों का विश्वास इस मंदिर पर बढ़ता चला गया तबसे यह मंदिर दुबई में बसे हिंदुओं की आस्था का केंद्र बन गया। आज इस विशाल मंदिर के प्रांगण में 16 अलग-अलग देवी देवताओं के मंदिर हैं। इन प्रतिमाओं को भारत के कोने-कोने से दुबई लाया गया है। इनमें प्रमुख हैं श्री राम, श्री राधा कृष्ण, शिव-पार्वती व गणपति। मकराना से लाए सफ़ेद संगमरमर से बने इस विशाल मंदिर के दर्शन के लिए दुबई के हर कोने से हिन्दू धर्म के लोग पहुंच रहे हैं। मंदिर के कंसल्टेंट आर्किटेक्ट सुभाष बोइते ने अपने 45 साल के अनुभवों को इस मंदिर के निर्माण में जुटाया है। 1958 में जब पहला हिंदू मंदिर स्थापित हुआ था तब दुबई में भारतीय समुदाय के सिर्फ 6,000 लोग रहते थे। जबकि आज के समय यह आंकड़ा 33 लाख से भी ज़्यादा है। दुबई में हिंदुओं की तादाद बढ़ने के साथ-साथ एक बड़े मंदिर की ज़रूरत को महसूस किया जाने लगा। 2019 में दुबई के सामुदायिक विकास प्राधिकरण ने इस मंदिर के लिए जगह का आवंटन किया और 2020 में इस मंदिर का कार्य शुरू हुआ। मंदिर के ट्रस्टी राजू श्रॉफ़ के अनुसार कोविड महामारी के चलते भी इस मंदिर के निर्माण पर कोई असर नहीं पड़ा। दुबई सरकार के सहयोग से यह मंदिर समय पर बन कर तैयार हुआ। मंदिर के कई हिस्सों को खूबसूरत नक्काशी से अलंकृत किया गया है। मंदिर की छत पर बंधी घंटियां भी बेहद खास हैं। मंदिर के मुख्य हॉल की छत के बीचोंबीच एक विशाल 3डी गुलाबी कमल का फूल बनाया गया है जो अपने आप में एक अजूबे से कम नहीं है। इस मंदिर का निर्माण दुबई के जबेल अली इलाक़े में 'पूजा गांव' में हुआ है। ग़ौरतलब है कि इस स्थान में चर्च और गुरुद्वारा भी है। इस कॉम्प्लेक्स में हिंदू देवी-देवताओं के साथ-साथ गुरु ग्रंथ साहिब को भी स्थापित किया है। इस मंदिर के प्रांगण में एक समय में 1000-1200 लोग आराम से बैठ सकते हैं। सूचना और प्रौद्योगिकी के दौर में यह मंदिर किसी से पीछे नहीं है। इस मंदिर की वेबसाइट पर जा कर आप यहाँ जाने का समय निर्धारित कर सकते हैं। क्यूआर कोड की मदद से आपको बिना किसी बाधा के इस मंदिर में घूमने दिया जा सकता है। खबरों के अनुसार अक्टूबर के अंत तक वीकेंड के लिए अधिकांश बुकिंग पहले ही हो चुकी है। मंदिर सुबह 6.30 बजे से रात 8 बजे के बीच खुला रहता है। आज एक ओर जहां किसी भी धर्म विशेष के कट्टरपंथी निहित स्वार्थों के लिए आपस में फूट डालने का काम करते हैं वहीं क़ौमी एकता का प्रतीक बन कर दुबई के इस मंदिर ने एक सकारात्मक पहल की है। आशा है कि और धर्मों के कट्टरपंथी भी इस पहल से सबक़ लेंगे और दूसरे धर्मों के प्रति उदार होंगे। शायद इसीलिए कबीर दास जी ने कहा है कि, 'नहाये धोये क्या हुआ, जो मन मैल न जाए। मीन सदा जल में रहे, धोये बास न जाए।' हमें दूसरे धर्मों के प्रति उसी उदारता से रहना चाहिए जैसा हम दूसरों से अपेक्षा करते हैं। केवल ऊपरी मीठी बातें और दिखावा करने से कुछ नहीं होता। इसे आचरण में भी लाना चाहिए। किसी भी प्रगतिशील समाज की सफलता के पीछे क़ौमी एकता मूलभूत आधार होती है। परंतु इसमें कड़वाहट तब पैदा होती है जब कुछ असामाजिक तत्व इसमें ज़हर घोलने का प्रयास करते हैं। ऐसी घड़ी में संयम रख सजग रहना ही बेहतर होता है। नकारात्मक ताक़तों के हावी हुए बिना सकारात्मकता का साथ दें तभी समाज में एकता बढ़ेगी। हिन्दू हो या मुस्लिम, सिख या ईसाई हम सब एक ही हैं और भगवान ने हमारी एक ही प्रकार से रचना की है। हम सभी की एकता के कारण ही भारत अंग्रेज हुकूमत से आजाद हुआ था। भारत की आज़ादी में सभी धर्मों के लोगों का योगदान है। दुबई के रामचन्द्रन सवलानी और विक्योमल श्रॉफ़ द्वारा 1958 में शुरू की गई इस पहल का उदाहरण हम सभी को लेना चाहिए। एक छोटे से कमरे से बढ़ कर एक विशाल मंदिर की कल्पना को सच करना वास्तव में सराहनीय है। आप जब भी अगली बार दुबई जाएं तो इस मंदिर के दर्शन अवश्य करें और स्वयं ही इस शानदार परिसर की सुंदरता की अनुभूति करें।

दृढ़ निश्चय, श्रम और आत्मविश्वास जीवन के सफलता के सशक्त द्वार

संजीव ठाकुर

किसी ने एकदम सही कहा है आशा पर आकाश टिका हुआ है ।इसलिए मनुष्य को कभी आशा नहीं छोड़नी चाहिए। उम्मीद का ही असर है कि हम अपने उद्देश्य को प्राप्त करने की ओर पहला कदम रखते हैं और किसी विद्वान ने कहा है कि अच्छी शुरुआत ही हमारे लक्ष्य की प्राप्ति की राह की आधी सफलता होती है, और इस बात को केंद्रित करते हुए आशा का महत्व बहुत अधिक बढ़ जाता है क्योंकि उम्मीद हमें पहले कदम में संपूर्ण ऊर्जा जीतने के लिए प्रोत्साहित करती है।प्रथम प्रयास ही हमारे लक्ष्य की प्राप्ति तथा उद्देश्य को सुरक्षित करने में अत्यंत ही महती भूमिका निभाता है। दीपा मलिक ने अपने दोनों पैर किसी दुर्घटना में खो दिए थे और उन्होंने खेलों में देश का नाम रोशन कर लाखों युवकों युवतियों को प्रेरणा देने का काम किया है,वो आज लोगों की प्रेरणा स्रोत हैं। उनका आशावादी दृष्टिकोण,मनोबल और अभ्यास उन्हें महानता की श्रेणी में रखता है और यही कारण है कि हर आशावादी इंसान एक न एक दिन सफलता की सीढ़ी चढ़कर देश का नाम रोशन करता है। उम्मीद हमें आशा की किरण तो देती ही है, ऊर्जा शक्ति एवं नई दिशा दिखाती है परंतु उसकी तैयारी तथा अभ्यास एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण पहलू है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें न सिर्फ दृढ़ संकल्प, मनोबल और निरंतर अभ्यास व तैयारी की परम आवश्यकता होती है। मनुष्य के जीवन में विपरीत समय जरूर आता है तब हमें कड़वी सच्चाई यों का सामना भी करना पड़ता है और कड़वी सच्चाई का सामना करने के लिए हमारी उम्मीद,हमारा अभ्यास और कुछ कर पाने के लिए तैयारी ही हमें सच्चाई का सामना करने का साहस प्रदान करती है। अभ्यास से हमारा मतलब किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति की राह में आने वाली समस्याओं को पहले से ही अनुमान लगाकर उससे निपटने के साधनों को दुरुस्त करना चाहिए ताकि कोई भी कठिनाई हमारे लक्ष्य की सफलता में बाधा ना बन पाए।दुनिया का हर बड़े से बड़ा काम या युद्ध या विकास का मैदान उसे पहले मस्तिष्क से ही जीता जाता है, फिर मैदान में जाकर समस्याओं से दो-चार होकर उससे निपटा जा सकता है। उम्मीद अभ्यास और समय का सदुपयोग किसी भी उद्देश्य की प्राप्ति के सबसे बड़े कारक तत्व होते हैं। जो वक्त हमारे पास आज है या आज का दिन ही आने वाले समय मैं बार-बार पुनः वृत्त होता है। आज के समय का सदुपयोग ही श्रेष्ठ एवं कष्ट साध्य कार्य है क्योंकि मनुष्य के पास सदैव वर्तमान के 24 घंटे ही होते हैं और इन 24 घंटों में ही मनुष्य को अपनी पूरी ऊर्जा शक्ति लगाकर किसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अनवरत श्रम करना होता है। भले ही इसके पीछे उम्मीद,अभ्यास एवं योजनाएं अवलंबित होती है। स्थिति परिस्थिति कितनी भी अनजान अथवा कष्ट दाई हो मनुष्य के पास हर स्थिति में अच्छा समय अच्छा अवसर अंतर्निहित होता है जो मनुष्य को सदुपयोग करने के लिए प्रेरित करता है और सफलता के लिए मार्गदर्शी भी होता है। ऐसा व्यक्ति जो अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरी जिजीविषा, जुजुत्सा और मेहनत से प्रतिदिन का सही उपयोग कर लेता है सफलता को निश्चित तौर पर प्राप्त करता है और जनमानस के लिए एक प्रतिमान स्थापित कर प्रेरणा की तरह काम करता है। आपदा को अवसर में बदलने की प्रवृत्ति ही व्यक्ति को समाज को तथा देश को सफल बनाती है। कोविड-19 के संक्रमण के दौरान भारत के अनेक बड़े-बड़े नेताओं ने जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं ने करोना की भयानक त्रासदी के विरुद्ध समय का सही सदुपयोग कर उसे मात देने की कोशिश में आपदा को अवसर में बदल दिया था। यह निश्चित तौर पर विश्व में एक उदाहरण की तरह सामने आया है। हमें सदैव सर्वाधिक अच्छे की उम्मीद करते हुए खराब समय से निपटने के लिए भी हमेशा तैयार रहना होगा अन्यथा हमेशा आशावादी रहने के साथ खराब समय की परिकल्पना भी अपने जेहन में रखकर आगे और आगे पथ बढ़ाते रहना चाहिए। अच्छे परिणाम की आशा हमें जरूर सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है और उसका अभ्यास कर तैयारी उस कार्य को करने के लिए नए कौशल प्रदान करती है और उसका सदुपयोग अभीष्ट के प्राप्ति के अवसर प्रदान करती है। किसी भी राष्ट्र के समेकित प्रयास के लिए प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय समस्याओं के समझाने में भी महत्वपूर्ण कार्य करती है, जैसे गरीबी उन्मूलन, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक आतंकवाद और विस्तार वाद जो आज विश्व के सामने मुंह बाए खड़ी है।

दवाखाना बनाम शराबखाना

डॉ. सुरेश कुमार

हम दो दोस्त साझेदारी में खरीदी गई जमीन दान करना चाहते थे। मैंने अपने दोस्त से कहा - यदि रोगियों को इलाज के लिए दवाखाना न मिला तो रोगी पीड़ा से कराह उठेंगे। उसने कहा - यदि शराबखाना खोलने के लिए जगह न मिली तो लोग वैसे भी मर जायेंगे। इसलिए जगह तो उसी के लिए दी जानी चाहिए।

मैं कुछ कहता मित्र आगे कहने लगा - जिद छोड़िये। हमारे घरेलू नुस्खे कई बीमारियों के इलाज घर बैठे कर सकते हैं, लेकिन जो न दिखाई देने वाली पीड़ा है उसका इलाज तो एक ही स्थान पर हो सकता है। और वह है शराबखाना। सोचकर तो देखो शराबखाना समाज के मिलने जुलने की सही जगह। यहाँ पीड़ा तो मिटेगी ही साथ सभी तरह के लोगों से जिंदगी के तजुर्बे सीखने को मिलेंगे जो कि आईआईटी-आईआईएम भी नहीं सिखाते।

मैं ने कहा – यह सब तो ठीक है। लेकिन शराबखाना आने वालों में कौन अच्छा है और कौन बुरा इसकी पहचान कैसे की जाएगी। अच्छे-बुरे लोगों की परिभाषा भी तो होती है। या यूँही जिससे मुँह लगाया वही अच्छा आदमी हो गया। कम से कम इस मामले में अस्पताल तो सही है। यहाँ बिस्तर पर पड़ा आदमी कुछ भी बोल सकता है लेकिन झूठ कतई नहीं।

उसने कहा, भाई मेरे मैं कई शराबखानों में गया हूँ। वहाँ जो आता है बड़ी सच्चाई और ईमानदारी से आता है। वह घर में रुपए-पैसे देना भूल सकता है या चुरा सकता है लेकिन शराबखाने में उसकी जितनी ईमानदारी और सच्चाई कहीं ओर देखने को नहीं मिलेगी। पैसा देकर शराब खरीदेगा और मिल बैठकर यारों के साथ पिएगा। अपने दुखों को साझा कर मन हल्का करेगा।

तो क्या अस्पताल में मन हल्का नहीं होता। क्या अपने दुख-सुख नहीं बाँट सकते। वहाँ तो ऐसा करने से किसी ने मना तो नहीं किया है न। उल्टे डॉक्टर खुद कहते हैं कि जो भी कहो खुल के कहो। वहाँ जितना सुना जाता है, भला कहीं ओर होता है? इसलिए फिर से सोचकर देख लो शराबखाने की जगह दवाखाना ही ठीक रहेगा।

स्नान-दान का पवित्र महीना:कार्तिक में सूर्योदय से पहले नहाना, आंवला और तुलसी दान का महत्व

कार्तिक को सबसे अच्छा महीना माना जाता है। 11 अक्टूबर से ये शुरू हो चुका है जो 8 नंवबर तक रहेगा। स्कंद पुराण में कार्तिक महीने से जुड़ी भगवान कार्तिकेय की कथा बताई गई है। अन्य पुराणों में बताया है कि कार्तिक के जैसा कोई महीना नहीं है, न सतयुग के समान कोई युग और न वेद के समान कोई शास्त्र और गंगा के समान कोई तीर्थ नहीं है। इस मास को रोगनाशक मास होने के साथ-साथ सुबुद्धि, लक्ष्मी और मुक्ति प्रदान कराने वाला मास भी कहा जाता है।

इन चीजों के दान का महत्व इस महीने तुलसी, अन्न, गाय और

आंवले का पौधा दान करने का विशेष महत्व होता है। जो देवालय में, नदी के किनारे, सड़क पर या जहां सोते हैं वहां पर दीपदान करता है उसे सर्वतोमुखी लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। यानी हर तरफ से लक्ष्मी की कृपा मिलती है।

जो मंदिर में दीप जलाता है उसे विष्णु लोक में जगह मिलती है। जो दुर्गम जगह दीप दान करता है वह कभी नरक में नहीं जाता, ऐसी मान्यता है। इस महीने में केले के फल का तथा कंबल का दान अत्यंत श्रेष्ठ है। सुबह जल्दी भगवान विष्णु की पूजा और रात्रि में आकाश दीप का दान करना चाहिए।

पूजा-विधान का है महत्व

इस माह में किया गया पूजा-पाठ साधक को पापों से मुक्ति प्रदान करता है। कार्तिक महीने में किसी पवित्र नदी में ब्रह्ममुहूर्त में स्नान करना शुभफलदायक होता है। यह स्नान अविवाहित या विवाहित महिलाएं समान रूप से कर सकती हैं।

अगर आप पवित्र नदी तक जाने में असमर्थ हैं, तो घर पर स्नान के जल में गंगा जल मिलाकर भी स्नान किया जा सकता है।

कार्तिक मास में हुआ था तारकासुर वध

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक इस महीने में शिव पुत्र कार्तिकेय ने दैत्य तारकासुर का वध किया था। कथा के अनुसार तारकासुर, वज्रांग दैत्य का पुत्र और असुरों का राजा था। देवताओं को जीतने के लिए उसने शिवजी की तपस्या की। उसने असुरों पर आधिपत्य और खुद के शिवपुत्र के अलावा अन्य किसी से न मारे जा सकने का महादेव का वरदान मांगा था। देवताओं ने ब्रह्मा जी को बताया कि तारकासुर का अंत शिव पुत्र से ही होगा। देवताओं ने शिव-पार्वती का विवाह करवाया और उनसे कार्तिकेय (स्कंद) की उत्पत्ति हुई। स्कंद को देवताओं ने अपना सेनापति बनाया और लड़ाई में तारकासुर मारा हुआ। स्कंद पुराण के अनुसार शिव पुत्र कार्तिकेय का पालन कृतिकाओं ने किया इसलिए उनका कार्तिकेय नाम पड़ गया।

इस महीने दीपदान से मिलता है कभी न खत्म होने वाला पुण्य

कार्तिक मास 11 अक्टूबर से 8 नवंबर तक रहेगा। पुराणों में इस महीने को बहुत खास बताया गया है। इसके बारे में भगवान नारायण ने ब्रह्मा को, ब्रह्मा ने नारद जी को और उन्होंने महाराज पृथु को कार्तिक मास के बारे में बताया है। इस पवित्र महीने में 7 नियम प्रधान माने गए हैं, जिन्हें करने से शुभ फल मिलते हैं और हर मनोकामना पूरी हो सकती है।

दीपदान से कभी न खत्म होने वाला पुण्य कार्तिक मास में सबसे खास काम दीपदान करना होता है। इस महीने में मंदिर, तुलसी, आंवले का पेड़, नदी, पोखर, कुए, बावड़ी और तालाब के किनारे दीपदान किया जाता है। इससे कभी न खत्म होने वाला पुण्य मिलता है।

तुलसी, शालग्राम और आंवला पूजन कार्तिक मास में भगवान विष्णु के शालग्राम रूप की पूजा करने से महापुण्य मिलता है। इस महीने में तुलसी और आंवले के पेड़ की पूजा भी करने की परंपरा है। ऐसा करने से सुख-समृद्धि और आरोग्य मिलता है।

जमीन पर सोना और दालें नहीं खाना

पुराणों में ये भी जिक्र है कि कार्तिक मास में जमीन पर सोना चाहिए। ऐसा करने से आलस्य और शारीरिक परेशानियां दूर होती हैं। साथ ही इन दिनों में फलियां और दालें नहीं खानी चाहिए। तेल मालिश भी नहीं करना चाहिए। इन सब बातों का ध्यान रखने से सेहत अच्छी रहती है और उम्र बढ़ती है।

संयम से बढ़ती है इच्छा शक्ति

कार्तिक मास के दौरान कम बोलना चाहिए। मन पर संयम रखें। किसी की बुराई न करें और विवादों से भी बचें। इन दिनों में ब्रह्मचर्य के नियम मानने चाहिए। ऐसा करने से इच्छा शक्ति मजबूत होती है और अंदरूनी ताकत बढ़ती है।

पांच साल के ध्रुव ने कैसे किया भगवान विष्णु को प्रसन्न?

भगवान विष्णु के कई अनन्य भक्त हुए, जिनमें ध्रुव का नाम सबसे पहले आता है।भगवान विष्णु के कई अनन्य भक्त हुए, जिनमें ध्रुव का नाम सबसे पहले आता है। आसमान में उत्तर दिशा में चमकता हुआ सबसे बड़ा तारा ध्रुव तारा कहलाता है। ध्रुव तारे का संबंध भगवान विष्णु के सबसे प्रिय भक्त ध्रुव से माना गया है। भगवान विष्णु और ध्रुव की कथा बड़ी ही रोचक है।

भगवान विष्णु के कई अनन्य भक्त हुए, जिनमें ध्रुव का नाम सबसे पहले आता है। आसमान में उत्तर दिशा में चमकते हुए तारे को ध्रुव तारा कहते हैं। ध्रुव तारे का संबंध भगवान विष्णु के सबसे प्रिय भक्त ध्रुव से माना गया है। भगवान विष्णु और ध्रुव की कथा बहुत प्रसिद्ध कही जाती है। पंडित इंद्रमणि घनस्याल से जानते हैं इस कथा के बारे में।

राजकुमार ध्रुव का परिचय

विष्णु पुराण के अनुसार, राजा उत्तानपाद के दो रानियां थीं। बड़ी रानी का नाम सुनीति था और छोटी रानी का नाम सुरुचि था। सुनीति ने ध्रुव को जन्म दिया तथा सुरुचि ने उत्तम को जन्म दिया था। उत्तानपाद की पहली पत्नी रानी सुनीति थी। लेकिन राजा उत्तानपाद को सुरुचि व उसका पुत्र उत्तम ज्यादा प्रिय थे। राजा उत्तानपाद ने एक दिन ध्रुव को अपनी गोद में बैठाकर रखा था।

तभी रानी सुरुचि वहां आई और ध्रुव को राजा की गोद में बैठा देखकर गुस्से से ध्रुव को राजा की गोद से उतारा और अपने पुत्र को बैठा दिया। इसके बाद वह बोली कि जिसे मैंने जन्म दिया है, वही राज सिंहासन का उत्तराधिकारी बनेगा। यदि तुम्हें राजगद्दी चाहिए तो भगवान विष्णु की भक्ति करो और उनकी कृपा से मेरी कोख से जन्म लो, तभी तुम्हें सिंहासन प्राप्त होगा।

ध्रुव का कोमल हृदय हुआ आहत

ये सब सुनकर ध्रुव रोते हुए अपनी मां सुनीति के पास गया और सारी बात बताई। तब रानी सुनीति ने कहा कि तुम्हारे पिता को तुम्हारी सौतेली मां और उसका पुत्र अधिक प्रिय है। अब हमारा सहारा केवल भगवान विष्णु ही हैं। अपनी दोनों मां की बात से ध्रुव का मन बहुत आहत हुआ।

नारद मुनि द्वारा ध्रुव को मिला मंत्र

एक दिन ध्रुव भगवान विष्णु की तपस्या करने के लिए घर छोड़कर जा रहे थे। तभी रास्ते में उन्हें नारद मुनि मिले और नारद मुनि ने ध्रुव को 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय' का मंत्र दिया। ध्रुव यमुना नदी के तट पर जाकर इस मंत्र का जाप करने लगे। तपस्या के समय ध्रुव की आयु मात्र पांच वर्ष की थी।

भगवान विष्णु ने दिए दर्शन

ध्रुव ने 6 महीने की कठोर तपस्या की। तब भगवान विष्णु ने प्रसन्न होकर दर्शन दिए और उन्हें अपनी गोद में बिठाया। भगवान ने कहा कि तुम्हारी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। भगवान विष्णु ने कहा कि मैं तुम्हारी भक्ति से प्रसन्न होकर तुम्हें वह लोक प्रदान करता हूं, जिसके चारों ओर ज्योतिष चक्कर घूमता है और जिसके आधार पर सब ग्रह-नक्षत्र घूमते हैं। इसी तरह ध्रुव भगवान विष्णु के प्रिय भक्त कहलाए और सप्त ऋषि मंडल में ध्रुव तारे के नाम से जाने जाते हैं।

घर को सुख-संपति से भर देता है वैभव लक्ष्मी व्रत

हिंदू धर्म में धन की देवी मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए कई उपाय बताए गए हैं। इनमें से एक है वैभव लक्ष्मी व्रत। इस व्रत के जरिये आप मां लक्ष्मी को अति शीघ्र प्रसन्न कर सकते हैं। शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी को समर्पित है। इसलिए वैभव लक्ष्मी व्रत शुक्रवार के दिन किया जाता है।

शुक्रवार को अगर पूरे विधि विधान से वैभव लक्ष्मी व्रत किया जाता है तो मां लक्ष्मी की कृपा बरसने लगती है। मां लक्ष्मी के आशीर्वाद से सभी तरह के संकट दूर होते हैं। आइये जानते हैं वैभव लक्ष्मी व्रत पूजा विधि।

वैभव लक्ष्मी व्रत का फल

धार्मिक मान्यता के अनुसार, शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की विभिन्न स्वरूपों में पूजा की जाती है। इस दिन वैभव लक्ष्मी व्रत रखने से घर सुख-संपत्ति से भर जाता है। वैभव लक्ष्मी के पूजन से हर मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मान्यता है कि कड़ी मेहनत और अथक प्रयास के बाद भी अगर सफलता नहीं मिलती या कोई कार्य पूरा नहीं हो पाता, तो उसे वैभव लक्ष्मी व्रत करना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी की कृपा उस पर बनी रहती है।

कभी नहीं होगी पैसों की तंगी तुलसी की जड़ से करें ये सरल उपाय

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बहुत पवित्र माना जाता है। लगभग हर हिंदू घर में आपको यह पौधा लगा हुआ दिख जाएगा। मान्यता है कि तुलसी के पौधे में माता लक्ष्मी का वास होता है और इसे घर में लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है, जिससे परिवार में सुख शांति बनी रहती है। मान्यताओं के अनुसार तुलसी के पौधे के अलावा तुलसी की जड़ भी काफी पवित्र मानी जाती है। धार्मिक पुराणों के अनुसार तुलसी की जड़ों में शालिग्राम का वास माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में कई उपाय हैं, जिन्हें अपनाकर मनुष्य लाभांवित हो सकता है।

कामों में सफलता के लिए

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति को लगातार किसी काम में असफलता प्राप्त हो रही है तो ऐसे में उस व्यक्ति को थोड़ी सी तुलसी की जड़ लेकर उसे गंगाजल से धोकर इसकी विधिवत तरीके से पूजा करनी चाहिए। इसके बाद तुलसी की जड़ को पीले रंग के कपड़े में बांधकर अपने पास रख लें। ऐसा करने से तुरंत लाभ प्राप्त होगा।

ग्रह शांति के लिए

यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में किसी प्रकार का ग्रह दोष है और वह इससे परेशान हैं तो ऐसे में तुलसी की पूजा करके उसकी थोड़ी सी जड़ निकाल लें। इसके बाद इसे किसी लाल रंग के कपड़े में बांधकर या फिर किसी ताबीज में डाल कर अपने बाजू में बांधें। ऐसा करने से जल्द ही ग्रह दोष से छुटकारा मिलेगा।

धन प्राप्ति के लिए

यदि कोई व्यक्ति आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है और धन प्राप्त करने के मार्ग नहीं मिल रहे हैं, तो ऐसे व्यक्ति को रोजाना सुबह तुलसी में जल चढ़ाना और शाम को दीपक लगाना चाहिए। इसके अलावा तुलसी की जड़ को लेकर चांदी के ताबीज में डालकर गले में पहन सकते हैं। ऐसा करने से जल्द ही धन संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा और आर्थिक स्थिति भी ठीक होगी।

अनमोल वचन

दुनिया में सबसे सफल इंसान वही है,
जिसे टूटे को बनाना और रूठे को मनाना आता है !
जो दर्द तुम आज सह रहे हो,
आगे चलकर वही तुम्हारी ताकत बनेगा !

कहने को तो बहुत सी बातें होती है पर,
असली सुकून चुप रहने से ही मिलता है !

मां-बाप की बातें और,
किताबें कभी धोखा नहीं देती !
जो लक्ष्य में खो गया,
समझो वही सफल हो गया !
अगर जिंदगी में सुकून चाहते हो तो,
FOCUS अपने काम पर करो लोगों की,
बातो पर नहीं !

घर हो या बिजनेस यहां रखेंगे तिजोरी तो कमाई कम खर्च होगा ज्यादा

वास्तु के अनुसार आपकी तिजोरी या अलमारी किस दिशा में रखी है, इस पर भी आपकी आर्थिक स्थिति निर्भर करती है। अगर आप गलत दिशा में तिजोरी रखते हैं तो आप कितनी ही कमाई क्यों न करें आपके यहां बरकत नहीं होती और आपको सदैव ही पैसों की तंगी बनी रहती है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं तिजोरी या अलमारी रखने के लिए सही दिशा क्या होनी चाहिए और दीपावली पर धन के स्थान की पूजा कैसे करनी चाहिए।

सीढ़ियों के नीचे या फिर बाथरूम के सामने भूलकर भी तिजोरी न रखें। ऐसा माना जाता है कि इस स्थान पर तिजोरी रखने से आपकी कमाई कम और खर्च अधिक होता है। जिस स्थान पर तिजोरी रखी गई हो, वहां पर कबाड़ा भूलकर भी न रखें। यह स्थान एकदम साफ-सुथरा होना चाहिए और यहां पर मकड़ी के जाले भी नहीं होने चाहिए। दीपावली से पहले इस स्थान की ठीक से साफ-सफाई कर लेनी चाहिए। दीपावली के दिन तिजोरी के दरवाजे पर मां लक्ष्मी की बैठी हुई तस्वीर लगानी चाहिए और सिंदूर व घी के मिश्रण से स्वास्तिक चिह्न बनाना चाहिए।

जिस कमरे में तिजोरी रखी हो उस स्थान का रंग पीला, गुलाबी या फिर क्रीम कलर होना चाहिए।

उत्तर दिशा में हो अलमारी

आपके घर की उत्तर दिशा को धन के देवता कुबेरजी से संबंधित माना जाता है। यह दिशा धन वृद्धि के लिए सबसे उपयुक्त मानी जाती है। घर के उत्तर दिशा के कमरे में दक्षिण दीवार से सटाकर धन की अलमारी रखनी चाहिए। इस अलमारी का मुख उत्तर दिशा में खुलना चाहिए। दीपावली के दिन तिजोरी का दरवाजा खोलकर पूजा करनी चाहिए। पूजा करते समय आपको लाल या फिर पीले रंग के वस्त्र पहनने चाहिए। इस दिशा में चाहें तो कुछ छोटे पौधे भी लगा सकते हैं।

दक्षिण दिशा में अलमारी

घर में धन रखने का स्थान भूलकर भी दक्षिण दिशा में नहीं होना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस दिशा में धन की अलमाारी होने से आपके पास पैसा नहीं रुकता है और धन में वृद्धि भी रुक जाती है। इस दिशा में भूलकर भी सोना चांदी नहीं रखना चाहिए।

ईशान कोण में अलमारी

इस दिशा में आप चाहें तो पैसों की अलमारी रख सकते हैं। दीपावली के दिन इस स्थान पर लक्ष्मी-गणेश की पूजा करना शुभ माना जाता है। इस दिशा में धन, पैसे और आभूषण भी रखे जा सकते हैं। माना जाता है कि उत्तर ईशान में धन रखने से घर की बेटियों की तरक्की होती हैं और पूर्व ईशान में धन रखने से घर के बेटों की तरक्की होती है। दीपावली के दिन घर के ईशान कोण में चांदी, तांबा या फिर स्टील के बर्तन में जल भरकर रख दें और फिर भाई दूज के दिन यह जल तुलसी में चढ़ा दें। ऐसा करने से धन और वैभव की प्राप्ति होती है।

आग्नेय कोण में न रखें अलमारी

इस दिशा में धन की अलमारी नहीं रखनी चाहिए। ऐसी मान्यता है कि यहां पर पैसा या फिर अन्य कीमती आभूषण रखने से घर की कुल आमदनी कुल खर्चे से कम होने लगती है और ऐसे में आपके घर में सदैव पैसों की तंगी बनी रहती है। इसलिए यहां पर भूलकर भी धन न रखें।

वायव्य कोण में न रखें

वायव्ण कोण घर का वह स्थान होता है जहां पर उत्तर और पश्चिम दिशा आकर मिलती है। इस दिशा में भी पैसे या फिर जेवरात रखना अच्छा नहीं माना जाता है। वास्तु में बताया गया है कि इस दिशा में पैसे रखने से कर्ज बढ़ता है और आप कर्ज चुकाने में असमर्थ रहते हैं।

नैर्ऋत्य कोण में धन

वास्तु शास्त्र में दक्षिण-पश्चिम दिशा को नैऋत्य कोण के रूप में भी जाना जाता है। इस दिशा का स्वामी राहु है। इस दिशा में पैसे रखने से आप गलत ढंग से पैसे कमाने के तरीकों के बारे में सोचने लग जाते हैं और आपका पैसा बीमारियों या फिर अन्य फालतू चीजों अधिक खर्च होने लगता है।

51 करोड़ की मालकिन हैं पूजा हेगड़े, क्या आप जानते हैं एक फिल्म के लिए कितनी फीस लेती हैं ?

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा में काम कर चुकीं एक्ट्रेस पूजा हेगड़े अपना 32वां जन्मदिन मना चुकी हैं. उनका जन्म मुंबई में हुआ था. आज वो किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. उन्होंने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी है. ऐसे में आप को उनकी नेट वर्थ बता रहे हैं और वो एक फिल्म के लिए कितनी फीस चार्ज करती हैं.

पूजा हेगड़े ने हिंदी के साथ-साथ तेलुगू में काफी काम किया है. वो भारतीय सिनेमा की सबसे खूबसूरत और प्रतिभाशाली एक्ट्रेस हैं. उनकी काफी कम उम्र में ही जबरदस्त फैन फॉलोइंग है. नॉर्थ से लेकर साउथ तक में उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है.

पूजा हेगड़े की कुल संपत्ति करीब 51 करोड़ है. वो इंडस्ट्री की सबसे महंगी हीरोइनों में से एक है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वो एक महीने में ही 50 लाख रुपए से ज्यादा की कमाई करती हैं. उनकी इनकम का मुख्य साधन फिल्में ही है. खबरों की मानें तो वो एक फिल्म के लिए 3-4 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं. इसके अलावा एक्ट्रेस कई ब्रांड एंडोर्समेंट से भी पैसे कमाती हैं. बताया जाता है कि वो प्रति ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए 35 से 40 लाख रुपये चार्ज करती हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो उनकी कुल संपत्ति में हर साल लगभग 26 प्रतिशत का इजाफा हो रहा है. उनकी एक साल की इनकम करीब 10 करोड़ रुपए है. इसके अलावा एक्ट्रेस कई ब्रांड एंडोर्समेंट से भी पैसे कमाती हैं. बताया जाता है कि वो प्रति ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए 35 से 40 लाख रुपये चार्ज करती हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो उनकी कुल संपत्ति में हर साल लगभग 26 प्रतिशत का इजाफा हो रहा है. उनकी एक साल की इनकम करीब 10 करोड़ रुपए है. पूजा हेगड़े ने अपने करियर की शुरुआत तेमिल फिल्म 'मुगामोडी' से की थी. वहीं, उन्होंने हिंदी में ऋतिक रोशन की फिल्म 'मोहन जोदड़ो' से की थी. हालांकि, उनकी हिंदी फिल्म फ्लॉप रही थी. मगर इसमें एक्ट्रेस को काफी पसंद किया गया था.

पूजा हेगड़े ने अपने करियर की शुरुआत तेमिल फिल्म 'मुगामोडी' से की थी. वहीं, उन्होंने हिंदी में ऋतिक रोशन की फिल्म 'मोहन जोदड़ो' से की थी. हालांकि, उनकी हिंदी फिल्म फ्लॉप रही थी. मगर इसमें एक्ट्रेस को काफी पसंद किया गया था.

पूजा की प्रोफेशनल लाइफ के लिए ये साल अभी तक कुछ खास नहीं रहा है. इस साल लगातार उनकी लगभग तीन फिल्में फ्लॉप रही है. इसमें 'राधे श्याम', 'बीस्ट' और 'आचार्य' जैसी मूवीज शामिल हैं. उन्होंने अल्लू अर्जुन, रवि तेजा, एन.टी. रामा राव जूनियर, और प्रभास जैसे एक्टर्स संग काम किया है.

साजिद खान को बिग बॉस में देख डरीं कनिष्का सोनी

बिग बॉस 16 के घर में जब से साजिद खान की एंट्री हुई है, तभी से शो को लेकर खूब कॉन्ट्रोवर्सी हो रही है. लगातार हर कोई शो के मेकर्स और साथ ही सलमान खान पर ये आरोप लगा रहा है कि आखिर उन्होंने घर में एक ऐसे शख्स को जगह कैसे दी जो महिलाओं से जुड़े विवादों से घिरा हुआ है. ऐसे में अब 'दीया और बाती हम' में नजर आईं एक्ट्रेस कनिष्का सोनी ने अब साजिद खान पर खुलकर आरोप लगाए हैं. कनिष्का ने अपने सोशल मीडिया पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट और वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने अपने साथ हुए व्यवहार के बारे में खुलकर बातें की हैं. दीया और बाती हम फेम कनिष्का सोनी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने साजिद खान पर उन्हें सेक्सुअली हैरेस करने का आरोप लगाया है.

कनिष्का सोनी ने दावा किया है कि साजिद खान उनके साथ गंदी हरकत कर चुके हैं. सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करके कनिष्का सोनी ने इस बात का खुलासा किया है. वीडियो में कनिष्का सोनी ने कहा, 'मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहती. कुछ समय पहले ही

मैंने एक प्रोड्यूसर के बारे में बात की थी. इस प्रोड्यूसर ने मुझे अपने घर बुलाया था.

घर पर उसने मुझे अपना पेट दिखाना के लिए कहा. ये घटना साल 2008 की है जब उसने मुझे अपनी फिल्म में काम देने का वादा किया था. उसने मुझे अपनी टीशर्ट उतारने के लिए कहा.

अब मुझे पता चल रहा है कि ये आदमी बिग बॉस के घर में चला गया है. मेरे दोस्त और परिवार के लोग चाहते हैं कि मैं उसके बारे में खुलकर बात करूं.'

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी अगले साल लेंगे सात फेरे! एक्ट्रेस के भाई ने किया खुलासा

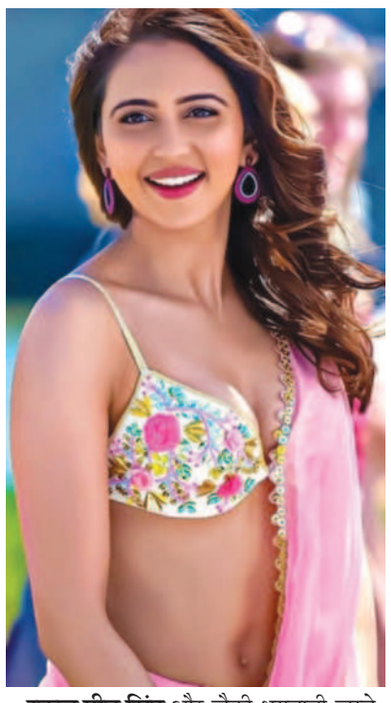

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी लम्बे समय से रिलेशनशिप में हैं. दोनों के करीबी दोस्तों के अनुसार यह कपल 2023 में शादी करने का मन बना रहा है. रकुल के भाई अमन ने भी कहा है कि दोनों जल्द शादी करेंगे लेकिन डेट डिसाइड नहीं हुई है.

रकुल प्रीत सिंह साउथ इंडस्ट्री में काफी हिट हैं. अब पिछले कुछ समय में उन्होंने बॉलीवुड में भी बेहतर जगह बना ली है. जल्द ही वे आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म 'डॉक्टर जी' में नजर आएंगी. वहीं, पर्सनल लाइफ की बात करें तो वे जैकी भगनानी के साथ लम्बे समय से रिलेशनशिप में हैं. अक्सर दोनों की शादी को लेकर बातें भी होती रहती हैं. अब इस बारे में रकुल के भाई ने शादी को लेकर कुछ जानकारी दी है. बताया जा रहा है कि 2023 में यह कपल विवाह बंधन में बंधने की तैयारी कर रहा है. रकुल प्रीत और जैकी भगनानी अक्सर साथ नजर आते हैं. दोनों ही एक दूसरे को पसंद करते हैं और अपने रिश्ते को एक स्टेप आगे लेकर जाना चाहते हैं. ई-टाइम्स में छपी एक खबर के अनुसार, इस बारे में रकुल के भाई ने भी सहमति दी है. रकुल के भाई अमन ने बताया है कि रकुल ने जैकी के साथ कुछ प्रोजेक्ट्स में काम किया है. दोनों

एक दूसरे को पसंद करते हैं और शादी भी करना चाहते हैं. शादी को लेकर फिलहाल कोई डेट डिसाइड नहीं की गई है. लेकिन रकुल खुद इस बारे में सबको बताएगी. जैकी के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं और रकुल भी अपने प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं. ऐसे में दोनों शादी के लिए सोच समझकर निर्णय करेंगे.

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी के करीबी लोगों का मानना है कि यह बहुत प्यारा कपल है. दोनों एक दूसरे से बेहद प्यार करते हैं. ऐसे में कुछ दोस्तों का कहना है कि शादी 2023 में होगी और यह एक तरह से निश्चित है. वासु भगनानी के बेटे जैकी भगनानी की रकुल से शादी को लेकर सभी उत्साहित हैं और डेट सामने आने का इंतजार कर रहे हैं. उधर, माना जा रहा है कि अपनी फिल्मों को बड़े स्तर पर दिखाने वाले वासु अपने बेटे की शादी को भी अलग अंदाज में करने के इच्छुक हैं. माना जा रहा है कि रकुल ही इस बारे में वे निर्णय लेंगी और शादी को लेकर अनाउंसमेंट भी वे ही करेंगी.

जैकी भगनानी ने पिछले साल रकुल के बर्थडे पर दोनों के एक फोटो के साथ अपने रिलेशनशिप की आधिकारिक घोषणा की थी. उनकी इस पोस्ट को रकुल ने भी साझा किया था. रकुल ने बीते दिनों एक इंटरव्यू में कहा था कि यदि हम किसी को पसंद करते हैं तो इसमें छुपाने वाली क्या बात है? मैंने बहुत से ऐसे कपल देखें हैं जो अपने रिश्ते को नहीं स्वीकारते. मुझे लगता है कि रिश्ते में सम्मान और प्यार होना चाहिए, इसे पर्दे में रखने की जरूरत नहीं है.

ड्रीम गर्ल 2 के लिए किशोर कुमार से प्रेरणा ले रहे हैं आयुष्मान खुराना, कहा 'उन्होंने साहस दिया'

किशोर कुमार की 33वीं पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए, बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने उनका शुक्रिया अदा किया है. दरअसल अभिनेता ने दिवंगत गायक को अपने करियर में सबसे असामान्य भूमिकाओं में से एक को निभाने का साहस का स्त्रोत बताया है. बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म के सीक्वल में आकर्षक ड्रीम गर्ल की भूमिका निभा रहे हैं! किशोर कुमार की पुण्यतिथि पर, आयुष्मान भारतीय सिनेमा के प्रतीक को याद करते हुए बताते हैं कि कैसे उन्होंने ड्रीम गर्ल 2 के लिए उनसे प्रेरणा ली है! आयुष्मान यहां साल 2019 की कॉमेडी फिल्म 'ड्रीम गर्ल' में अपनी भूमिका की बात कर रहे हैं, जिसमें वह एक ऐसे पुरुष की भूमिका निभाते हैं जो महिला की आवाज निकालने में सक्षम होता है, जिससे उन्हें जीवन में सफलता मिलती है और परेशानी भी होती है.

आयुष्मान ने कहा, "जब आप उनकी फिल्म 'हाफ टिकट' पर नजर डालते हैं, तो 'आके सीधी लगी दिल पे' गीत में उन्होंने पुरुष और महिला दोनों स्वरों में गाया है. बहुत से लोगों को यह पता नहीं है, लेकिन उनकी बात ने ही मुझे विश्वास दिलाया कि मैं 'ड्रीम गर्ल' कर सकता हूं. मैंने इससे हिम्मत बढ़ाई, क्योंकि मेरे पास किशोर कुमार एक उदाहरण के तौर पर थे, जिन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह से निभाया था."

आयुष्मान किशोर कुमार की जोखिम लेने की क्षमता से भी बहुत प्रेरित हैं.अभिनेता ने आगे कहा, किशोर कुमार हमेशा एक संस्था की तरह रहे हैं, और वह एक बड़ी प्रेरणा रहे हैं. वह लीजेंड हैं, क्योंकि वह हमेशा रचनात्मक रूप से बेचैन और निडर थे और मुझे उनकी विरासत के बारे में प्यार है. वह हमेशा प्रयोग करने और जोखिम लेने वालों में से थे.

बतौर प्रोड्यूसर जॉन अब्राहम ने किया रोमांटिक फिल्मों का रुख

एक प्रोड्यूसर के तौर पर जॉन अब्राहम ने अपनी फिल्मों की चॉइस में बदलाव किया है। दीवाली के तुरंत बाद उनके बैनर की तारा वर्सेज बिलाल रिलीज हो रही है। यह विशुद्ध रोमांटिक कॉमेडी जॉनर की फिल्म है। जबकि, इससे पहले जॉन अब्राहम परमाणु, मद्रास कैफे, अटैक, बाटला हाऊस जैसी एक्शन और थ्रिलर फिल्में प्रोड्यूज कर चुके हैं। अपनी अपकमिंग फिल्म के बारे में जॉन ने दैनिक भास्कर से बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपनी फिल्म और प्रोडक्शन कंपनी के बारे में बात की।

जॉन अब्राहम ने कहा- मैं अलग-अलग सब्जेक्ट्स पर अच्छी फिल्में बनाने की कोशिश करता रहा हूं। तारा VS बिलाल मेरे लिए एक निर्माता के तौर पर नया एक्सपीरियंस है। हमारे राइटर और डायरेक्टर ने एक एंटरटेनिंग लव स्टोरी कहने की कोशिश की है। हमने हल्के-फुल्के अंदाज में समाज के टैबू सब्जेक्ट्स को कहानी में पिरोया है।इस फिल्म के हीरो हर्षवर्धन राणे हैं। मैं अगर उनकी उम्र का होता तो शायद इस

फिल्म का हीरो बनता। वैसे भी मुझे अपने बैनर की हर फिल्म में एक्ट करना ही है, उसको लेकर कोई टेम्पटेशन यानी लालच नहीं रहा है। जिन किरदारों में मैं फिट बैठा, मैने हमेशा उनमें ही मैंने एक्टिंग की। बातचीत में आगे जॉन करते हैं- 'बतौर एक्टर मैं अपने बैनर की फिल्म में एक्ट करता हूं तो ज्यादा सेफ महसूस करता हूं। वह इसलिए कि जो फिल्में अगर मैं प्रोड्यूस कर रहा हूं तो उन्हें हम बहुत ज्यादा क्युरेट या मांजते हैं ताकि अगर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर न भी चले तो भी उसे देखनेवाला कोई इंसान यह न कहे कि अरे ये तो बुरी फिल्म थी।' जॉन कहते हैं- 'जब कभी मैं बहुत अच्छी स्क्रिप्टि पढ़ता हूं तो सामने वाले को जरूर कहता हूं कि क्यों न इसे प्रोड्युस की जाए। तो मैं उसका प्रोड्युसर भी बन जाता हूं। फिर पता करता हूं कि क्या उस किरदार में मैं फिट बैठूंगा। वह जवाब नहीं मिलता तो तब मैं दूसरे टैलेंट की तलाश करता हूं।' इस फिल्म की रायटर संयुक्ता चावला शेख हैं। इससे पहले उन्होंने नीरजा, परमाणु, बॉबी जासूस और दिल्ली क्राइम जैसे प्रोजेक्ट्स की कहानियों पर काम किया है। राइटर संयुक्ता बताती हैं कि- 'फिल्म तारा वर्सेज बिलाल के डायरेक्टर समर इकबाल हैं। मैं और समर दोनों यशराज फिल्म्स में सालों तक असिस्टेंट डायरेक्टर यानी ऐडी रहें हैं। हम उनकी जब तक है जान में भी ऐडी थे। उसमें जॉन अब्राहम विलेन के रोल में थे। बहरहाल, बतौर प्रोड्युसर जॉन अब्राहम एक नॉर्मल सी कहानी में सदा कुछ अनयुजयल यानी अनोखेपन की तलाश में रहते हैं।

ट्रोलिंग पर छलका उर्वशी रौतेला का दर्द, कहा- मुझे कोई सपोर्ट नहीं कर रहा है

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला पिछले कुछ समय से काफी सुर्खियों में हैं। अपने पोस्ट के चलते उन्हें सोशल मीडिया पर बुरी तरह से ट्रोल किया जा रहा है। दरअसल, आजकल उर्वशी ऑस्ट्रेलिया पहुंची हैं और टीम इंडिया भी वर्ल्ड कप के लिए वहीं मौजूद है। इस वजह से उर्वशी की सभी रोमांटिक शायरियों और करवा चौथ के पोस्ट को ऋषभ से जोड़ रहे हैं। इतना ही नहीं ऋषभ के फैंस एक्ट्रेस को स्टॉकर कह रहे हैं। ऐसे में अब खुद पर होने वाली ट्रोलिंग पर उर्वशी का रिएक्शन सामने आया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दुख जताया है- कि किसी को भी उनकी चिंता नहीं हैं और उन्हें कोई भी सपोर्ट नहीं कर रहा है। एक्ट्रेस ने खुद की तुलना ईरान की उस महिला से की है, जिसकी हत्या के बाद से ईरान देश की महिलाएं एंटी हिजाब प्रोटेस्ट पर उतर आई हैं।

उर्वशी ने शेयर किया सैड पोस्ट

सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए उर्वशी ने कैप्शन लिखा- 'पहले ईरान में महसा अमीनी और अब भारत में मेरे साथ हो रहा है। मुझे स्टॉकर कहकर बुली किया जा रहा है। किसी को मेरी चिंता नहीं है, न ही मुझे कोई सपोर्ट कर रहा है। एक मजबूत महिला वही होती है, जो गहराई से महसूस करती है और खूब प्यार करती है। उसकी हंसी की तरफ उसके आंसू भी खूब बहते हैं। वह कोमल और ताकतवर दोनों है, एक महिला दुनिया के लिए तोहफा होती है।'

क्या है पूरा मामला?

उर्वशी रौतेला बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर प्यार-मोहब्बत भरी शायरियां पोस्ट कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उर्वशी और ऋषभ पंत रिलेशनशिप में थे, लेकिन अब ऋषभ जिंदगी में आगे बढ़ गए हैं, लेकिन उर्वशी उन्हें अभी भी चाहती हैं। ऐसे में सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि उर्वशी उनका पीछा कर ही हैं, इस का उर्वशी के सभी पोस्ट ऋषभ से जोड़कर देखे जा रहे हैं। उर्वशी ने अपनी फोटो शेयर की, जिसमें वो व्हाइट फुल स्लीव्स हाई नेक के साथ शॉर्ट स्कर्ट पहने हुए नजर आ रही हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'चांद की रोशनी, आपके जीवन को खुशियां, शांति और सद्भाव से भर दें। करवा चौथ की शुभकामनाएं.. एडवांस में।'

सलमान खान पर भड़की एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा

किया सवाल- क्या आप हम आउटसाइडर्स के भाईजान नहीं हैं

बिग बॉस 16 में साजिद खान की एंट्री के बाद से कॉन्ट्रोवर्सी का दौर चालू हो गया है। बॉलीवुड इंडस्ट्री समेत देशभर की कई महिलाओं ने डायरेक्टर को शो से बाहर निकालने की मांग की है। इस बीच हाल ही में एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा ने साजिद को शो में रखने लिए सलमान खान पर निशाना साधा है। शर्लिन ने सलमान खान से सवाल किया है कि क्या आप हमारे भाईजान नहीं हैं क्या? जो हमारी मदद के लिए खड़े हों सकें।

शर्लिन के कहा- बिग बॉस के मेकर्स ने लिया गलत फैसला

शर्लिन ने मिड डे बातचीत में कहा- बिग बॉस के मेकर्स के इस कदम से लोगों के बीच गलत मैसेज जाएगा। लोग ये मानेंगे कि किसी महिला से छेड़छाड़ करना, उसे गलत तरह से छूना और अपने प्राइवेट पार्ट को फ्लैश करना ठीक है, क्यों कि आखिर में आप बरी हो जाएंगे। क्योंकि आपके पीछे बड़े फिल्म निर्माताओं और चैनल्स का हाथ हैं।

शर्लिन ने सलमान से किया सवाल

मीडिया से बातचीत में शर्लिन ने कहा- 'मुझे समझ नहीं आता है कि आखिर सलमान खान को क्या हो गया है? वो भला ऐसा कैसे होने दे सकते हैं। आप खुद को भाईजान कहते हैं, क्या आप हम जैसी महिलाओं के भाईजान नहीं बन सकते हैं? क्या आप सिर्फ बॉलीवुड और पावरफुल लोगों के भाईजान हैं, हम जैसे आउटसाइडर के लिए आप क्यों कुछ नहीं बोलते हैं?'

शर्लिन आगे कहती हैं- 'शो के वल सलमान सर की वजह से चलता है, वो साजिद को बिग बॉस में रखने पर अपना विरोध कर सकते थे। लेकिन उन्होंने भी साजिद को शो में आने दिया, इससे लगता है कि सलमान भी साजिद के घर में आने से संतुष्ट हैं। उन्हें इसमें कुछ भी गलत नहीं लगता है।'

बिग बॉस 16 में आना चाहती है शर्लिन

11 अक्टूबर को शर्लिन ने सोशल मीडिया पर ट्वीट करके साजिद पर गंभीर आरोप लगाए थे।पोस्ट में शर्लिन ने कहा- 'साजिद ने अपना प्राइवेट पार्ट मुझे दिखाया था और मुझसे इसे 0 से 10 के बीच रेट करने के लिए कहा था, मैं बिग बॉस के घर में एंट्री करना चाहती हूं और उन्हें रेटिंग देना चाहती हूं। आइए देखते हैं कि एक सर्वाइवर अपने मोलेस्टर के साथ कैसा व्यवहार करती है?' पोस्ट में शर्लिन सलमान खान को टैग करते हुए लिखती है- ' प्लीज आप हमारा स्टैंड लें।'

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, साल 2018 में साजिद पर 10 महिलाओं ने मी टू मूवमेंट के तहत यौन शोषण के आरोप लगाए थे। जिस वजह से इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन एसोसिएशन साजिद को एक साल के लिए बैन कर दिया था। ऐसे में लंबे के बाद साजिद ने बिग बॉस के साथ एक बार फिर वापसी की है। हालांकि बिग बॉस में उनके आते ही विवाद शुरू हो गया है, कई फिल्मी हस्तियों ने साजिद के शो में होने में आपत्ति जताई है।

मैं नहीं देखती हूं बिग बॉस और न ही कभी देखना चाहूंगी : तनुश्री दत्ता

साजिद खान के बिग बॉस 16 में एंट्री के बाद से ही, कई महिलाएं उनका विरोध कर रही हैं। कई ऐसी महिलाएं हैं जो बिग बॉस के मेकर्स के इस फैसले से नाराज हैं। उनमें से एक नाम तनुश्री दत्ता भी है। हाल ही में तनुश्री से साजिद खान के बिग बॉस में होने पर सवाल किया गया तो उन्होंने इस बात पर शो के मेकर्स के खिलाफ नाराजगी जताई है कि वो इस फैसले से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं।

तनुश्री दत्ता ने कहा - 'मैं हैरान हूं कि भाला कैसे मेकर्स ऐसी गैरजिम्मेदाराना हरकत कर सकते हैं। मैं बिग बॉस नहीं देखती हूं और मुझे लगता है कि मैं इसके बाद कभी देखना भी नहीं चाहूंगी। साजिद को बिग बॉस 16 में रखने का फैसला गलत है, शो के मेकर्स भला ऐसा कैसे कर सकते हैं।'

मीटू मूवमेंट के दौरान तनुश्री दत्ता उन एक्ट्रेसेस में से एक थीं, जिन्होंने लोगों के बीच खुलकर अपनी बात रखी थी। तनुश्री ने नाना पाटेकर पर नवंबर 2018 में आरोप लगाए थे, कि 2008 में फिल्म 'हॉर्न ओके प्लीज' के सेट पर नाना ने उन्हें गलत तरीके से छूने की कोशिश की थी। इसके बाद मुंबई पुलिस ने उनके खिलाफ मामला भी दर्ज किया था। मामले के बाद नाना के हाथ से फिल्म 'हाउसफुल 3' समेत कई प्रोजेक्ट्स निकल गए थे, लेकिन जून 2019 में उन्हें इस केस से क्लीन चिट दे दी गई थी। तनुश्री ने कुछ दिन पहले सोशल मीडिया के जरिए नाना पाटेकर पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि अगर उन्हें कुछ हो जाता है, तो इसके जिम्मेदार नाना और उनके बॉलीवुड माफिया दोस्त होंगे। साथ ही उन्होंने ये भी कहा था कि ये लोग उन्हें टारगेट कर रहे हैं।

46 साल के हीरो संग रोमांस करते दिखी 28 वर्षीय भोजपुरी एक्ट्रेस जोया खान, ट्रोल हुईं

भोजपुरी एक्ट्रेस जोया खान के पिछले कुछ माह से अपने से काफी बड़े अभिनेता राहुल जगताप के साथ कई रोमांटिक वीडियोज शेयर कर रही हैं. एक बार इनके रोमांस से भरे तमाम रील्स सामने आए हैं जिनमें ये कपल एक दूसरे की बाहों में बाहें डाले दिख रहा है. राहुल संग जोया का अंदाज-ए-बयां तो बाकई कमाल का है और इसके साथ ही उनके सेंसुअल एक्सप्रेशन भी देखते ही बनते हैं. दोनों के रील्स को जहां, कुछ लोग पसंद कर रहे हैं तो तमाम इन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं.

हाल ही में इनका एक वीडियो आया है जिसमें ये दोनों लगा मंगेशकर के एवरग्रीन सॉन्ग 'ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं' पर एक्ट करते दिख रहे हैं. वीडीयो में जोया और जगताप आंगन में डले एक झूले पर झूलते दिख रहे हैं और इसी में एक्ट्रेस अपने को-स्टार के पास आकर उनके साथ रोमांटिक होने की कोशिश करती हैं.

अभिनेत्री राहुल की सफेद दाढ़ी को सहलाती हैं और उनके को-स्टार भी उन्हें प्यार भरी नजरों से देखते हैं. वीडियो में जोया को राहुल के साथ एक यूजर ने लिखा, ये लड़की आपके साथ नहीं जचती...तो एक ने लिखा..जचता नहीं हम क्या करें... एक ने लिखा ओल्ड इज गोल्ड..एक ने लिखा, खूबसूरत वाइट टाइगर तो किसी ने उन्हें दादा बोल दिया है.

कियारा ने बुजुर्ग को धक्का देने पर लगाई डांट

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी अक्सर पैपराजी से हंसते हुए ही मिलती हैं, लेकिन हाल ही में उन्हें गुस्से में देखा गया। दरअसल कियारा ऑस्कर नॉमिनेटेड फिल्म छेल्लो शो की स्क्रीनिंग पर गई थीं। इस इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है। दरअसल जब कियारा स्क्रीनिंग देखकर हॉल से बाहर आ रहीं थी, तब पैपराजी उनकी फोटो खींचने में जुट गए। इस दौरान पैपराजी सीनियर सिटिजन को बिना ध्यान दिए ही, फोटो खींचने के लिए धक्का-मुक्की में लग गए, जिस पर कियारा का उनसे नाराज हो गईं। वीडियो में कियारा कहती नजर आईं- आप तो देखो, आप देखो तो, आई एम रियली सॉरी, आप लोग प्लीज आगे बढ़ें। आपको तो देखना चाहिए न कौन-कौन है।' कियारा का ये वीडियो फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

'पुष्पा 2' में अल्लू अर्जुन की लव इंटरेस्ट बनेगी बाहुबली एक्ट्रेस!

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' मोस्ट अवेटेड भारतीय फिल्मों में से एक है. भले ही इस मूवी की शूटिंग शुरू होनी बाकी है, लेकिन चर्चा पहले से ही अपने चरम पर है. प्रशंसक 'पुष्पराज' को अपना शासन स्थापित करने और अपने प्रतिद्वंद्वी एसपी शेखावत का सामना करते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इस बीच फिल्म को लेकर एक नया अपडेट आया है जिसमें एक नई एक्ट्रेस के शामिल होने को लेकर खबर चल रही है. सुकुमार की फिल्म के पहले भाग पुष्पाः द राइज में सामंथा ने स्पेशल नंबर कर दुनियाभर में लोकप्रियता हासिल की है और इसके बाद पार्ट 2 में भी उनका नाम लिया जा रहा था. हालांकि, बाद में दिशा पाटनी और नोरा फतेही को फिल्म के आइटम गाने में लिए जाने की बात सामने आई लेकिन एक नई एक्ट्रेस के नाम की चर्चा है.

'पुष्पा 2' में ये एक्ट्रेस बनेगी एक्टर की आइटम गर्ल

टॉलीवुड डॉट नेट की रिपोर्ट के मुताबिक, 'पुष्पा 2' में एक आइटम सॉन्ग होगा और इसमें थिरकने वाली अभिनेत्री न केवल गाने का हिस्सा होगी बल्कि फिल्म में भी एक अहम भूमिका भी निभाएगी. साथ ही, यह भी पता चला है कि अभिनेत्री अल्लू अर्जुन की लव इंटरेस्टका रोल प्ले करेंगी. पहले कहा जा रहा था कि समांथा 'ऊ अंतावा...' की सफलता के बाद फिल्म में उन्हें फिर लिया जाएगा लेकिन बताया जा रहा है कि उन्हें बाहुबली एक्ट्रेस रिप्लेस करेंगी. जानकारी के अनुसार, अल्लू अर्जुन की अपकमिंग पुष्पाः द रूल में बाहुबली स्टार तमन्ना भाटिया अपने हुस्न का जलवा बिखरेंगी. सामंथा के बाद अब वे अपने सेक्सी लुक से देशभर की स्क्रीन पर तहलका मचाती नजर आएंगी. हालांकि, मिल्की ब्यूटी के स्पेशल नंबर को लेकर सुकुमार की ओर से अभी तक आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ.

श्रुति हासन ने कबूली नाक की सर्जरी वाली बात

मैं और ज्यादा सुंदर दिखना चाहती थी, लोगों को नहीं दे सकती जस्टिफिकेशन

एक्ट्रेस श्रुति हासन अपने प्राइवेट लाईफ के बारे में खुलकर बोलने के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने नाक की सर्जरी वाली बात को सार्वजनिक रूप से कबूल किया है। श्रुति ने हाल ही में मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि उन्होंने सुंदर दिखने के लिए अपनी नाक की सर्जरी कराई है। श्रुति का ये भी कहना है कि लोग उनके लुक के बारे क्या रिएक्शन देते हैं इससे उनको फर्क नहीं पड़ता है और न ही वो इसे जस्टिफाई कर सकती साथ ही उन्होंने कहा है कि उनकी बॉडी है वो इसे जैसे चाहे वैसे रखें।

मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में श्रुति ने बताया -

मैंने नोज जॉब करवाई है। मेरी नाक टूट गई थी और काफी अजीब हो गई थी। मैंने अपनी पहली फिल्म टूटे हुए नाक से ही की थी। बाद में मैंने इसकी सर्जरी करा ली क्योंकि मैं इसे सुंदर बनाना चाहती थी। अगर मैं अपने चेहरे को सुंदर बनाना चाहती हूं तो प्रॉब्लम क्या है। मैं कैसी दिख रही हूं या कैसी नहीं दिख रही, ये किसी को जस्टिफाई नहीं कर सकती। मेरी बॉडी है मैं इसे जैसे चाहे वैसे रखूं।

मैं इन चीजों को प्रमोट नहीं करती हूं, अगर आप इसे करना चाहे तो करें नहीं करना चाहें तो मत करें लेकिन मैं जो करना चाहती हूं मुझे करने दो। श्रुति ने यह भी कहा कि शुरुआत में उनसे कहा गया कि वो एक हीरोइन की तरह नहीं दिखती हैं। लोग मेरे बारे में कहते थे - श्रुति का फेस विदेशियों की तरह दिखता है, उसके पास टैलेंट तो है लेकिन वो इंडियन की तरह नहीं लगती लेकिन जब मैंने फिल्में करनी शुरू की तो मुझे एक गांव की लड़की का किरदार ज्यादा मिला।

जल्द ही फिल्म सालार में प्रभास के साथ दिखेंगी

श्रुति हासन के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो उनकी अगली फिल्म सालार होगी जिसमें वो प्रभास के साथ दिखेंगी। इसके बाद वो चिरंजीवी के साथ मेगा 154 में भी नजर आएंगी।

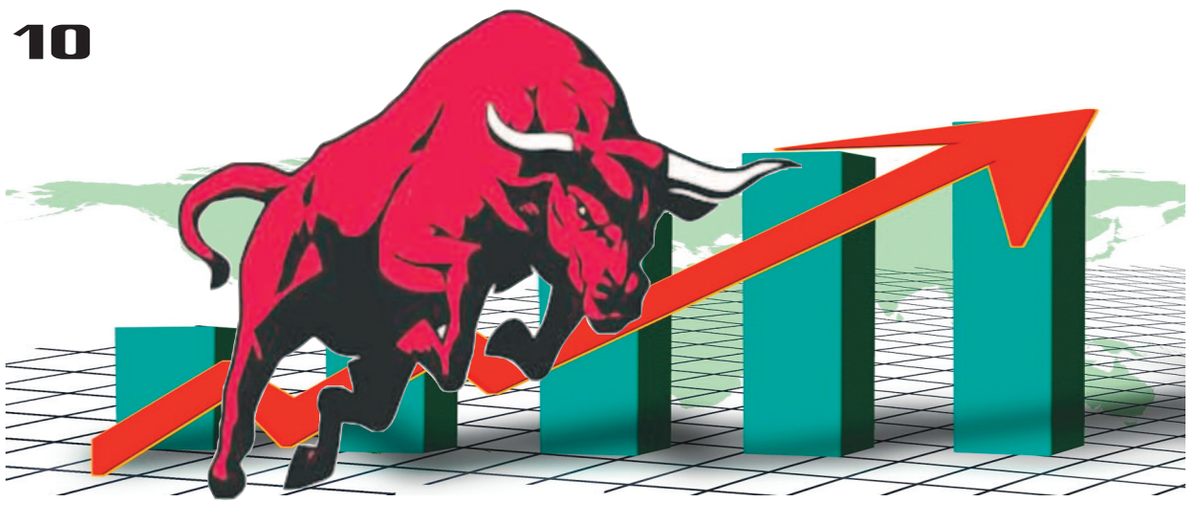

क्या बंद हो गई पीएम किसान योजना? पूछ रहे लाभार्थी- कहां अटक गई 12वीं किस्त?

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। पीएम किसान की 12 किस्त कहां अटकी है? पीएम किसान सम्मान निधि योजना क्या बंद हो गई? पीएम किसान का पैसा कब आएगा? इस बार तो सरकार ने हद कर दी। ऐसे तमाम सवाल आशंकाओं से घिरे करोड़ों किसानों के न केवल मन में उठ रहे हैं बल्कि खेत से खलिहान तक और चौक-चौराहों पर किसानों के बीच ये चर्चा आम है। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के मथौली बाजार में चाय की दुकान पर चार-पांच किसान ऐसे ही सवालों में उलझे हुए थे। किसान राधेश्याम अब तक किस्त नहीं आने से चिंतित थे। उन्होंने पास बैठे एक सज्जन से पूछा कि क्या पीएम किसान योजना बंद हो गई? अब तक पैसा नहीं आया। तब तक दूसरे किसान बिरजू बोल पड़े, अरे नहीं! फर्जी किसान बहुत पैसा उठा रहे थे, इसलिए सरकार बहुत जांच कर रही है। हो सकता है दिवाली तक आ जाए। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत 12 करोड़ से अधिक किसान रजिस्टर्ड हैं। केंद्र सरकार अब तक 11 किस्त जारी कर चुकी है। इस योजना के तहत लाभार्थियों को सालाना 6000 रुपये 2000-2000 के तीन बराबर किस्तों में किसानों के खातों में डायरेट ट्रांसफर किया जाता है। ये किस्तें अप्रैल-जुलाई, अगस्त-नवबंर और दिसंबर-मार्च में दी जाती हैं। अक्सर अगली किस्त महीना शुरू होने के कुछ दिन बाद ही आ जाती है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ।

आईएमएफ चीफ इकोनॉमिस्ट बोले: भारत में 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का माद्दा, बस उठाने होंगे ये कदम

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौरिनचास ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ऐसे समय में तेजी से उभर रही है जब दुनिया मंदी की संभावनाओं का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था छूने की क्षमता रखता है। अगर कुछ ठोस कदम उठाए जाएं तो जल्द ही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य में

निवेश पर जोर देना होगा।

10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का माद्दा भारत में

पियरे-ओलिवियर गौरिनचास ने कहा कि 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का माद्दा भारत में ही है। उन्होंने कहा कि मेरा मतलब है, हमने अतीत में कई देशों को बहुत तेजी से विकास करते हुए देखा है और वास्तव में बहुत तेजी से विकास किया भी है। उन्होंने कहा कि कई देशों के लिए 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना थोड़ा कठिन है लेकिन भारत जैसी अर्थव्यवस्था के लिए निश्चित रूप से एक बड़ी संभावना है।

ऐसा करने के लिए, भारत को कई संरचनात्मक सुधार करने की जरूरत है। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए भारत को कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि यहां इमारतों और सड़कों में निवेश तो हो ही रहा है लेकिन अगर मानव संसाधन, मानव पूंजी, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि में निवेश हो तो भारत तेजी से आगे बढ़ेगा।पियरे-ओलिवियर गौरिनचास ने कहा कि भारत सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इसलिए, जब यह वास्तव में 6.8 या 6.1 जैसी ठोस दरों पर बढ़ रहा है, तो यह वास्तव में ध्यान देने योग्य है।

ऐसी तस्वीर में जहां अन्य सभी अर्थव्यवस्थाएं और उन्नत अर्थव्यवस्थाएं शायद ही कभी उस गति से बढ़ती हैं, लेकिन भारत अगर अभी भी अच्छा कर रहा है तो यह अच्छा संकेत है।

सेंसेक्स 390 अंक गिरकर 57,235 पर बंद

निफ्टी 110 अंक टूटा; विप्रो और अडाणी पोर्ट्स टॉप लूजर

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार (13 अक्टूबर) को यानी चौथे कारोबारी दिन गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 390 अंक की गिरावट के साथ 57,235 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 109 अंक गिरकर 17,014 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 22 शेयरों में गिरावट रही। वहीं सिर्फ 8 शेयरों में ही तेजी देखने को मिली।

विप्रो और अडाणी पोर्ट्स टॉप लूजर

एचसीएल टेक, सन फार्मा, कोल इंडिया, डॉ रेड्डी, टाटा मोटर्स, ब्रिटानिया, ग्रासिम, रिलायंस, हिंडाल्को समेत 12 शेयर्स निफ्टी-50 के गेनर्स रहे। वहीं विप्रो, अडाणी पोर्ट्स, एसबीआई, एसबीआई लाइफ, आईसीआईसीआई बैंक, एलटी, यूपीएल, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी लाइफ समेत 36 शेयर्स निफ्टी के लूजर्स रहे। एनटीपीसी और एम एंड एम के शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

रियल्टी और बैंकिंग सेक्टर में गिरावट

एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से सिर्फ 3 में तेजी रही। मीडिया, मेटल और फार्मा सेक्टर में मामूली बढ़त देखने को मिली। इनके अलावा रियल्टी, प्राइवेट बैंक, बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज,आईटी, पीएसयूबैंक और एफएमसीजी सेक्टर में गिरावट रही।

बुधवार को तेजी में बंद हुआ था बाजार

इससे पहले बुधवार को बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 478 अंकों की तेजी के साथ 57,625 पर बंद हुआ था। निफ्टी 147 अंक बढ़कर 17,130 पर पहुंच गया था।

एचसीएल टेक ने कहा- एक साथ दो जगह काम करने का समर्थन नहीं

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। मूनलाइटिंग को लेकर आईटी कंपनियां अब सख्ती बरत रही हैं। विप्रो, इन्फोसिस, टीसीएस के बाद अब एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने 'मूनलाइटिंग' को लेकर कहा है कि वह एक साथ दो जगह काम करने का समर्थन नहीं करती है और यह कंपनी के भीतर कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। जब कोई कर्मचारी अपनी नियमित नौकरी के साथ ही कोई अन्य काम भी करता है तो उसे तकनीकी तौर पर 'मूनलाइटिंग' कहा जाता है। गौरतलब है कि विप्रो के चेयरमैन रिषद प्रेमजी की मूनलाइटिंग पर टिप्पणी के बाद यह चर्चा का एक मुद्दा बन गया है। विप्रो ने मूनलाइटिंग को जहां धोखा बताया है वहीं इन्फोसिस ने इसे अनैतिक कहा है। कंपनी के चीफ पीपल ऑफिसर (सीपीओ) रामचंद्रन सुंदरराजन ने दूसरी तिमाही के नतीजों का ब्योरा देने के दौरान कहा, "एचसीएल के साथ काम करते हुए हम अन्य जगह भी काम करने का समर्थन नहीं करते हैं।" उन्होंने कहा, "एचसीएल टेक के लिए काम करने वाला हर व्यक्ति रोजगार अनुबंध पर हस्ताक्षर करता है। इसके लिए विशिष्टता की आवश्यकता होती है। हम अपने कर्मचारियों से अनुबंध में मौजूद प्रावधानों की प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने की अपेक्षा करते हैं।" उन्होंने कहा कि सौभाग्य से मूनलाइटिंग एचसीएल टेक्नोलॉजीज के भीतर एक बड़ी समस्या के रूप में सामने नहीं आया है।

करवाचौथ पर सोने-चांदी के रेट में बदलाव

14 से 24 कैरेट गोल्ड का भाव

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। आज करवाचौथ के दिन सोने-चांदी के रेट में बदलाव नजर आ रहा है। चांदी आज 354 रुपये प्रति किलो सस्ती हुई है तो सोना महज 19 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा होकर 50774 रुपये पर खुला। आईबीजेए द्वारा जारी यह औसत रेट है। इस पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगा है।

आपके शहर में हो सकता है कि इस सोना-चांदी इस रेट से 500 से 2000 रुपये तक महंगा या सस्ता बिक रहे हों। आईबीजेए द्वारा जारी रेट के मुताबिक आज 24 कैरेट सोने का भाव 50774 रुपये पर खुला। वहीं, चांदी 354 रुपये प्रति किलो सस्ती होकर 56750 रुपये पर आ गई है। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई

रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 5480 रुपये ही सस्ता है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से 19258 रुपये सस्ती है। जीएसटी समेत 24 कैरेट सोने का भाव 52297 रुपये है। 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब जीएसटी के साथ 52088 रुपये पर पहुंच गई है। आज यह 50571 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुली। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 46509 रुपये प्रति 10 ग्राम है। अब 3 प्रतिशत जीएसटी के साथ सोने की कीमत 47904 रुपये है। 18 कैरेट गोल्ड का रेट 38081 रुपये पर है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत अब 39223 रुपये हो गई है। 14 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 29703 रुपये प्रति 10 ग्राम है। इसमें जीएसटी जोड़ लें तो इस सोने का भाव 30594 रुपये पर पहुंच गया है।

नई दिल्ली में 'पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' की पहली वर्षगांठ के अवसर पर सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, पीयूष गोयल।

स्पाइसजेट के विमान की हैदराबाद में आपात लैंडिंग

गोवा से आ रहा था विमान, जांच जारी

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोवा से आ रहे स्पाइसजेट के एक विमान की बुधवार रात हैदराबाद हवाईअड्डे पर आपात स्थिति में लैंडिंग कराई गई। डीजीसीए के अधिकारियों ने घटना की जानकारी देते हुए बताया है कि मामले की जांच चल रही है। अधिकारियों ने बताया है कि विमान के केबिन में धुआं दिखने के बाद बुधवार की देर रात विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। डीजीसीए की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद विमान यात्रियों को आपातकालीन निकास द्वार से बाहर निकाला गया। इस दौरान एक यात्री के पैर में हल्की स्क्रैच आ गई। हैदराबाद एयरपोर्ट के अधिकारियों के मुताबिक Q400 एयरक्राफ्ट VT-SQB में

80 यात्री सवार थे। उक्त विमान की इमरजेंसी लैंडिंग के कारण बुधवार की नौ विमानों को डायवर्ट करना पड़ा। यह घटना रात के करीब 11 बजे की है। बता दें कि स्पाइसजेट एयरलाइन हाल के दिनों में परिचालन की परेशानियों और वित्तीय बाधाओं का सामना कर रही है। यह पहले से ही नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की निगरानी में है। नियामक ने एयरलाइन को 29 अक्तूबर तक अपनी कुल उड़ानों में से केवल 50 प्रतिशत का ही संचालन करने का निर्देश दिया था।

एलपीजी सिलेंडर 2 साल में 459 रुपये हुआ महंगा फिर भी कंपनियों को हो रहा घाटा

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को लेकर भले ही विपक्ष के निशाने पर मोदी सरकार हो, लेकिन हकीकत यह है कि पिछले दो साल से सरकारी कंपनियां रसोई गैस घाटा सह कर बेच रही हैं। मोदी सरकार के मुताबिक सरकारी नियंत्रण वाली इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड उपभोक्ताओं को सरकार द्वारा नियंत्रित कीमतों पर घरेलू एलपीजी बेचती हैं। अनुराग ठाकुर ने बताया कि कंपनियों पर आर्थिक दबाव कम करने के लिए आर्थिक मदद देने का फैसला किया गया। यह अनुदान जून, 2020 से जून, 2022 तक के लिए दिया गया है।

सितंबर में बढ़ी रिटेल महंगाई:सब्जियों और दालों के दाम बढ़ने से महंगाई 7.41% पर पहुंची, अगस्त में 7% रही थी

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। सितंबर में रिटेल महंगाई बढ़कर 7.41% हो गई। अगस्त में ये 7% थी। वहीं एक साल पहले यानी सितंबर 2021 में ये 4.35% थी। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित रिटेल महंगाई दर के आंकड़े बुधवार को जारी किए गए। खाने-पीने का सामान खास तौर पर सब्जियों और दालों की कीमतों के बढ़ने की वजह से महंगाई बढ़ी है। सितंबर महीने में खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर अगस्त के 7.62% से बढ़कर 8.6% पर आ गई। जबकि सब्जियों की महंगाई अगस्त के 13.23% से बढ़कर 18.05% पर पहुंच गई है। महंगाई कम करने के लिए बाजार में पैसों के बहाव (लिक्विडिटी) को कम किया जाता है। इसके लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया रेपो रेट बढ़ाता है। बढ़ती महंगाई से चिंतित भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में रेपो रेट में 0.50% इजाफा किया है। इससे रेपो रेट 5.40% से बढ़कर 5.90% हो गया है। दुनियाभर की कई इकोनॉमी महंगाई को मापने के लिए डब्ल्यूपीआई को अपना आधार मानती हैं। भारत में ऐसा नहीं होता। हमारे देश में डब्ल्यूपीआई के साथ ही भाकपा को भी महंगाई चेक करने का स्केल माना जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक और क्रेडिट से जुड़ी नीतियां तय करने के लिए थोक मूल्यों को नहीं, बल्कि खुदरा महंगाई दर को मुख्य मानक (मेन स्टैंडर्ड) मानता है।

अर्थव्यवस्था के स्वभाव में डब्ल्यूपीआई और भाकपा एक-दूसरे पर असर डालते हैं। इस तरह डब्ल्यूपीआई बढ़ेगा, तो भाकपा भी बढ़ेगा। कच्चे तेल, कमोडिटी की कीमतों, मैन्युफैक्चर्ड कॉस्ट के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जिनकी रिटेल महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है। करीब 299 सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर रिटेल महंगाई का रेट तय होता है।

इस बीच, इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन की मापी गई इंडस्ट्रियल ग्रोथ अगस्त में घटकर -0.8% रह गई, जबकि जुलाई में यह 2.4% थी। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर आउटपुट -0.% घटा। माइनिंग आउटपुट में 3.9% की कमी आई। इसके अलावा बिजली उत्पादन भी 1.4% गिरा है।

इंडिया में अब नहीं बनेंगे 4जी मोबाइल

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों ने बुधवार को भारत सरकार के टॉप ऑफिशियल्स से मीटिंग की। उन्होंने 10 हजार या उससे ज्यादा की कीमत वाले 4जी स्मार्टफोन की मैन्युफैक्चरिंग बंद करने का फैसला लिया। कंपनियां अब 10 हजार से ज्यादा की कीमत वाले 5जी कनेक्टिविटी के स्मार्टफोन ही बनाएंगी। डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन और मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने मोबाइल ऑपरेटर्स और स्मार्टफोन मेकर्स से मीटिंग कर उन्हें 3 महीने में 5जी सर्विस पर शिफ्ट होने के निर्देश दिए। इंडिया में इस वक्त करीब 75 करोड़ मोबाइल यूजर्स हैं। इनमें 10 करोड़ यूजर्स 5जी स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन, 35 करोड़ यूजर्स आज भी 3जी और 4जी कनेक्टिविटी वाले स्मार्टफोन पर ही टिके हैं। सभी स्मार्टफोन मेकर्स ने कहा कि वे 10 हजार से ज्यादा की कीमत वाले मोबाइल में 4जी या उससे कम की कनेक्टिविटी ऐड नहीं करेंगे। देश के टॉप स्मार्टफोन मेकर्स के साथ हुई मीटिंग करीब एक घंटे से ज्यादा समय तक चली। मीटिंग में एपल, सैमसंग जैसी कंपनियों के अधिकारी समेत टेलीकॉम ऑपरेटर्स भी पहुंचे। स्मूथ 5जी नेटवर्क प्रोवाइड करने के लिए ये अपडेट किया जा रहे हैं। भारती एयरटेल और रिलायंस जियो ने एक अक्टूबर से देश के कुछ शहरों में 5जी सर्विस देना शुरू कर दिया था। एयरटेल ने दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, सिलिगुड़ी, नागपुर और वाराणसी में सर्विस शुरू की। वहीं, जियो ने दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और वाराणसी में सर्विस शुरू की। जिन शहरों में 5जी सर्विस शुरू हुई। वहां के यूजर्स ने ट्विटर पर शिकायत की कि 5जी इंटरनेट शुरू होते ही उनका डाटा सेकेंड्स में खत्म हो गया। टेस्टिंग में पता लगा कि 5जी इंटरनेट की स्पीड 500 से 600 एमबीपीएस तक है।

गिफ्ट पैक की डिमांड 20% तक बढ़ने की उम्मीद

दिवाली में पैकेज्ड स्वीट्स की बिक्री में होगी 25% तक ग्रोथ

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। दो वर्षों के बाद इस बार दिवाली किसी भी तरह के प्रतिबंध के बिना मनने की उम्मीद है। पैकेज्ड स्वीट्स इंडस्ट्री को इस दिवाली पर बिक्री में कोविड-पूर्व की तुलना में 20-25% बढ़ोतरी होने का अनुमान है। दरअसल पैकेज्ड स्वीट्स इंडस्ट्री के लिए त्योहारों की अच्छी शुरुआत रक्षाबंधन से हो ही गई है। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के मुताबिक इस बार रक्षाबंधन में सालाना आधार पर 15-20% की ग्रोथ देखने को मिली थी और यही ट्रेंड नवरात्रि के दौरान भी देखने को मिला है। फेडरेशन ऑफ स्वीट्स एंड नमकीन मैन्युफैक्चरर्स के डायरेक्टर जनरल फिरोज नकवी ने दैनिक

भास्कर से बातचीत में कहा कि देश के स्वीट्स और नमकीन उद्योग को पैकेजिंग का काफी फायदा मिल रहा है। जो ग्राहक त्योहारों के दौरान चॉकलेट्स की तरफ जाने लगे थे, अब वे भी पैकेज्ड मिठाइयों के कारण वापस देशी मिठाइयों की तरफ लौटने लगे हैं। इंडियन स्वीट्स मैन्युफैक्चरर्स अब आकर्षक पैकेजिंग का उपयोग करने लगे हैं। इस साल कस्टमाइज गिफ्ट हैम्पर्स की बिक्री में भी काफी बढ़ोतरी दिख रही है। कॉरपोरेट ग्राहक खासतौर पर अपने क्लायंट्स के लिए कस्टमाइज गिफ्ट पैक तैयार करवा रहे हैं। व्यापारियों ने भी इसके लिए खास तैयारी कर रखी है। फेडरेशन ऑफ स्वीट्स एंड नमकीन मैन्युफैक्चरर्स के डीजी फिरोज नकवी बताते हैं कि रक्षाबंधन, गणेश उत्सव और नवरात्रि के त्योहार स्वीट्स एंड नमकीन उद्योग के लिए काफी अच्छे रहे हैं। खास बात यह है कि लगभग हर स्वीट और नमकीन ब्रांड ने अपनी पैकेज्ड कैटेगरी में बढ़ोतरी की है और रिटेल दुकानदार भी खुली मिठाइयों के अलावा पैकेज्ड स्वीट्स जरूर रख रहे हैं।

पैकेज्ड फूड इंडस्ट्री कंसल्टेंट हर्षवर्धन गुप्ता कहते हैं कि बीते दो साल दिवाली गिफ्ट पैक की बिक्री अच्छी नहीं रही। हालांकि इस साल अभी तक इंडस्ट्री के ऑर्डर पर तैयार सारे गिफ्ट पैक बिक चुके हैं। इस साल गिफ्ट पैक की बिक्री में कोविड पूर्व की तुलना में 15 से 20% की बढ़ोतरी की उम्मीद है। कॉरपोरेट ग्राहक कस्टमाइज गिफ्ट पैक बनवाने पर ज्यादा जोर दे रहे हैं।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार पर 'हैकरों' का साया

अक्तूबर में इतने मिलियन डॉलर का कर चुके हैं सफाया

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। भले ही इस वर्ष क्रिप्टोकरेंसी बाजार क्रैश हो गया है पर हैकर्स के लिए यह अब भी मोटी कमाई का जरिया बना हुआ है। वे क्रिप्टोकरेंसीज का डिजिटल कैश मशीन की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। ब्लॉकचेन विशेषज्ञ चाइनालाइसिस आईएनसी के अनुसार अकेले अक्तूबर महीने में अब तक कम से कम $718 मिलियन की चोरी हो चुकी है, जो पिछले साल के लिए $3 बिलियन से कहीं ज्यादा है, ऐसे में 2022 में हैक किए गए क्रिप्टोकरेंसीज के कुल मूल्य का रिकॉर्ड बन गया है। ऐसे तथाकथित विकेंद्रीकृत वित्त या डेफी प्रोटोकॉल्स जो सॉफ्टवेयर आधारित अल्गोरिदिम पर आधारित हैं ।

चेयरमैन मुकेश अंबानी ने की बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम में पूजा-अर्चना

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी ने बद्रीनाथ और केदारनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। भारत के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी हर वर्ष की भांति इस साल भी भगवान बद्री विशाल के विशेष दर्शन के लिए बद्रीनाथ धाम पहुंचे। उन्होंने भगवान बद्री विशाल की विशेष पूजा-अर्चना की और देश की खुशहाली की कामना की। इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी केदारनाथ धाम भी गए और पूजा-अर्चना की। केदारनाथ पहुंचने पर मंदिर

समिति ने उनका स्वागत किया। इस दौरान भगवान बद्री विशाल के शृंगार में प्रयोग में लाई जाने वाली तुलसी की माला भी मुकेश अंबानी को भेंट स्वरूप दी गई। बद्रीनाथ मंदिर के सभा मंडल में पहुंचने के बाद मुकेश अंबानी ने आम श्रद्धालु की भांति भगवान बद्री विशाल के दर्शन किए और मंदिर के गर्भगृह में कुछ देर ध्यान लगाया।

मुंबई एयरपोर्ट पर 7,87 करोड़ का 15 किलो सोना जब्त, सात यात्री गिरफ्तार

मुंबई, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई एयरपोर्ट पर तैनात सीमा शुल्क विभाग की टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। टीम ने 11 व 12 अक्तूबर को चार अलग-अलग मामलों में कार्रवाई कर 15 किलो सोना जब्त किया है। इसकी कीमत 7,87 करोड़ रुपये है। कस्टम्स विभाग ने आज बताया कि सोना तस्करी मामले में सात यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 22 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा भी जब्त की गई है। ये यात्री सोने को ब्रेड स्लाइस व अन्य रूपों में छिपाकर लाए थे।

अमेरिका ने तालिबान सदस्यों पर लगाया वीजा प्रतिबंध

अमेरिका ने कहा

हम तालिबान और अन्य लोगों पर मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता का सम्मान करने के लिए दबाव जारी रखें हैं।

और महिलाओं और लड़कियों के दमन में शामिल लोगों पर प्रतिबंध लगाने की कार्रवाई करते रहेंगे।

वाशिंगटन, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने तालिबान के सदस्यों और अफगानिस्तान में महिलाओं, लड़कियों के दमन के लिए जिम्मेदार अन्य लोगों पर वीजा प्रतिबंध लगा दिए हैं। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने एक बयान में कहा कि वीजा प्रतिबंध नीति, वर्तमान और पूर्व तालिबानी सदस्यों, गैर-राज्य सुरक्षा समूहों के सदस्यों और अन्य लोगों के लिए वीजा जारी नहीं किए जाएंगे। ऐसे व्यक्तियों जिन्हें महिलाओं के दमन के लिए जिम्मेदार माना जाता है उन पर वीजा प्रतिबंध लगाया जा रहा है।

महिलाओं पर 'दमन' को लेकर अमेरिका का कड़ा रुख

अमेरिका तालिबान के सदस्यों को वीजा जारी नहीं करेगा

अमेरिका ने महिलाओं,लड़कियों के मानवाधिकारों का हनन करने वाले लोगों पर कड़ा रूख अख्तियार करते हुए कहा कि, जिन परिवार के लोग महिलाओं का दमन करते हैं ,हम उनके परिवार के सदस्यों को भी अमेरिकी वीजा देने से इनकार करते हैं। अमेरिका ने कहा है कि, महिलाओं के उपर होने वाले दमनकारियों नीतियों में, लड़कियों के लिए माध्यमिक या उच्च शिक्षा तक पहुंच को रोकना और प्रतिबंधित करना, कार्यबल में महिलाओं की पूर्ण भागीदारी को रोकना और महिलाओं के आंदोलन में अभिव्यक्ति या गोपनीयता को प्रतिबंधित करना शामिल है।

अमेरिका तालिबान के खिलाफ सख्त हुआ

अमेरिका ने महिलाओं,लड़कियों के मानवाधिकारों का हनन करने वाले लोगों पर कड़ा रूख अख्तियार करते हुए कहा कि, जिन परिवार के लोग महिलाओं का दमन करते हैं ,हम उनके परिवार के सदस्यों को भी अमेरिकी वीजा देने से इनकार करते हैं। अमेरिका ने कहा है कि, महिलाओं के उपर होने वाले दमनकारियों नीतियों में, लड़कियों के लिए माध्यमिक या उच्च शिक्षा तक पहुंच को रोकना और प्रतिबंधित करना, कार्यबल में महिलाओं की पूर्ण भागीदारी को रोकना और महिलाओं के आंदोलन में अभिव्यक्ति या गोपनीयता को प्रतिबंधित करने के साथ-साथ उत्पीड़न में संलिप्त रहना शामिल है।

अमेरिका अफगान के लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध

संयुक्त राज्य अमेरिका का कहना है कि वह अफगान लोगों का पुरजोर समर्थन करता है और महिलाओं और लड़कियों समेत सभी अफगान लोगों के मानवाधिकारों और उनके मौलिक स्वतंत्रता की रक्षा और बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमेरिका कार्रवाई करना जारी रखेगा

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने ट्वीट में कहा, अमेरिका अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों के दमन में शामिल लोगों पर प्रतिबंध लगाने के लिए कार्रवाई कर रहा है। अमेरिका तालिबान और अन्य लोगों पर मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता का सम्मान करने के लिए दबाव जारी रखेंगे।

महिलाओं का अफगानिस्तान में होता है शोषण

तालिबान ने कई नीतियां और आदेश जारी किए हैं, जो अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों को सार्वजनिक जीवन में पूर्ण भागीदारी से रोकते हैं। जिसमें माध्यमिक शिक्षा तक पहुंच और काम शामिल है।

महिलाएं काबुल में अपना कोई रोजगार नहीं कर सकती हैं। पढ़ाई नहीं कर सकती हैं। बाजारों में चेहरा ढककर जाना पड़ता है। देश की राजनीति में उनकी भागीदारी भी शून्य है। कुल मिलाकर हम यह कह सकते हैं कि तालिबानी राज में अफगानिस्तान में महिलाओं के मानवाधिकारों का हनन किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्रः चल रही थी यूक्रेन संकट पर चर्चा

पाक ने उठा दिया कश्मीर का मुद्दा, भारत ने जमकर लताड़ा

न्यूयॉर्क, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान की नापाक हरकत एक बार फिर से सामने आई है और इसके लिए भारत ने एक बार फिर से लताड़ लगा दी है। दरअसल, महासभा में यूक्रेन और रूस युद्ध के मुद्दे पर बहस चल रही थी और पाकिस्तानी राजनयिक मुनीर अकरम लगातार कश्मीर की स्थिति से रूस-यूक्रेन युद्ध की तुलना कर रहे थे। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने जमकर लताड़ लगा दी। रुचिरा कंबोज ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में यूक्रेन और रूस युद्ध जैसे गंभीर मुद्दे पर बहस हो रही है लेकिन हमें आश्चर्य हो रहा है कि फिर एक प्रतिनिधिमंडल के द्वारा इस मंच का दुरुपयोग किया जा रहा है। मेरे देश के खिलाफ तुच्छ और व्यर्थ टिप्पणी की जा रही है।

पाकिस्तान सामूहिक अवमानना का पात्रः रुचिरा कंबोज

कंबोज ने कहा कि बार-बार झूठ बोलने वाली मानसिकता धारण करने वाले देश हमेशा सहानुभूति लेने की कोशिश करते हैं लेकिन इससे कोई फायदा नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान के बाद पाकिस्तान सामूहिक अवमानना का पात्र है। जम्मू और कश्मीर का पूरा क्षेत्र हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहेगा, चाहे पाकिस्तान का प्रतिनिधि चाहे या चाहे जो भी माने। हम पाकिस्तान से आतंकवाद को रोकने के लिए कहते हैं ताकि हमारे नागरिक अपने जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार का आनंद ले सकें।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में यूक्रेन-रूस युद्ध को लेकर वोटिंग

बता दें कि इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने बुधवार को चार यूक्रेनी क्षेत्रों के रूसी कब्जे की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव के पक्ष में 143 सदस्यों ने मतदान किया जबकि पांच ने विरोध में वोट दिया। वहीं, भारत सहित 35 देशों ने मतदान में भाग लेने से परहेज किया। यह प्रस्ताव रूस द्वारा सुरक्षा परिषद में इसी तरह के एक प्रस्ताव को वीटो करने के कुछ दिनों बाद आया है, उस प्रस्ताव से भी भारत ने परहेज किया था।

लंदन, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुरुवार को जारी एक आकलन के अनुसार, 1970 के बाद से दुनिया की वन्यजीव आबादी में दो-तिहाई से अधिक की गिरावट आई है, क्योंकि जंगलों को साफ कर दिया गया है और महासागरों को प्रदूषित किया गया है। जूलाजिकल सोसाइटी ऑफ लंदन (जेडएसएल) में संरक्षण और नीति के निदेशक एंड्रयू टेरी ने कहा कि यह गंभीर मुद्दा है जो हमें बताता है कि प्रकृति सुलझ रही है और प्राकृतिक दुनिया खाली हो रही है।

जनसंख्या के आकार में औसतन 69% की गिरावट

वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की रिपोर्ट, जिसमें 5,000 से अधिक प्रजातियों को कवर करने वाले 32,000 वन्यजीव आबादी की स्थिति पर जेडएसएल के 2018 डेटा का उपयोग किया गया, जिसने पाया कि जनसंख्या के आकार में औसतन 69% की गिरावट आई है। वनों की कटाई, मानव शोषण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन नुकसान के सबसे बड़े कारण थे।

1970 के बाद से वैश्विक वन्यजीव आबादी में 69% आई गिरावट

केवल 5 दशकों में आई 94% गिरावट

केवल पाँच दशकों में, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में वन्यजीवों की आबादी में 94% की गिरावट आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्राजील के अमेजन में गुलाबी नदी डॉल्फ़िन की एक आबादी में 1994 और 2016 के बीच 65% की गिरावट आई है। टेरी ने कहा कि इसके निष्कर्ष मोटे तौर पर 2020 में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के अंतिम आकलन के समान थे, जिसमें वन्यजीवों की आबादी का आकार लगभग 2.5% प्रति वर्ष की दर से घट रहा था। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-यूके में विज्ञान के निदेशक मार्क राइट ने कहा, प्रकृति काफी संकट में थी और यह अभी भी गंभीर संकट में है।

समर्थन की आवश्यकता

1994 और 2019 के बीच, कांगो के कहुज़ी-बेगा राष्ट्रीय उद्यान के लोकतांत्रिक गणराज्य में पूर्वी तराई गोरिल्ला आबादी में बुशमीट शिकार के कारण 80% की कमी आई, लेकिन विरुंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास पर्वत गोरिल्ला की आबादी 2010 में 400 से बढ़कर 2018 में 600 से अधिक हो गई। फिर भी, व्यापक गिरावट ने प्रकृति के लिए बढ़े हुए समर्थन के लिए दलीलों को प्रेरित किया है। दिसंबर में, दुनिया भर के प्रतिनिधि दुनिया के पौधों और जानवरों की सुरक्षा के लिए एक नई वैश्विक रणनीति तैयार करने के लिए मार्ट्रियल में इकट्ठा होंगे। वैश्विक संरक्षण प्रयासों के लिए वित्त पोषण में वृद्धि की संभावना सबसे बड़ी मांगों में से एक है।

दुनियाभर में मंकीपॉक्स के मामले 70,000 के पार

डब्ल्यूएचओ ने सबसे मुश्किल समय के लिए किया आगाह

जिनेवा, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में मंकीपॉक्स के मामलों में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर मंकीपॉक्स से जुड़े मामलों की संख्या 70 हजार के पार पहुंच चुकी है। इसी के साथ डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी कि आने वाले समय में पूरी दुनिया को इस वायरस की वजह से मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए लोगों को इसके मामलों में गिरावट दिखने के बाद भी एहतियात बरतना बंद नहीं करना चाहिए। संगठन ने कहा कि पिछले हफ्ते जिन देशों में मंकीपॉक्स के केसों में बढ़ोतरी देखी गई, उनमें अमेरिकी महाद्वीप के कुछ देश शामिल है। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेडरोस अदनहोम गेब्रेहेसस ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर मंकीपॉक्स के केसों में भले ही कमी दर्ज की गई हो, लेकिन यह इस महामारी का सबसे खतरनाक समय हो सकता है। उन्होंने बताया कि जहां दुनियाभर में इस वक्त मंकीपॉक्स के मामले घट रहे हैं, वहीं 21 देश ऐसे हैं, जहां पिछले एक हफ्ते में मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। खासकर अमेरिकी महाद्वीप में स्थित देशों में। जहां दुनियाभर के कुल केसों में से 90 फीसदी मामले मिले हैं। गेब्रेहेसस ने कहा कि मंकीपॉक्स के मामलों में गिरावट का ही समय सबसे खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इस दौरान हम सोचते हैं कि संकट टल गया और हम एहतियात बरतना बंद कर देते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन टेस्टिंग क्षमता को बढ़ाने के साथ निगरानी व्यवस्था को भी बेहतर करने का काम कर रहा है। उन्होंने सूडान की इथियोपिया से लगती सीमा के पास रिफ्यूजी कैंप में मंकीपॉक्स से पैदा हो रही स्थिति पर चिंता जाहिर की। डब्ल्यूएचओ प्रमुख के मुताबिक, कोरोनावायरस की तरह ही मंकीपॉक्स भी अभी चिंता का विषय है और संगठन इससे निपटने के लिए लगातार पूरी दुनिया को आगाह कर रहा है।

दस लाख रुपये की फिरौती के लिए टैक्सी मालिक का किया अपहरण

मुरैना, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के चंबल इलाके में लूट, डकैती और अपहरण की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। ऐसा ही एक मामला और सामने आया। मुरैना जिले में दस लाख रुपये की फिरौती के लिए तीन बदमाशों ने पवन गोस्वामी का अपहरण कर लिया। इस बात की सूचना पुलिस को मिली तो जिले के सभी थानों को सक्रिय कर दिया गया। कोतवाली पुलिस गोस्वामी को मुक्त कराने के लिए जुटी है। पुलिस ने फिलहाल उसकी बोलेरो जीप को जब्त कर लिया है। जानकारी के मुताबिक कोतवाली पुलिस की टीम ने मंगलवार की रात आठ बजे बड़े गांव हाईवे के पास घेराबंदी कर पवन गोस्वामी की बोलेरो को टक्कर मारकर रुकवाया। फिर बदमाश उसका अपहरण कर ले गए। पुलिस ने नाकाबंदी कर दी तो बोलेरो को तो पकड़ लिया, लेकिन आरोपी बच निकले।

स्विट्जरलैंड में सार्वजनिक जगहों पर बुर्के को बैन करने की तैयारी

लगेगा 82 हजार रुपये का जुर्माना

स्विट्जरलैंड, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिजाब को लेकर दुनिया के कई देशों में विवाद हो रहा है। ईरान में जहां महिलाएं इसके खिलाफ आंदोलन कर रही हैं वहीं, स्विट्जरलैंड में सार्वजनिक जगहों पर हिजाब पहनने या चेहरा ढकने पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर 1000 फ्रैंक यानी 82 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। स्विस फेडरल काउंसिल ने संसद में एक मसौदा कानून का प्रस्ताव करने की घोषणा की है। अरब न्यूज इसकी जानकारी दी है। हालांकि, संसद को भेजे गए मसौदे में नाम से बुर्के का जिक्र नहीं है।

साथ ही कुछ छूट की भी बात कही गई है। संसद द्वारा मसौदा कानून को हरी झंडी मिलने के बाद यह बिल स्विट्जरलैंड में लागू होगा। स्पुतनिक ने बताया कि सरकार स्वास्थ्य कारणों, सुरक्षा मुद्दों, जलवायु परिस्थितियों, स्थानीय रीति-रिवाजों, कलात्मक उद्देश्यों और विज्ञापन के लिए चेहरे को ढंकने की अनुमति देगी। वहीं, राजनयिक और कांसुलर कार्यालयों, बोर्ड के विमानों, चर्चों और अन्य पूजा स्थलों के परिसरों में चेहरा ढकने पर प्रतिबंध लागू नहीं होगा।

आपको बता दें कि स्विट्जरलैंड में कुल आबादी का 5% मुस्लिम है, जिनमें से कई तुर्की और बाल्कन राज्यों से हैं। सार्वजनिक स्थानों पर फेस कवरिंग पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव को 2021 में एक जनमत संग्रह में मंजूरी दी गई थी। इससे पहले 7 मार्च 2021 को स्विट्जरलैंड ने सार्वजनिक स्थानों पर फेस कवरिंग पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव पर मतदान किया था।

चेहरे को ढंकने पर प्रतिबंध लगाने पर वोटिंग

स्विट्ज़रलैंड में चेहरे को ढंकने पर प्रतिबंध में घूंघट, बुर्का और नकाब शामिल थे। स्पुतनिक की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 51.21% मतदाताओं ने फेस कवरिंग पर प्रतिबंध का समर्थन किया। स्विस कैबिनेट ने 2022 में बुर्का कानून के उल्लंघन के लिए प्रस्तावित जुर्माने की राशि को 10,000 स्विस फ्रैंक से कम करने का निर्णय लिया। स्विस कैबिनेट द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि फेस कवरिंग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय सार्वजनिक सुरक्षा-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए लिया गया था। आपको यह भी बता दें कि यूरोप में डेनमार्क, ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड और बुल्गारिया ने सार्वजनिक रूप से चेहरा ढंकने पर आंशिक या पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

पन्ना में फिर चमकी दो मजदूरों की किस्मत, रास्ते पर मिले बेशकीमती हीरे, 18 अक्टूबर को होगी नीलामी

भोपाल, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में अक्सर लोगों की किस्मत चमक जाती है। यहां की रत्नगर्भा धरती लोगों पर काफी मेहरबान है। भगवान इतना मेहरबान रहता है कि लोगों को रास्ते चलते ही हीरे मिल रहे हैं। बुधवार को हीरा कार्यालय में ग्रामीणों द्वारा दो हीरे जमा किए गए हैं। एक हीरा छतरपुर जिले के पथरगुवां गांव के निवासी मजदूर को रास्ते में मिल गया तो दूसरे मजदूर को हीरापुर टपरियन में खदान से मिला है।दरअसल पन्ना की रुंझ नदी में अभी भी बड़ी संख्या में लोग हीरे की तलाश कर रहे हैं। और अब लोगों को रास्ते चलते ही हीरे मिल रहे हैं। बुधवार को पन्ना के हीरा कार्यालय में वृंदावन कुशवाहा निवासी पथरगुवां जिला छतरपुर मजदूर को रास्ते चलते 4.86 कैरेट को हीरा मिला। जिसके बाद उसने हीरे को कार्यालय में जमा कराया है। इसी कड़ी में पन्ना की हीरापुर टपरियन की खदान से 3.40 कैरेट बेश कीमती हीरा मिला है। इस हीरे को भी कार्यालय में जमा करवा दिया गया है। यह दोनों हीरे जैम क्वालिटी के हैं। जानकारी दी जा रहा है कि इन दोनों हीरों को भी आगामी नीलामी में रखा जाएगा। बताया जा रहा है कि जिसके खेत या अन्य जगह हीरा मिलता है तो सरकार उसे 12,50 प्रतिशत राशि देती है। लेकिन कोई दावा करता है कि खुदाई के दौरान मिला खजाना उसका है तो फिर मामला कोर्ट में जाता है। खुदाई के दौरान मिली चीजों के बारे में अगर कोई जानकारी छिपाता है तो वह कानूनी पचड़े में पड़ सकता है। जानकारी मिली है कि पन्ना जिले के उथली हीरा खदानों से प्राप्त हीरों की नीलामी आगामी 18 अक्टूबर 2022 से संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन पन्ना में शुरू होगी।

इससे पहले प्रतिदिन सुबह 9 बजे से 11 बजे तक हीरों का निरीक्षण किया जाएगा।

ठाणे के युवक को थाईलैंड की कंपनी ने बनाया बंधक

बड़े भाई ने पुलिस में की शिकायत

ठाणे, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एक युवक को थाईलैंड में नौकरी देने वाली कंपनी ने बंधक बना लिया है। युवक के बड़े भाई ने ठाणे पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि नियोक्ता कंपनी उसके अनुज को प्रताड़ित कर रही है और रिहाई के लिए 3000 डॉलर मांग रही है। पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया है कि 31 वर्षीय आशीष दुबे को एक माह से एक कंपनी ने थाईलैंड में बंधक बनाकर रखा है। आशीष 12 सितंबर को नौकरी के लिए थाईलैंड गया था। तब से उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है और लोगों से संपर्क कर उन्हें क्रिप्टोकरेंसी खरीदने के लिए राजी करने व कंपनी द्वारा दिए गए टारगेट को पूरा करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यहां तक कि उसे अपने परिवार से संपर्क करने की अनुमति भी नहीं दी जा रही है। ठाणे पुलिस ने बताया कि पीड़िता के बड़े भाई की शिकायत के आधार पर वागले एस्टेट डिवीजन के श्रीनगर पुलिस थाने में थाईलैंड के एक नागरिक के खिलाफ धोखाधड़ी और रंगदारी का मामला दर्ज किया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में भी इसकी शिकायत की है।

हर माह 1000 डॉलर वेतन का किया था वादा

शिकायतकर्ता ने कहा है कि उसका ठाणे के एक व्यक्ति से परिचय हुआ। उसने उसके भाई के लिए थाईलैंड में नौकरी के बारे में बताया। वह अपने भाई के लिए नौकरी की तलाश कर रहा था, इसलिए उसे यह प्रस्ताव अच्छा लगा। उसके भाई को थाईलैंड की एक कंपनी में 1000 डॉलर प्रति माह के वेतन का प्रस्ताव दिया गया। इसके बाद आशीष का साक्षात्कार लिया गया और कंपनी ने उसे डिजिटल मार्केटिंग की नौकरी के लिए चुना तथा पीड़ित को वीजा, फ्लाइट का टिकट भेजा। आशीष को मुंबई के एक व्यक्ति और चीन के एक अन्य व्यक्ति के साथ नौकरी मिली।

12 सितंबर को गया था थाईलैंड

पुलिस के अनुसार आशीष ने 12 सितंबर को थाईलैंड के लिए उड़ान भरी। वहां उसे एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। इसके बाद उसे वादे के मुताबिक डिजिटल मार्केटिंग का काम भी नहीं दिया गया।

फर्जी कॉल सेंटर चलाती है कंपनी

पीड़ित आशीष को एक फर्जी कॉल सेंटर में नौकरी दी गई। वहां पीड़ित को महिलाओं के नाम पर फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाने के लिए कहा गया था। शिकायत में कहा गया है कि कंपनी ने उनसे लोगों को क्रिप्टोकरंसी खरीदने के लिए राजी करने और फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल का इस्तेमाल करके उन्हें धोखा देने के लिए कहा। पीड़ित को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया और कंपनी द्वारा दिए गए लक्ष्य को पूरा करने के लिए मजबूर किया गया। वह किसी तरह परिवार से संपर्क करने में कामयाब रहा, जब उसने आपबीती सुनाई और कहा कि कंपनी पीड़ित की रिहाई के लिए 3,000 अमरीकी डॉलर मांग रही है। पुलिस ने शिकायत की जांच शुरू कर दी है।

दिवाली पर न्यूयॉर्क की गवर्नर का बयान सुन आप भी करेंगे तारीफ

न्यूयॉर्क, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य की गवर्नर कैथी होचुल ने दिवाली को लेकर जो बात कही है उसे जानकर आपभी उनकी तारीफ करेंगे। उन्होंने दिवाली के संदेश को आज के समय के लिए बड़ी सीख बताई है। उन्होंने कहा कि आज के विभाजन और ध्रुवीकरण के समय में अंधेरे पर प्रकाश और संघर्ष पर शांति की जीत का संदेश लोगों को याद दिलाता है कि एकता ही वास्तव में आगे बढ़ने का रास्ता है। होचुल ने मंगलवार को न्यूयॉर्क में दिवाली समारोह की मेजबानी करते हुए कहा कि दिवाली ने एकता, प्रकाश और समृद्धि के संदेश को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि विविधता वास्तव में हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए मैं हमारे दक्षिण-एशियाई, इंडो-कैरेबियन समुदायों, हमारे हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध न्यू यॉर्कर के साथ जश्न मना रही हूं। होचुल ने कहा कि यह समय हम सभी के एक साथ आने का है।

दिवाली का उत्सव हमें एकता की याद दिलाता हैः कैथी होचुल

उन्होंने कहा कि आज हम देखते हैं कि हमारे समाज में, हमारे देश में क्या हो रहा है - कैसे बहुत लोग ध्रुवीकरण और विभाजन का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह इस तरह से नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिवाली का उत्सव हमें याद दिलाता है कि एकता ही वास्तव में आगे बढ़ने का रास्ता है और इसी तरह हम एक साथ काम करके अपने राज्य और अपने देश को एक बेहतर जगह पर ले जा सकते हैं।

मोकामा में बाहुबली की पत्नियों में टक्कर

गोपालगंज में त्रिकोणीय मुकाबला : भाजपा को मिलेगी जनता की सहानुभूति या जातीय समीकरण साध पाएगी महागठबंधन

पटना, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की दो विधानसभा सीटों मोकामा और गोपालगंज पर महागठबंधन और भाजपा की ओर से उम्मीदवारों के नामों की घोषणा होने के बाद मुकाबला दिलचस्प हो गया है। मोकामा में महागठबधंन ने भूमिहार जाति से आने वाले बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी को टिकट दिया है। इनसे मुकाबला के लिए बीजेपी ने भूमिहार जाति से ही आने वाले नलिनी रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की पत्नी सोनम देवी को जदयू से भाजपा में शामिल कराकर टिकट दिया है। भाजपा वहां बाहुबल का जवाब बाहुबल से देना चाहती है। मोकामा की जातीय संरचना ऐसी है कि महागठबंधन और भाजपा दोनों को भूमिहार उम्मीदवार ही उतारना पड़ा। यहां दो महाबली की पत्नियों की लड़ाई है।

गोपालगंज में साधु यादव की पत्नी के मैदान में आने के बाद मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। यहां अब टक्कर सिर्फ बीजेपी और महागठबंधन में नहीं है। साधु यादव की पत्नी इंदिरा यादव बसपा के टिकट से चुनाव लड़ रहीं हैं।

भूमिहार के बाद ही अन्य कोई जाति

मोकामा के इलाके में भूमिहार वोट बैंक का वर्चस्व है। भूमिहार के बाद ही अन्य दूसरी जातियां ताकत रखती हैं। भूमिहार के बाद ब्राह्मण, कुर्मी, यादव और पासवान वोटर्स हैं। लेकिन सवर्ण वोटर्स यानी भूमिहार, ब्राह्मण और राजपूत जिसको वोट करेंगे उनकी जीत पक्की होगी। अनंत सिंह की छवि वहां रॉबिनहुड जैसी है। इसलिए अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी को हराना आसान बात नहीं।

क्षत्रिय कुसुम देवी से कलवार जाति के मोहन गुप्ता की लड़ाई

गोपालगंज सीट पर सहानुभूति वोट बैंक का असर होगा या फिर जाति से जुड़ी सोशल इंजीनियरिंग के फॉर्मूला का यह सवाल है। भाजपा ने दिवंगत सुभाष सिंह की

पत्नी कुसुम देवी को टिकट दिया है। जबकि महागठबंधन की ओर से राजद नेता मोहन गुप्ता मैदान में उतारे गए हैं। तारापुर उपचुनाव की तरह राजद ने यहां वैश्य वोट बैंक पर भरोसा दिखाया है, तारापुर में जदयू से कोयरी जाति के राजीव कुमार सिंह लड़े थे।

गोपालगंज में स्व. सुभाष सिंह की पत्नी भाजपा उम्मीदवार कुसुम देवी क्षत्रिय हैं तो राजद के मोहन गुप्ता कलवार जाति से आते हैं। कलवार जाति की संख्या यहां काफी है। सुभाष सिंह गोपालगंज से चार बार विधायक रहे। सुभाष सिंह के निधन के बाद कुसुम देवी को टिकट देने का मतलब ही है कि वहां सहानुभूति वोट का फायदा उठाया जाए।

आम तौर पर उपचुनावों में सहानुभूति वोट का असर दिखने का ट्रेंड रहा है जिसमें जिनके निधन से सीट खाली होती है उनके परिजन ही चुनाव जीतते हैं।

उम्मीदवार को देख भाजपा का मोह छोड़ वैश्य एकजुट हो सकते हैं

इससे अलग महागठबंधन भाजपा के परंपरागत वोट बैंक पर सेंधमारी करते हुए वैश्य वोटर्स के सहारे पार उतरना चाहती है। यहां पहली बार वैश्य जाति से 1977 में राधिका देवी चुनाव लड़ी थीं और जीती थीं। इसके बाद जनता दल से 1995 में रामावतार प्रसाद की जीत हुई थी। रामावतार प्रसाद के बाद वहां से कोई दूसरा वैश्य चुनाव नहीं जीत पाया। यहां इस बार राजद के मोहन प्रसाद के उतरने से उन्हें राजद का तो वोट मिलेगा ही साथ ही जदयू, हम और लेफ्ट पार्टियों से जुड़े वोट भी मिलेंगे। मोहन प्रसाद को राजद के माई समीकरण का फायदा मिलेगा। वैश्यों के बीच यह बात है कि काफी दिनों बाद एक वैश्य नेता के साथ इतनी पार्टियां (महागठबंधन) हैं इसलिए वैश्य एकजुटता दिखाई जाए। नीतीश कुमार के कार्यों से प्रभावित अतिपिछड़ा और पिछड़ा वोट बैंक भी जुड़ेगा।

साधु यादव की पत्नी मैदान में, इससे भाजपा और राजद दोनों को दिक्कत

लालू प्रसाद के साला साधु यादव ने गोपालगंज मुकाबले को त्रिकोणीय कर दिया है। उन्होंने अपनी पत्नी इंदिरा यादव को मैदान में उतार दिया है। वे बसपा से उम्मीदवार हैं। इसलिए इसकी चर्चा जोरों पर है कि कहीं इंदिरा यादव और मोहन प्रसाद की लड़ाई में भाजपा की कुसुम देवी चुनाव न जीत जाए।

महागठबंधन से किसी मुसलमान को टिकट नहीं मिलने से मुसलमानों में रोष है। बता दें कि 2020 के विधान सभा चुनाव मे भाजपा के सुभाष सिंह जीते थे तो दूसरे स्थान पर साधु यादव रहे थे। कांग्रेस के आशिक गफूर तीसरे स्थान पर थे। हाल के कई उपचुनावों की तरह एक बार फिर कांग्रेस से यह सीट महागठबंधन में छिन गई। यहां 1995 में लालू प्रसाद के साले साधु यादव विधायक बने थे।

जदयू ने भाजपा पर लगाया आरक्षण विरोधी एजेंडा चलाने का आरोप

संजय जायसवाल ने पलटवार में किया बड़ा एलान

पटना, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में भाजपा का साथ छोड़कर राजद के साथ सरकार बनाने के बाद से भाजपा और जदयू के नेताओं में सियासी बयानबाजी थम नहीं रही है। गाहे-बगाहे इस जुबानी जंग में राजद भी शामिल हो जाती है। वहीं, गुरुवार को एक बार फिर नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड ने अपनी पूर्व सहयोगी भाजपा पर पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण खत्म करने के एजेंडे पर काम करने का आरोप लगाया। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि पटना उच्च न्यायालय द्वारा हाल ही में दिया गया शहरी निकाय चुनावों को लेकर आदेश, एक साजिश का परिणाम था। बता दें कि हाल ही में पटना उच्च न्यायालय ने राज्य में शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी, ईबीसी के लिए आरक्षण को अवैध घोषित किया गया था।

गौरतलब है कि सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यू) राज्य भर में विरोध प्रदर्शन कर रही है। इन प्रदर्शनों को जदयू ने आरक्षण विरोधी भजपा का पोल खोल (आरक्षण विरोधी भाजपा को उजागर करना) नाम दिया है। जदयू के इसी अभियान के क्रम में पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान के पास हो रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान ललन सिंह ने ये लगाए। उन्होंने संघ प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि मोहन भागवत ने 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कहा था कि आरक्षण प्रणाली की समीक्षा की आवश्यकता है, तो हम आशंकित थे, लेकिन पिछले कुछ सालों में भाजपा का आरक्षण को खत्म करने का एजेंडा और ज्यादा साफ हो गया है।

अफगानिस्तान में अब सिर्फ 20 सिख-हिंदू

हमारा वहां कोई नहीं बचा, महिलाएं बाहर नहीं जा पातीं, ऐसे मुल्क में रहकर क्या करते

काबुल, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। 'मेरा नाम है सुखबीर सिंह खालसा, उम्र 35 साल। मैं अफगानिस्तान की राजधानी काबुल का रहने वाला हूं। 'हूं' कि जगह 'था' कहना ठीक होगा। इस बात की बहुत कम उम्मीद है कि हम फिर से अफगानिस्तान अपने घर वापस जाएंगे। हम कई पीढ़ियों से वहां के बाशिंदे थे। 10 साल पहले काबुल से करीब 150 किमी दूर गजनी में रहते थे। जंग की वजह से हालात खराब होने लगे, तो काबुल चले आए।'

सुखबीर सिंह खालसा उन 55 अफगान सिख-हिंदुओं में हैं, जो 25 सितंबर को अफगानिस्तान से दिल्ली आए थे। 2020 में अफगानिस्तान में करीब 700 हिंदू और सिख रहते थे, लेकिन आज वहां सिर्फ 20-22 हिंदू-सिख ही बचे हैं। 30 साल पहले 1992 में गृह युद्ध छिड़ने से पहले उनकी आबादी 2 लाख से ज्यादा थी। 15 अगस्त 2021 को अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद ज्यादातर अफगान हिंदू-सिख भारत आ गए। हाल में जो सिख भारत आए हैं, वे तालिबान के राज में एक साल बिता चुके थे। हमने उनमें से कुछ लोगों से बात की और उनके अनुभव जाने। फिर से सुखबीर के पास लौटते हैं। सुखबीर का काबुल के बाजार में जड़ी-बूटी का कारोबार था। आमदनी लाखों में थी। भारत आए तो सदियों की जमी-जमाई दुकान और बसा-बसाया घर, सब एक झटके में पीछे छूट गया।

अफगानिस्तान में दिन कैसे बीतता था?

हम घुटन में जी रहे थे, हर दिन की शुरुआत बम ब्लास्ट के साथ होती थी। रोज खून-खराबा चल रहा था। 2018 के जलालाबाद के बम ब्लास्ट में हमारे परिवार के कई लोगों की मौत हो गई। 2020 में गुरु राय साहब काबुल गुरुद्वारे में भी कई लोगों की जानें चली गईं।

पिछले कुछ साल से अफगानिस्तान में हिंदुओं और सिखों को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा था। कौन हमला करता था? किसकी वजह से होता था? कुछ पता नहीं चलता था।

बच्चों-महिलाओं के क्या हालात थे?

हम अपने बच्चों को बाहर के स्कूलों में पढ़ने के लिए नहीं भेज सकते थे। हमने गुरुद्वारे में ही छोटा सा स्कूल खोला हुआ था। वहीं बच्चों को पंजाबी पढ़ाते थे। पहले हमारे बच्चे स्कूल जाते थे। वहां दूसरे बच्चे उन्हें काफिर कहते थे।

कई बार स्कूल में मेरे बेटे की पगड़ी के साथ छेड़छाड़ की गई। हमने बच्चों को भेजना बंद कर दिया और गुरुद्वारों में पढ़ाया। महिलाएं बाहर नहीं निकल सकती थीं, बाजार जाना तो बहुत दूर की बात। अगर थोड़ा-बहुत आस-पड़ोस में भी जाना होता, तो हिजाब पहनना पड़ता था, तभी बाहर निकल सकते थे।

क्या अफगानिस्तान के मुस्लिम अल्पसंख्यकों से नफरत करते हैं?

हर मुस्लिम को गलत कहना सही नहीं है, क्योंकि पिछले 25 साल से वहां लड़ाई जारी है। मेरी दुकान में कुछ मुस्लिम भी काम किया करते थे। वे लोग रो रहे थे। वे नहीं चाहते थे कि हम अफगानिस्तान छोड़कर जाएं। अफगानिस्तान से निकलने से 5-6 दिन पहले मैं मार्केट गया था। वहां एक महिला अपने पति के साथ थी। महिला ने पति से जो कहा मैंने खुद सुना। उसने कहा, 'सरदार लोग अफगानिस्तान से कभी नहीं भागे, अच्छा हो कि खुदा उनको इंडिया ना ले जाए। ये हमारे मुल्क के गुल हैं।'

लेकिन अफगानिस्तान से हमारे समुदाय के ज्यादातर लोग लौट चुके हैं। हम वहां रहकर क्या करते, हमारे साथ बैठने, आने-जाने वाला कोई नहीं बचा था।

कोई ऐसा वाकया, जो भूल न पाए हों?

एक वाकया है। 2020 में गुरु राय साहब गुरुद्वारे में आतंकी हमला हुआ। मेरी आंखों के

सामने फायरिंग हो रही थी, एक के बाद एक धमाके हो रहे थे। इस हमले में 25 लोग मारे गए। कर्त-ए-परवान गुरुद्वारे के पास गाड़ी खड़ी थी। मैं उसी गाड़ी के पास था। हम वहां से थोड़ी ही दूर गए थे कि उस गाड़ी में ब्लास्ट हो गया। इंडिया में लोग पटाखे फोड़कर रोमांचित हो जाते हैं, हम तो बड़े-बड़े धमाके अपनी आंखों से देखकर आए हैं।

तालिबान आने के बाद क्या बदला?

जब अशरफ गनी का राज था और अमेरिका का कंट्रोल था, तब अगर कोई वीआईपी मूवमेंट होता था, तो सड़कों पर कर्फ्यू लगा दिया जाता था। उस दौरान बहुत ज्यादा सख्ती होती थी। तालिबान के राज में ये सख्ती बंद हो गई है। तालिबान की नजर में सभी एक जैसे हैं। पहले लोग अपने घरों के सामने ब्लास्ट से बचने के लिए पत्थर का कवर लगवाते थे, लेकिन अब सब कुछ हटा दिया गया।

तालिबान के राज में चोरी और रिश्वत बंद हो गई है। पहले की सरकार से कोई नहीं डरता था, लेकिन तालिबान की हुकूमत से सभी डरते हैं। चोरी करने पर हाथ काट देते हैं, महिलाओं को बुरी नजर से देखने पर जेल जाना होता है। तालिबान का राज शरीयत से चल रहा है।

मनसा सिंह की कहानी भी सुखबीर जैसी

38 साल के मनसा सिंह का अफगानिस्तान में मसालों का थोक कारोबार था। अब वे 6 लोगों के परिवार के साथ भारत में शरणार्थी बन गए हैं। मनसा की कहानी सुखबीर जैसी ही है। इतना सब कुछ झेलने के बाद भी अभी इन लोगों की उम्मीद ने दम नहीं तोड़ा है। अफगानिस्तान में बसी-बसाई जिंदगी पीछे छोड़ने के बाद आगे भी इनके सपने हैं।

भारत आकर सबसे पहले क्या करना चाहते हैं?

मेरी 13 साल की बेटी मनमीत कौर अफगानिस्तान में रहते हुए पढ़ना चाहती थी। वहां 6 साल की उम्र के बाद लड़कियों को बाहर नहीं निकलने दिया जाता था। इसलिए बेटी घर में ही रहती थी। थोड़ी बहुत पढ़ाई गुरुद्वारे में होती थी। अब हम भारत आए हैं। भारत सरकार का शुक्रिया, जिन्होंने हमें ई-वीजा दिया।

तिलक नगर के गुरुद्वारे में हमारा गुजर-बसर हो रहा है। यहां सिख समुदाय के लोग हमारी मदद कर रहे हैं। अब हमें फिर से शून्य से जिंदगी शुरू करनी है।

पहले वाली तालिबान हुकूमत और इस बार में क्या फर्क है?

पहली बार जब तालिबान की हुकूमत आई थी, तो ज्यादती ज्यादा थी। सड़कों पर तालिबानी कैडर किसी को भी मार देते थे। महिलाओं पर जुल्म होता था। पिछले एक साल में तालिबान का जो चेहरा दिखा है, वह काफी बदला हुआ है। प्रशासन चुस्त हुआ है। लोग भी तालिबान प्रशासन की सुनते हैं। सरकार को लेकर लोगों में खौफ है।

क्या तालिबान राज में धर्म बदलने का दबाव बनाया गया?

कभी तालिबान ने सीधे तौर पर ये नहीं कहा कि मुसलमान बन जाओ। कोई जोर-जबरदस्ती नहीं हुई। आतंकी घटनाओं की वजह से खौफ का इतना माहौल तैयार हो चुका था कि अफगानिस्तान छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं दिख रहा था।

मेरा बेटा एक प्राइवेट स्कूल में जाया करता था। अपनी पूरी क्लास में वह अकेला सिख लड़का था। उसे मुस्लिम बच्चे काफिर-काफिर कहकर धमकाते थे। बेटे के जूड़े का मजाक बनाते और छेड़छाड़ करते थे।

भारत ने हाथों-हाथ वीजा दिया, चार्टर्ड प्लेन मुहैया कराए

छबोल सिंह 2020 में अफगानिस्तान छोड़कर भारत आए थे। तभी से वे दिल्ली के तिलक नगर में रहते हैं। अफगानिस्तान में बचे हुए सिखों को भारत लाने में जुटे छबोल सिंह बताते हैं कि 2018 में जलालाबाद में हुए हमले के वक्त करीब 700 हिंदू-सिख अफगानिस्तान में रहते थे। अब हमारे सिर्फ 20 लोग रह गए हैं। इनमें 14 सिख और 6 हिंदू हैं। हिंदू और सिखों के हालात अशरफ गनी सरकार में भी अच्छे नहीं थे।

1996 में देश में तालिबान की हुकूमत थी। तब ऐलान होता था कि महिलाएं घर से न निकलें। अब वैसा ऐलान तो नहीं होता, लेकिन खौफ इतना है कि कोई बाहर नहीं जाता। सिर्फ मर्द बाजार जाते हैं। महिलाएं घरों में दुबककर रहने के लिए मजबूर हैं। अफगानिस्तान से सिखों और हिंदुओं को भारत लाने के लिए सरकार ने हाथों-हाथ वीजा दिया, चार्टर्ड प्लेन मुहैया कराए। अब तक हम करीब 450 लोगों को अफगानिस्तान से भारत ला चुके हैं।

भारत नहीं, दूसरे देशों में बसना चाहते हैं अफगान सिख

छबोल सिंह बताते हैं कि अफगानिस्तान से आए सिख समुदाय के लोग भारत में अस्थायी वीजा पर रह रहे हैं। ज्यादातर लोगों की किसी दूसरे देश में बसने की प्लानिंग है। कनाडा ने कई लोगों को मदद का भरोसा दिया है।

अभी जो सिख लौटकर आए हैं, वे वेट एंड वॉच की स्थिति में है। उनकी पहली प्राथमिकता ये है कि अगर अफगानिस्तान के हालात ठीक होते हैं, तो लौटकर फिर वहीं बसा जाए। अगर ऐसी कोई सूरत नहीं दिखती, तो कनाडा जैसे किसी देश में बसने के बारे में सोचेंगे।

पिता ने अपनी दो बेटियों से किया दुष्कर्म

बच्चियों को छोड़कर चली गई मां, अकेली पाकर करता था गंदी हरकत, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को बताई आपबीती

बिलासपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में दो मासूम बच्चियों के साथ उनके पिता के यौन शोषण करने का मामला सामने आया है। दरअसल, मासूम बच्चियों को उसकी मां छोड़कर चली गई, तब वे अपने पिता के साथ अकेली रहती थीं। पूरा मामला उस उजागर हुआ, जब बच्चियों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को आप बीती बताईं।

बच्चियों की बात सुनकर उन्होंने चाइल्ड वेलफेयर कमेटी को जानकारी दी। इसके बाद उनका रेस्क्यू किया गया। अब आरोप है कि पुलिस 10 दिन से इस केस को दबाने का प्रयास कर रही है और दोषी पिता के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। इस केस में एफआईआर की मांग को लेकर गुरु घासीदास सेवादार संघ (जीएसएस) ने पुलिस के खिलाफ उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है। मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र का है।

चकरभाटा थाना क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने इस पूरे केस को उजागर किया है। उन्होंने 30 सितंबर को महिला एवं बाल विकास विभाग की चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) को इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि 4 और 6 साल

की दो बहनें आंगनबाड़ी केंद्र में गुमसुम रहती थीं। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उनकी मां नहीं है और दोनों अपने पिता के साथ रहती हैं। बच्चियों ने जब बातचीत बढ़ी तो दोनों ने पिता की गंदी हरकत के बारे में जानकारी दी। मामला सामने आने पर सीडब्ल्यूसी ने बच्चियों से पूछताछ की, तब उन्होंने घटना के बारे में बताया।

10 दिन बाद भी पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

मासूम बच्चियों के साथ यौन शोषण के इस केस में चकरभाठा पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। 10 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस की ओर से कार्रवाई नहीं करने पर सामाजिक संगठन के पदाधिकारी पुलिस पर मामले को दबाने का आरोप लगा रहे हैं। वहीं, चकरभाठा टीआई मनोज नायक का कहना है कि प्रारंभिक जांच व पूछताछ में पता चला है कि बच्चियों के पिता मानसिक रोगी है। सीडब्ल्यूसी ने बच्चियों का मेडिकल जांच कराया है, जिसमें रेप जैसी घटना सामने नहीं आई है। पुलिस अब सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करेगी।

सराहना के बजाए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को मिल रही धमकियां

गुरु घासीदास सेवादार संघ की विधिक सलाहकार अधिवक्ता प्रियंका शुक्ला ने बताया कि इस केस को उजागर करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को गांव वाले मिलकर डरा-धमका रहे हैं। बच्चियों को भड़काने का आरोप लगाकर उन्हें परेशान किया जा रहा है। उन्होंने इसकी शिकायत थाने में भी की है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि बच्चियों को शोषण से बचाने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की सराहना होनी चाहिए या डराना चाहिए। उन्होंने पुलिस को उन्हें सुरक्षा देते हुए धमकाने वालों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने किया था पूरे मामले का खुलासा

जानकारी के मुताबिक इस पूरे मामले को सामने लाने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रियंका सिंह को डराया जा रहा है, जबकि इन्हें सराहना मिलनी चाहिए थी। अब जब पूरा मामला सामने आया है तो खानापूर्ति कर मामले को रफा-दफा करने का प्रयास चल रहा है।

गुरु घासीदास सेवादार संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

गुरु घासीदास सेवादार संघ की विधिक सलाहकार प्रियंका शुक्ला ने बताया कि 11 अक्टूबर को संगठन के पदाधिकारी गांव भी गई थी। उन्होंने इस घटना की जानकारी जुटाई, जिसके बाद सच्चाई सामने आने पर संघ ने दो दिन के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान की भवरी देवी केस के बाद सुप्रीम कोर्ट ने विशाखा कमेटी की गाइडलाइन जारी किया है। इसके आधार पर उन्होंने कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने चकरभाठा टीआई मनोज नायक और पुलिस अफसरों पर इस गंभीर केस को दबाने का आरोप भी लगाया है।

डेस्टिनेशन वेडिंग में राजस्थान और गोवा से टकराने को तैयार यूपी टूरिज्म

वैवाहिक पर्यटन पर गंभीर है योगी सरकार

लखनऊ, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी सरकार डेस्टिनेशन वेडिंग के सेक्टर में राजस्थान और गोवा को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में है। उत्तर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभाग ने नई टूरिज्म पॉलिसी तैयार की है जिसमें प्रदेश को वैवाहिक पर्यटन के डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की योजना है यानि प्रदेश के टूरिस्ट डेस्टिनेशन अब शादी को भी यादगार बनाएंगे। देसी और विदेशी जोड़ों के विवाह को यादगार बनाने के लिए होटल, किलों और पर्यटक स्थलों को डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए विकसित किया जाएगा। इसके लिए वेडिंग प्लानरों और इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों की मदद ली जाएगी।

प्रदेश में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए सीएम योगी ने विभाग को आकर्षक टूरिज्म पॉलिसी बनाने के निर्देश दिए थे। भारतीय सभ्यता के कायल विदेशी मेहमानों के लिए वैवाहिक डेस्टीनेशन भी विकसित करने को कहा था। विभाग द्वारा तैयार किए गए पर्यटन नीति-2022 के प्रारूप

में प्रदेश को वन ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने पर फोकस करते हुए कई नए क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है।

वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए जगह को किया जा रहा चिह्नित

हर साल बड़े पैमाने पर विदेशी मेहमान शादी के लिए भारत आते हैं। वाराणसी और आगरा में तमाम विदेशी जोड़े भारतीय रीति-रिवाज के अनुसार शादी के पवित्र बंधन में बंधते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग ने खाका तैयार किया है। सीएम की हरी झंडी मिलते ही इस पर काम शुरू हो जाएगा।

वेडिंग प्लानरों और इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों की मदद से वाराणसी, आगरा, मथुरा-वृंदावन, चुनार, वॉटर फॉल आदि को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। यही नहीं प्री वेडिंग के लिए कपल्स को प्री शूट की सुविधा दी जाएगी। प्रदेश में कई ऐसी ऐतिहासिक विरासत हैं जो वन विभाग के अधीन आती हैं। इन जगहों को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए वन विभाग की भी मदद ली जाएगी।

जहां पर सबसे ज्यादा विदेशी मेहमान शादी के बंधन में बंधने के लिए आते हैं, उन जगहों को और आकर्षक बनाने के लिए इवेंट कंपनी से सुझाव मांगे जाएंगे। वेडिंग डेस्टीनेशनों को सूचीबद्ध करके इनका ऑनलाइन प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। पर्यटन विभाग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी इसे प्रमोट करेगा।

प्रमुख सचिव पर्यटन, मुकेश मेश्राम ने कहा कि पूरे देश में यूपी विदेशी जोड़ों के लिए राजसी ठाठ-बाट और सांस्कृतिक विरासत के अनुसार विवाह के लिए सबसे मुफीद है। ऐसे में प्रदेश के विभिन्न शहरों में वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए जगहों को चिह्नित किया जा रहा है। इसके प्रचार-प्रसार के लिए वेडिंग प्लानरों और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की मदद ली जाएगी।

'राजस्थान में भी आप का दिल्ली मॉडल, स्कूल-बिजली होंगे फ्री'

200 सीटों पर लड़ेगी आप पार्टी; केजरीवाल ने मूड भांपने भेजे विधायक

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। अगले साल होने वाले राजस्थान विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी भी तैयारियों में जुट गई है। पार्टी नेताओं के लगातार हो रहे जयपुर दौरे और नए सदस्यों को जोड़ने के लिए चला अभियान इस बात के संकेत दे रहा है।

आप विधायक शिवचरण गोयल ने बताया कि पार्टी राजस्थान में अरविंद केजरीवाल दिल्ली जैसा लाभार्थी मॉडल लागू करेंगे। इस मॉडल के तहत बिजली-स्कूल जैसे सर्विसेज फ्री होंगी। गुजरात चुनाव निपटते ही पार्टी का पूरा फोकस राजस्थान पर होगा

गोयल ने कहा कि राज्य की सभी 200 सीटों पर उम्मीदवार उतारे जाएंगे। 2023 के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी के लिए दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल सबसे बड़े स्टार प्रचारक होंगे। साथ में पंजाब सीएम भगवंत मान भी यहां चुनावी सभाएं करेंगे। जल्द ही

जयपुर में केजरीवाल बड़ी सभा कर चुनावी अभियान का आगाज करेंगे।

सूत्रों के अनुसार केजरीवाल ने पूरे राजस्थान में आम आदमी पार्टी की हवा का जायजा लेने अपने कुछ करीबी और विश्वसनीय विधायकों को राजस्थान भेजा है। इनमें दिल्ली की मोती नगर विधानसभा सीट से आप विधायक शिवचरण गोयल भी हैं।

राजस्थान से ही होगा सीएम फेस

राजस्थान में सीएम फेस प्रदेश का ही होगा। पार्टी ने प्रदेश में संगठन का स्ट्रक्चर बनाने का काम तेज कर दिया है। साथ ही मेंबरशिप ड्राइव तेजी से बढ़ाने के लिए फोन पर मिस्ड कॉल से सदस्य भी बनाए जा रहे हैं। पंजाब की तरह राजस्थान में भी चुनाव से पहले बड़ा सर्वे करवाया जाएगा।

जिन कैंडिडेट के जीतने के अच्छे चांस होंगे और अच्छी छवि होगी, उन्हें चुनाव लड़ाया जाएगा। उम्मीदवार जनता की पसंद के ही होंगे। पहले एक बेसिक सर्वे होगा। फिर चुनाव के नजदीक कैंडिडेट्स का सर्वे होगा।

राजस्थान में 'भारत जोड़ो यात्रा', कितनी असरदार

गहलोत, वसुंधरा भी आजमा चुके हैं फॉर्मूला; प्रदेश में सियासी यात्राओं का माहौल गरमाया

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में चुनाव अभी 13 महीने दूर हैं, लेकिन राजनीतिक और चुनावी यात्राओं का माहौल अभी से गर्मा चुका है। देश के अन्य हिस्सों की तरह ही राजस्थान के लोगों में भी राजनीतिक और धार्मिक यात्राओं के प्रति एक अलग ही किस्म का आकर्षण रहा है। यही कारण है कि राजस्थान में राजनेता लंबी-लंबी दूरियों की पैदल यात्राएं भी खूब करते हैं और लोग उन्हें पसंद भी करते हैं।

पूर्व में राजस्थान में मोहन लाल सुखाड़िया से लेकर भैरों सिंह शेखावत ने भी विभिन्न अवसरों पर छोटी-बड़ी कई यात्राएं निकाली थीं। उनके बाद हाल के दो दशक में वसुंधरा राजे की यात्राएं खासी चर्चा में रही हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट और किरोड़ी लाल मीणा ने भी कुछ अवसरों पर यात्राएं निकाल कर ज्वलंत मुद्दों को उठाया है।

राजस्थान में इन दिनों कांग्रेसजन राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

यह यात्रा दिसंबर के पहले सप्ताह में राजस्थान में प्रवेश करेगी। यह झालावाड़ से प्रवेश करके सवाईमाधोपुर, अलवर होते हुए दिल्ली की तरफ जाएगी।

कांग्रेस का मानना है कि राहुल गांधी की इस यात्रा से अगले चुनाव में कांग्रेस के प्रति सकारात्मक माहौल बनेगा। कांग्रेस के विधानसभा में उप मुख्य सचेतक महेन्द्र चौधरी ने भास्कर को बताया कि पार्टी इस यात्रा की पूरी तैयारी कर रही है।

राजस्थान की सभी 200 सीटों पर यह यात्रा सीधा प्रभाव डालेगी, लेकिन पूर्वी राजस्थान की लगभग 60 सीटों पर इसका खास असर होगा, क्योंकि राहुल गांधी समेत कांग्रेस के सभी बड़े नेता इस बीच इस इलाके में होंगे।

कांग्रेस इस दौरान ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) पर भी भाजपा को घेरेगी। यह मुद्दा पहले से ही कांग्रेस और भाजपा के बीच गर्माया हुआ है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा देश भर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की चर्चा हो रही है। यह यात्रा केरल से शुरू हुई है, जहां से वे सांसद हैं। यह यात्रा कश्मीर तक का सफर पूरा करेगी। इस बीच यह यात्रा तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा से पंजाब से गुजरेगी। दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में यह यात्रा राजस्थान पहुंचेगी।

हाल ही भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया की रामदेवरा धाम की एकल यात्रा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की हाल ही बीकानेर संभाग में हुई देव दर्शन यात्रा की खूब चर्चाएं हुई हैं। राजे को जब वर्ष 2002 में पहली बार भाजपा का प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया था तब उनके सामने प्रचंड बहुमत वाली कांग्रेस सरकार और दिग्गज राजनेता अशोक गहलोत बतौर मुख्यमंत्री टक्कर में थे। भाजपा विपक्ष में थी और कांग्रेस सत्तासीन जिसकी राज्य में 153 सीटें थीं।

तब वसुंधरा ने वर्ष भर राजस्थान के कोने-कोने की यात्रा की थी और उसे नाम दिया था परिवर्तन यात्रा।

यह यात्रा बेहद सफल रही और वर्ष 2003 के दिसम्बर में जब चुनाव हुए तो भाजपा अपने इतिहास में पहली बार राजस्थान में 120 सीटें जीतने में कामयाब हुई थी। वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री बनीं और गहलोत सरकार केवल 56 सीटों पर सिमट गई थी।

राजस्थान सरकार का कोल इंडिया के साथ एमओयू

सीएम गहलोत और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी रहे मौजूद

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान सौर ऊर्जा को लेकर हर रोज नई उड़ान भरने की तैयारी कर रहा है। इसी क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम ने महत्वपूर्ण एमओयू साइन किए। सीएम अशोक गहलोत और केन्द्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी की मौजूदगी में आज 1190 मेगावाट क्षमता की सोलर परियोजना स्थापित करने के लिए राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम और कोल इंडिया लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ। निगम का पूगल, बीकानेर में 2000 मेगावाट का सोलर पार्क बनेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी और ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी मौजूद रहे। सरकार ने पूगल तहसील, बीकानेर में 4846 हेक्टेयर भूमि आवंटित की है और इस पार्क में 810 मेगावाट क्षमता की सोलर परियोजना स्वयं उत्पादन निगम कीओर से स्थापित की जाएगी और 1190 मेगावाट क्षमता का प्रोजेक्ट कोल इंडिया लिमिटेड की ओर से स्थापित की जाएगी। इससे राज्य के

विद्युत क्षेत्र का विकास होगा और आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जा सकेगी।

सौर ऊर्जा को लेकर अपार संभावना

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान में सौर ऊर्जा को लेकर अपार संभावना है। यही वजह कि 7 और 8 अक्टूबर को राजस्थान निवेश में सम्मेलन में सबसे ज्यादा समझौता-पत्र सौर ऊर्जा को लेकर किए गए हैं। इसमें अडाणी ग्रुप से लेकर टाटा जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कोयले का भविष्य अभी 50 साल का और है, लेकिन हमें रिन्यूएबल एनर्जी पर काम करना होगा. कोल इंडिया अपने टारगेट के अनुसार काम कर रहा है. बिना प्रदूषण फैलाए हमें उर्जा का उत्पादन करना है. उन्होंने कहा कि सड़क और समुद्र के रास्ते भी कोयला भेजने का काम हम कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि कोयला ट्रांसपोर्ट से ज़्यादा आसान बिजली ट्रांसपोर्ट करना होता हैष अगर राजस्थान चाहे तो केंद्र के साथ एग्रीमेंट कर सकता है. मैं मंच से खुला ऑफ़र दे रहा हूं।

राजस्थान में कोयले पर आधारित 23 थर्मल इकाइयां

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के थर्मल, हाइडल एवं गैस आधारित विद्युत गृहों की ओर से बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। जिसमें कोयले पर आधारित 23 थर्मल इकाइयों से 7580 मेगावाट विद्युत का उत्पादन हो रहा है। इन इकाइयों को कोयले की आपूर्ति कोल इंडिया लिमिटेड की विभिन्न खदानों से पिछले 40 वर्षों से की जा रही है। वर्तमान में राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम बीकानेर जिले के पूगल तहसील में 2000 मेगावाट क्षमता का सोलर पार्क विकसित कर रहा है, जिसमें से 1190 मेगावाट क्षमता की सोलर परियोजना को कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा स्थापित किया जाएगा।

दिव्या मदेरणा ने खड़गे के ट्वीट का सहारा ले गहलोत कैंप पर साधा निशाना

बोलीं- 'बकरीद में बचेंगे तो ही मोहर्रम में नाचेंगे'

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में आलाकमान की सख्ती के बावजूद बयानबाजी थम नहीं रही है। कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने एक बार फिर गहलोत समर्थक मंत्री महेश जोशी पर इशारों में निशाना साधा है। इस बार दिव्या मदेरणा ने सहारा लिया है कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान का जिसमें उन्होंने यह कहा था कि 'बकरीद में बचेंगे तो मोहर्रम में नाचेंगे'। खड़गे के इस बयान को दिव्या मदेरणा ने मुख्य सचेतक महेश जोशी पर पूरी तरीके से फिट बताते हुए कहा कि यह महेश जोशी के झूठ और विद्रोह पर सटीक बैठता है। जिसमें उन्होंने पार्टी विरोधी गतिविधि या अनुशासनहीनता से इनकार किया है।

दिव्या के निशाना पर महेश जोशी

सियासी संकट में गहलोत कैंप को निशाने पर ले रही ओसिया विधायक दिव्या मदेरणा ने एक बार फिर मुख्य सचेतक महेश जोशी पर ट्वीट के जरिए हमला बोला है। दिव्या मदेरणा ने विधायकों को महेश जोशी की ओर से फोन नहीं किए जाने की बात पर भी कहा है कि, फिर महेश जोशी यह बताएं कि वह खुद मुख्यमंत्री के निवास पर हुई विधायक दल की बैठक में क्यों नहीं गए और खुद इस्तीफा देने विधानसभा अध्यक्ष के निवास पर क्यों गए? वह स्वयं अगर मीटिंग में जाते तो अन्य विधायक भी उनसे प्रेरणा लेते। उल्लेखनीय है कि दिव्या मदेरणा लगातार 25 सितंबर को आलाकमान की ओर से बुलाई गई विधायक दल की बैठक के बहिष्कार के लिए गहलोत कैंप के जिम्मेदार ठहरा रही है।

निशाने पर गहलोत कैंप

बता दें कांग्रेस आलाकमान के निर्देश पर 25 सितंबर को कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। लेकिन गहलोत कैंप के विधायकों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया था। कांग्रेस ने तीन नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। जिसका जवाब भी भेज दिया गया है। चर्चा है कि 19 अक्टूबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष के नतीजों के बाद कांग्रेस आलाकमान किसी तरह की कोई कार्रवाई करेगा। हालांकि, तीनों नेताओं ने कांग्रेस आलाकमान की संप्रभुता स्वीकार करते हुए नेतृत्व पर आस्था जताई है।

विषाक्त सेवन से विवाहिता की मौत

भीलवाड़ा, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा के खटवाड़ा गांव में गुरुवार को एक विवाहिता की विषाक्त सेवन से मौत हो गई। विवाहिता के परिजनों के घर लौटने पर इस बारे में जानकारी मिली। जिसके बाद विवाहिता का हॉस्पिटल लाया गया था। जहां उसका उपचार चल रहा था। इस घटना के बाद बीगोद पुलिस भी हॉस्पिटल पहुंच गई थी। और विवाहिता के बयान लिए थे।

बीगोद थाना प्रभारी मूलचंद वर्मा ने बताया कि खटवाड़ा गांव में रहने वाली सीमा (17) पुत्री गोपाल बलाई ने 10 अक्टूबर को विषाक्त का सेवन कर लिया था। जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। जिस समय सीमा ने जहर खाया। उसके समय उसका परिवार खेत पर गया हुआ था। परिजनों के लौटने के बाद सीमा को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया।

मौसम में घुलने लगी ठंडक

गुलाबी सर्दी का एहसास

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम ने अचानक पलटी मार ली है। तापमान में गिरावट जारी है। गुलाबी सर्दी का एहसास होने लगा है। कार्तिक महीने की शुरुआत के साथ ही मौसम में ठंडक घुलने लगी है। कुछ जगहों पर हल्की ओस की बूंदें भी दिख रही है। पश्चिमी हवाओं का प्रदेश में असर बढ़ रहा है। दोपहर में धूप निकल रही है। जबकि सुबह शाम को गुलाबी सर्दी का एहसास होने लगा है। तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। रात के तापमान में गिरावट हुई है, तो वहीं मानसून के बाद पोस्ट बारिश से किसानों की चिंता बढ़ गई है। फसलें पक चुकी हैं। कटाई का दौर चल रहा है। ऐसे में बारिश से फसलों में नुकसान हो चुका है।

अजमेर में 33.8 डिग्री सेल्सियस तापमान पश्चिमी हवाओं का असर बढ़ने लगा

राजस्थान में पश्चिमी हवाओं का असर बढ़ने लगा है। इसके चलते जयपुर समेत अन्य जिलों में सुबह शाम गुलाबी सर्दी एहसास करवा रही है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर संभाग के जिलों में अब पश्चिमी हवाएं एक्टिव होने लगी है, जिससे इन संभागों के जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। आने वाले 3 दिनों में इन पश्चिमी हवाओं का असर प्रदेश के पूर्वी हिस्सों तक बढ़ जाएगा। जिससे प्रदेश में मौसम पूरी तरह साफ रहेगा और तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी।

अशोक गहलोत ने सियासी संग्राम के बाद कांग्रेस एमएलए को दिया फ्री हैंड

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रदेश में उठे सियासी संकट के बाद विधायकों की डिजायर पूरी कर रहे हैं। प्रदेश में विधायकों की डिजायर पर धड़ल्ले से ट्रांसफर-पोस्टिंग हो रहे हैं। सियासी घटनाक्रम के बाद बुधवार को शिक्षा विभाग में साढ़े चार हजार तबादले किए गए। सूची में प्रिंसीपल से लेकर जमादार तक के तबादले किए गए है। शिक्षा निदेशालय की ओर ने अलग-अलग 95 आदेश जारी किए गए है। अलसुबह तबादला सूची आने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। बुधवार को आई तबादला सूची में 1857 वरिष्ठ अध्यापक, 23 वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक, 852 प्रिंसीपल, 233 वाइस प्रिंसीपल, 934 विषय व्याख्याता और 158 एपीओ चल रहे विषय व्याख्याता के तबादले किए गए है। साथ ही लाईब्रेरियन, सहायक कार्मिक, लैब सहायक

और जमादार के तबादले किए गए है।

बता दें प्रदेश में हाल ही में हुए सियासी घटनाक्रम के बाद तबादलों को लेकर विधायकों की डिजायर बढ़ गई है। शिक्षा संकुल में मंत्रियों और विधायकों की आवाजाही भी बढ़ गई है। चर्चा है कि सीएम गहलोत ने विधायकों को राजी करने के लिए बड़े स्तर शिक्षा विभाग में तबादले किए है। शिक्षा विभाग में लगभग सभी तबादले स्थानीय विधायकों की डिजायर पर किए गए हैं। कांग्रेस विधायकों के कहे अनुसार तबादले किए है। इसका फायदा आगामी विधानसभा चुनाव में मिल सकेगा। विधायकों और कांग्रेस के प्रत्याशी रहे नेताओं को एक तरह से फ्री हैंड कर दिया है ताकि कोई राज्य सरकार पर कोई तोहमत ना लगा सकें।सीएम गहलोत ने कहे अनुसार ही विभिन्न इलाकों में पोस्टिंग दी है। विधायकों की ओर से ब्यूरोक्रेसी पर कई बार मनमानी करने के आरोप लगाए जाते रहे हैं। शिक्षकों के तबादलों से पहले भी सीएम गहलोत ने 206 आरएएस अफसरों के तबादले कर विधायकों को खुश करने की कोशिश की थी।

कांग्रेस विधायकों की डिजायर पर तबादले

दरअसल, सीएम गहलोत चाहते हैं कि विधायकों और कांग्रेस प्रत्याशियों के इशारे पर अफसरों को पोस्टिंग दी जाए ताकि वे अपने अनुसार क्षेत्र में कामकाज कर सके, चुनावों में पार्टी को इसका फायदा मिल सके। बता दें राजस्थान में 2023 में विधानसभा चुनाव होने है। ऐसे में सीएम गहलोत कांग्रेस विधायकों की नाराजगी नहीं चाहते हैं।

चचेरे भाई ने रेप कर किया था मर्डर

हत्या करके रेत में दबा दिया शव, रेत उड़ी तो खुला सच

बीकानेर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीकानेर के महाजन में पंजाब की जिस लड़की की हत्या करके शव फेंक दिया गया, हत्या से पहले उसके साथ दुष्कर्म भी किया गया। आश्चर्य की बात है कि हत्या करने वाला उसका चचेरा भाई था। उसने धोखे से बहन को महाजन रेलवे स्टेशन पर उतारा और रेत के टीलों के बीच ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया फिर चुन्नी से गला दबाकर मार दिया। बीकानेर पुलिस ने बड़ी मुस्तैदी दिखाते हुए कुछ घंटों में ही चचेरे भाई को गिरफ्तार कर लिया।

पंजाब के मुक्तसर में रहने वाला परिवार इन दिनों बीकानेर के मेघासर गांव में मजदूरी पर आया हुआ है। उसका चचेरा भाई सेंटी पुत्र खंडूराम ओड राजपूत भी उनके साथ था। सेंटी महज बीस साल का है। उसे पता चला कि उसकी नाबालिग चचेरी बहन का किसी से रिश्ता है। जब भाई बहन वापस पंजाब की ओर जा रहे थे तो सेंटी ने रास्ते में शराब पी थी। महाजन के पास अपनी बहन को ट्रेन से ये कहते हुए उतार लिया कि उसका मोबाइल कहीं रह गया। भाई के कहने पर बहन नीचे उतर गई। सेंटी उसे लेकर पटरियों पर चलते-चलते सुनसान जगह आ गया। यहां पहले बहन के साथ दुष्कर्म किया और बाद में उसी की चुन्नी से उसका गला दबा दिया। वहीं रेत में गड्ढा खोदकर बहन का शव दफना दिया। रेत धीरे धीरे उड़ती चली गई और बहन का शव बाहर आ गया, जिसके बारे में पुलिस को सूचना कर दी गई। उधर, सेंटी ने गांव पहुंचकर परिजनों को बताया कि बहन किसी के साथा भाग गई है।

20 रुपए में 150 रुपए वाला नकली ऑयल, मारा छापा

सीआईडी-सीबी का बड़ा एक्शन, मिलावटी मसाले भी पकड़े

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीआईडी सीबी ने विश्नकर्मा स्थित एक फैक्ट्री में अलसुबह रेड की। रेड की जानकारी मिलने पर फैक्ट्री मालिक भी मौके पर पहुंचे। सीआईडी सीबी के अधिकारियों ने बताया कि फैक्ट्री में ब्रांडेड कंपनी के नाम पर नकली तेल बनने का काम चल रहा था। जानकारी मिलने पर रेड की कार्रवाई को आज अंजाम दिया गया। मौके पर देखा तो हूबहू उसी तरह की पैकिंग में तेल को पैक किया जा रहा था।

सीआईडी क्राइम ब्रांच के अफसरों ने बताया कि सरसों का मिलावटी तेल मौके पर पैक किया जा रहा था। इतना ही नहीं फैक्ट्री में धनिया, हल्दी और मिर्च की ब्रांडेड कंपनी के पाउंच में खराब मसाले भरे जा रहे थे। हैल्थ डिर्पाटमेंट की टीम को इस रेड में साथ लिया गया। टीम ने मौके से फूड सैंपल उठाए हैं।

वहीं बड़ी मात्रा में तैयार किए गए टीन के पीपे और एक व पांच किलो के पाउच और बोतल बरामद की गई हैं। दोपहर बाद सीआईडी की टीम इसका खुलासा करेगी। इस खराब तेल की कीमत भी करीब 150 रुपए प्रति किलो के हिसाब से थी। जबकि इसे बनाने में महज 15 से 20 रुपए की लागत आ रही थी। पाम ऑयल और अन्य पदार्थों से यह नकली तेल बनाया जा रहा था। वहीं, सरसों की खुशबू मिलाने के लिए एसेंस का प्रयोग किया जा रहा था।

कुएं में तैरते मिले प्रेमी युगल के शव

चुन्नी से बंधे थे दोनों के हाथ; बाहर पड़े मिले हाथ के कंगन व चप्पल

अजमेर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। अजमेर जिले के मसूदा थाना क्षेत्र के गांव शेरगढ़ के कुए में प्रेमी युगल के शव कुएं में तैरते मिले। युवक ब्यावर का रहने वाला है और अपने ननिहाल शेरगढ़ रहा था। लड़की नाबालिग है और एक दिन पहले ही लड़की के पिता ने बहला फुसलाकर भगा

ले जाने के आरोप में मामला दर्ज कराया है। दोनों के हाथ चुन्नी से बंधे थे। कुएं के बाहर मिली चप्पल व कंगन के बाद शव दिखाई दिए। पुलिस ने पोस्टमार्टम कर शव परिजन के सुपुर्द कर दिए है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शेरगढ़ से बिजयनगर रोड पर स्थित कुएं के बाहर चप्पल की जोड़ी एवं हाथ के कंगन पड़े मिले। इस पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना की। मौके पर पहुंची पुलिस को प्रेमी युगल के शव कुएं में तैरते दिखाई दिए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों शव को कुएं से बाहर निकलवाया। युवक व युवती के हाथ चुन्नी से बंधे हुए थे। मौके पर ग्रामीणों की खासी भीड़ जुट गई।

लड़की 17 साल की नाबालिग है और पिता ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पिता का आरोप है कि ब्यावर निवासी कार्तिक जो कि अपने ननिहाल शेरगढ़ में रह रहा था, बेटी को बहला- फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

दोनों मंगलवार को घर से निकले थे। युवक घर पर रहकर ही खेती का काम करता था। लड़की 10वीं कक्षा में पढ़ती है।

'मौजूदा समय में डॉ. लोहिया के बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता'

केशवराव जाधव और टी. गोपाल सिंह को मिलेगा डॉ. लोहिया स्मृति सम्मान

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया की 55वीं पुण्यतिथि पर लोहिया विचार मंच और सोशलिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया ने संयुक्त रूप से बेगमबाज़ार में एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस परिसंवाद में लोहिया विचार मंच, हैदराबाद के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश टी. गोपाल सिंह और एसपीआई के पूर्व महासचिव एस. नुरूल अमीन सहित दर्जनों समाजवादी नेताओं ने डॉ. लोहिया और सपा के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में उपस्थित नेताओं ने डॉ. लोहिया के कृतित्व एवं व्यक्तित्व की चर्चा की। उनके मुताबिक मौजूदा समय में डॉ. लोहिया के बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है।

वक्ताओं ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि तेलंगाना आंदोलन के अग्रणी नेता व समाजवादी विचारक केशवराव जाधव को गुवाहाटी में 19 नवंबर को मरणोपरांत डॉ. राममनोहर लोहिया स्मृति सम्मान प्रदान किया जाएगा। वहीं लोहिया विचार मंच, हैदराबाद के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश टी. गोपाल सिंह को समाजवादी साहित्य के प्रचार-प्रसार के अप्रतिम योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

गौरतलब है कि डॉ. लोहिया के उर्वशीयम अभियान के 65 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में डॉ. राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा 19-20 नवंबर, 2022 को गुवाहाटी स्थित कॉटन यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय तृतीय राष्ट्रीय विचार मंथन का आयोजन होना है। इस आयोजन में डॉ. लोहिया की दुर्लभ ऐतिहासिक पुस्तक द स्ट्रगल फ़ॉर सिविल लिबर्टी का अंग्रेजी, हिंदी एवं असमिया संस्करणों का लोकार्पण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्मारिका उर्वशीयम - 2022 विमोचन और एक लघु फ़िल्म भी प्रदर्शित की जाएगी। इस सम्मेलन में भारतवर्ष से करीब 250 प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। हैदराबाद से भी दस समाजवादी एवं लोहियावादी प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। जिनमें टी. गोपाल सिंह, एस. नुरूल अमीन, दामोदर रेड्डी, पीजे सूरी आदि शामिल हैं।

आसिफाबाद में बाघ के देखे जाने से दहशत

आदिलाबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर मंडल के कोसिनी, ऊटपल्ली और रेगुलागुडा गांवों के पास जंगल के किनारों पर बाघ के देखे जाने से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है। किसानों ने बाघ को जंगल के किनारे और तीन गांवों के कृषि क्षेत्रों में घूमते हुए देखा। पता चला है कि पिछले दो साल से इस इलाके को अपना घर बनाने वाले बाघ ने हाल ही में दो शावकों को जन्म दिया है। हालांकि इसके देखने से जंगलों के पास स्थित खेतों में काम करने वाले स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है।

संयोग से बाघ ने मंगलवार को कोसिनी के जंगलों में चर रहे मवेशियों के झुंड में से एक गाय पर हमला कर दिया। बुधवार को गाय की मौत हो गई। कागजनगर वन प्रभाग के विभिन्न हिस्सों में बड़ी बिल्ली के देखे जाने की सूचना मिली थी, जो पड़ोसी महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में तडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व के बाघों के प्रवास को देखता है। वन अधिकारियों ने जनता से अनुरोध किया है कि वे जंगल में गहरे उद्यम न करें और बड़ी बिल्ली के साथ अचानक टकराव से बचें। उन्होंने ग्रामीण लोगों से जानवर को नुकसान नहीं पहुंचाने का भी आग्रह किया। यह कहते हुए कि कैमरा ट्रैप की मदद से एकान्त जानवर की गतिविधि को ट्रैक किया जा रहा है, उन्होंने पुष्टि की कि उन्हें एक बाघ के पगमार्क मिले हैं। इसी बीच आदिलाबाद जिले के गाडीगुड़ा मंडल के कोलामा गांव के जंगलों में बुधवार को एक बाघ ने एक बकरी को मार डाला। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के टिपेश्वर वन्यजीव अभयारण्य से कथित तौर पर कुछ हफ्तों से थमसी और भीमपुर मंडल के जंगल एक बाघ की आवाजाही दर्ज कर रहे हैं।

ईश्वर सिंह ठाकुर का नगरागमन पर किया गया सम्मान

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नाटक राजपूत समाज, रायचूर व भाजपा रायचूर टाउन के प्रसार प्रभारी ईश्वर सिंह ठाकुर का आज तेलंगाना प्रदेश की राजधानी भाग्यनगर में आगमन पर तेलंगाना प्रदेश के राजपूत संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा उनका भव्य सम्मान महाराणा प्रताप की विशाल प्रतिमा के समुख, महाराणा प्रताप पार्क, अगापुरा, हैदराबाद में बोंदिली राजपूत वेलफेयर एसोसिएशन, तेलंगाना,क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड, भारतीय राजपूताना सेवा संगठन, तेलंगाना इकाई, राष्ट्रीय क्षत्रिय महापरिषद, तेलंगाना प्रदेश के ग्रेटर हैदराबाद इकाई आदि संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में ठाकुर रामेश्वर सिंह बैस ने अपने अतिथि ईश्वर सिंह ठाकुर का भाग्यनगर आगमन पर उनका अभिनंदन करते हुए अपने संबोधन में कहा कि आगापूरा स्तिथ महाराणा प्रताप पार्क, महाराणा प्रताप कम्युनिटी हॉल व महाराणा प्रताप मार्केट की स्थापना स्वर्गीय ठाकुर गोविंद सिंह, उस समय के मंगलहाट संभाग के कांग्रेस के पार्षद ने उनके कार्यकाल में इस पार्क व कम्युनिटी हॉल का निर्माण किया था, और 2004 में क्षत्रिय राजपूत युवा समिति द्वारा यहां पर महाराणा प्रताप सिंह की विशाल प्रतिमा स्थापित किया गया था। वीर क्षत्रिय राजपूत समिति द्वारा प्रति वर्ष महाराणा प्रताप जयंती पर विशाल शोभायात्रा निकाली जाती हैं। ईश्वर सिंह ठाकुर ने सभी राजपूत सरदारों, संगठनों के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

राजस्व में सुधार के लिए अन्य रास्ते तलाशे बोर्ड : जम्पन्ना

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद छावनी में इस महीने के अंत से टोल टैक्स समाप्त होने जा रहा है, ऐसे में बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप ने सीईओ से कहा है कि वे उन कर्मचारियों का समर्थन करें जो इन चेक पोस्टों के आधार पर जीवन गुजर बसर कर रहे हैं। उन्होंने सीईओ से बोर्ड के अन्य विभागों में उन कर्मचारियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने की अपील की।

गुरुवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि छावनी में चेक पोस्ट रद्द होने से न केवल बोर्ड की आय में लगभग 10 करोड़ की कमी आई है, बल्कि अपने जीवन यापन के लिए चेक पोस्ट पर निर्भर कर्मचारियों को भी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में छावनी में सड़कें और जल निकासी की व्यवस्था अच्छी है, लेकिन केंद्र द्वारा समय-समय पर दिया गया टीपीटी बकाया पर्याप्त नहीं है। पूर्व की तरह अधिकारियों ने केंद्र से हर महीने टीपीटी फंड जारी करने के लिए कड़ी मेहनत करने को कहा। उन्होंने उन्हें छावनी की भूमि की पहचान करके और उन्हें पट्टे पर देकर या एनटीआर पार्क जैसे छावनी में पार्क विकसित करने और उनसे राजस्व प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा। उन्होंने इस मुद्दे पर बोर्ड के सीईओ, मनोनीत सदस्य और स्थानीय सांसद और विधायक ने इन मुद्दों पर केंद्र पर दबाव बनाने के लिए ध्यान केंद्रित करने को कहा।

आयुर्वेद को बढ़ावा देने में सीएसआईआर और आईआईसीटी की भूमिका अहम : डॉ. जगदीश

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने आज सीएसआईआर आईआईसीटी, हैदराबाद में "हर दिन हर घर आयुर्वेद" थीम के साथ आयुर्वेद दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएसआईआर-आईआईसीटी के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. जगदीश ने भाग लिया। साथ ही राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान के डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक और आईआईसीटी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. तिवारी, डॉ. नागय्या ने भाग लिया। डॉ. ए. के. तिवारी, मुख्य वैज्ञानिक ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन व्याख्यान दिया और उसके बाद मुख्य अतिथि जगदीश ने व्याख्यान दिया। तिवारी ने कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार प्रणाली नहीं बल्कि जीवन जीने का एक विधान है और इसे हर घर तक पहुंचाने के लिए आयुर्वेद के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। डॉ. जगदीश जी ने कहा कि आयुर्वेद को बढ़ावा देने में सीएसआईआर और आईआईसीटी की भूमिका सर्वविदित है। कार्यक्रम में डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद ने 2016 से आयुर्वेद दिवस समारोह की जानकारी दी और सीसीआरएस और आयुष मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की प्रकृति के बारे में बताया। तत्पश्चात इस कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से डॉ. डीसी कटोच, भूतपूर्व वरिष्ठ मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद) सीजीएचएस ने वृद्धावस्था में आयुर्वेद चिकित्सा के उपयोग के बारे में व्याख्यान दिया। डॉ. के. नागय्या, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष जी ने आयुर्वेद औषधियों में मुख्य कण को पहचानने की जरूरत और विविध आयुर्वेद औषधियों के मानकीकरण में आईआईसीटी के महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में आईआईसीटी के वैज्ञानिक डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. विजय कुमार और डॉ. बी.आर.के.आर. आयुर्वेद कॉलेज, हैदराबाद की प्राध्यापक स्वरुपा रानी जी और पीजी की छात्राएं और संस्थान डॉ. वी. श्रीदेवी, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), डॉ. बिश्वोरंजन दास, अनुसंधान अधिकारी (होमियोपैथी), के.श्रीनिवास राव, पुस्तकालयाध्यक्ष, संस्थान के वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता आयुर्वेद और अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

अग्रणी महिला मंच द्वारा आयोजित करवा चौथ में भाग लेती हुईं मंच की अध्यक्षा सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, वंदना पचरिया, चंचल अग्रवाल, स्मिता शाह, रितु गोयल, सोनिया गोयल, प्रीति गोयल, रूपा गुप्ता, रीता कनोडिया, निधि अग्रवाल, मीनाक्षी अग्रवाल, संगीता जजोदिया व अन्य।

आदिलाबाद में 61 अस्पताल नियमों का उल्लंघन करते पाए गए

आदिलाबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने गलती करने वाले निजी अस्पतालों पर नकेल कसते हुए 60 से अधिक निजी अस्पतालों को नोटिस जारी किया है और पूर्व के आदिलाबाद जिले में मानदंडों का उल्लंघन करने के आरोप में एक अस्पताल को जब्त कर लिया गया है. उनके खिलाफ नहीं लिया जाएगा। जिले में एक पखवाड़े की लंबी कार्रवाई के दौरान आदिलाबाद, मंचेरियल, निर्मल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों में पांच टीमों द्वारा कुल 253 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरेंद्र ने बताया कि चार जिलों के 61 अस्पतालों को नोटिस दिया गया था, जबकि आदिलाबाद जिले के एक अस्पताल को नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में जब्त किया गया है।

निरीक्षण के दौरान मंचेरियल जिले के 106 और आदिलाबाद जिले के 78 अस्पतालों, निर्मल में 54 और कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के 15 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया, जो 22 सितंबर को शुरू हुआ और 12 अक्टूबर को समाप्त हुआ। आदिलाबाद के 46 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया। मंचेरियल के पांच अस्पताल, निर्मल जिले के 10 अस्पताल भी नियमों की अवहेलना करते पाए गए। निरीक्षण के दौरान, टीमों ने सत्यापित किया कि क्या अस्पताल पंजीकृत हैं और क्या उनके पास योग्य डॉक्टर हैं। उन्होंने डॉक्टरों की शैक्षिक योग्यता और उनके पंजीकरण प्रमाणपत्रों पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन करने वाले अस्पतालों के खिलाफ नोटिस जारी किया। संस्थानों द्वारा गलत कामों पर अंकुश लगाने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण देते हुए सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी गई है।

हाल ही में रामायण मेले के सफल आयोजन के लिए पुलिस विभाग से मिले सहयोग के लिए नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद से मुलाकात कर बधाई देते हुए 50वें रामायण मेले के मुख्य संयोजक गोविंद नारायण राठी। साथ में हैं गिरिधारीलाल डागा, मनोज जायसवाल, सुमित राठी।

हिल रिज स्प्रिंग्स गच्ची बावली में गीता अग्रवाल के निवास स्थान पर करवा चौथ पूजा की गई, जिसमें गीता अग्रवाल, राज माथुर, लक्ष्मी ममतानी, कमलेश अग्रवाल, आशा अग्रवाल, मंजू शर्मा, रानी, रविंदर आदि शामिल हुईं।

एसएसके समाज, रहीमपुरा द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रम दशहरा सम्मेलन का आमंत्रण शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी को सौंपते हुए कार्यक्रम अध्यक्ष गुड्डी श्रीनिवास, एच.कुमार, उपाध्यक्ष तीश कुमार व अन्य।

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से नागौर, राजस्थान से नगर पधारे मुंडवा नगरपालिका के अध्यक्ष सुभाष कंदोई का अभिनंदन करते हुए अध्यक्ष रमेश कुमार बंग। साथ में हैं श्रीकांत पंडित व प्रवीण ठाकुर।

दलितों का आर्थिक विकास दलित बंधु का लक्ष्य : एससी निगम अध्यक्ष

करीमनगर, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एससी निगम के अध्यक्ष बी. श्रीनिवास ने कहा कि दलित समुदाय को समृद्ध बनाने में मदद करने के लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने दलित बंधु योजना शुरू की थी। श्रीनिवास ने कलेक्टर आरवी कर्णन के साथ गुरुवार को टीएसआरटीसी करीमनगर डिपो-I में लाभार्थियों को दलित बंधु योजना के तहत स्वीकृत एक बस सौंपी। हैदराबाद निर्वाचन क्षेत्र के दो लाभार्थियों पेरका हेमलता और गन्नारापु अरुणा देवी ने समूह योजना के तहत बस के लिए आवेदन किया था।

इस अवसर पर बोलते हुए श्रीनिवास ने कहा कि इस योजना को शुरू करने के लिए पूरे दलित समुदाय को मुख्यमंत्री का आभारी होना चाहिए, जिसका उद्देश्य दलित समुदाय के जीवन में व्यापक बदलाव लाना है। दलित बंधु के क्रियान्वयन में अधिकारियों सहित सभी वर्ग सहयोग कर रहे हैं। कलेक्टर कर्णन ने कहा कि पायलट आधार पर हुजूराबाद खंड में शुरू की गई योजना को व्यापक तरीके से निर्वाचन क्षेत्र में लागू किया गया है। बाद में, इस योजना का राज्य के अन्य हिस्सों में विस्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि योजना के तहत हुजूराबाद निर्वाचन क्षेत्र में 18,000 लाभार्थियों को लाभ मिला है, उन्होंने कहा कि 2,000 लोगों को डायरी इकाई स्वीकृत की गई है। जिस बस को मंजूरी दी गई है, उस पर उन्होंने कहा कि दोनों लाभार्थियों ने सिरसिला-वारंगल के बीच बस को संचालित करने के लिए टीएसआरटीसी प्रबंधन के साथ समझौता किया है। इस अवसर पर अतिरिक्त कलेक्टर गरिमा अग्रवाल, जिला परिषद सीईओ प्रियंका, एससी निगम के विशेष अधिकारी सुरेश, कार्यकारी निदेशक एस नागार्जुन, आरटीसी के क्षेत्रीय प्रबंधक खुसरो शाह खान और अन्य उपस्थित थे।

गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र जामबाग संभाग में स्थानीय लोगों की शिकायत पर स्थानीय टीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने बस्ती वासियों व जल निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ संभाग का जायजा लिया ताथ समस्याओं को सुलझाने में मदद की।

नामपल्ली स्टेशन के प्लाट फार्म नं 1 पर स्थित श्री बालवीर हनुमान मंदिर में कार्तिक मास पर शरद पूर्णिमा से डुबकी पुनम तक नियमित मास पारायण आचार्य द्वारका प्रसाद तिवारी द्वारा जारी है। इस अवसर पर महामंडलेश्वर श्री प्रभुदास महाराज से आशीर्वाद लेते हुए रामदेव नागला।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

बैन पर सुप्रीम ...

याचिकाकर्ता ने की थी संवैधानिक बेंच में केस ट्रांसफर करने की मांग :

मामले में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की दलील थी कि छात्राएं स्टूडेंट्स के साथ भारत की नागरिक भी हैं। ऐसे में ड्रेस कोड का नियम लागू करना उनके संवैधानिक अधिकार का हनन होगा।

कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को दी गई थी चुनौती :

सुप्रीम कोर्ट में हिजाब विवाद पर कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ 26 याचिकाएं दाखिल की गई थीं। याचिकाकर्ता का कहना था कि हाईकोर्ट ने धार्मिक और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को देखे बिना हिजाब बैन पर फैसला सुना दिया। याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट राजीव धवन, दुष्यंत दवे, संजय हेगड़े और कपिल सिब्बल ने पक्ष रखा तो सरकार की ओर से सॉलिसटर जनरल तुषार मेहता कोर्ट में पेश हुए।

हाईकोर्ट का फैसला हिजाब पहनना अनिवार्य नहीं :

15 मार्च को कर्नाटक हाईकोर्ट ने उडुपी के सरकारी प्री-यूनिवर्सिटी गर्ल्स कॉलेज की कुछ मुस्लिम छात्राओं की तरफ से क्लास में हिजाब पहनने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने अपने पुराने आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि हिजाब पहनना इस्लाम की जरूरी प्रैक्टिस का हिस्सा नहीं है। इसे संविधान के आर्टिकल 25 के तहत संरक्षण देने की जरूरत नहीं है।

3 घंटे पुलिस ...

एनसीडब्ल्यू पहुंचे गोपाल ने ट्वीट किया, मुझे जेल में डालने की धमकी मिली :

एनसीडब्ल्यू ऑफिस पहुचने के एक घंटे बाद गोपाल ने ट्वीट किया, आयोग की चीफ मुझे जेल में डालने की धमकी दे रही हैं। मोदी सरकार पटेल समुदाय को और क्या दे सकती है। भाजपा पाटीदार समुदाय से नफरत करती है। मैं सरदार (वल्लभभाई) पटेल का वंशज हूं। मैं आपकी जेलों से नहीं डरता। मुझे जेल में डाल दो। यहां तक कि पुलिस को भी बुला लिया गया है। मुझे धमकाया जा रहा है।

वीडियो जिससे पूरा घटनाक्रम जुड़ा :

पिछले दिनों इटालिया का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'नीच आदमी' कहते दिखाई दे रहे थे। राष्ट्रीय महिला आयोग ने इसी वीडियो पर संज्ञान लेते हुए गोपाल इटालिया को समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह वीडियो 2018 का है।

समन की जानकारी लगते ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रेखा शर्मा के ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था।

रेखा शर्मा बोलीं, 150 लोग मुझे धमकाने आए थे :

दूसरी तरफ एनसीडब्ल्यू चीफ रेखा शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी के 100-150 लोग उन्हें धमकाने आए थे। गोपाल से सवाल-जवाब पर उन्होंने कहा, गोपाल ने समन मिलने से इनकार किया लेकिन उनका जवाब तैयार था। उन्होंने वीडियो में भी अपनी मौजूदगी से इनकार किया है लेकिन उन्होंने वीडियो को ट्वीट करने की बात मानी है। उन्होंने दावा किया है कि इस वीडियो में वे नहीं थे।

रेखा ने कहा कि गोपाल का बयान और लिखित स्टेटमेंट मैच नहीं हो रहा। उन्होंने सही जवाब नहीं दिया है। मैंने पुलिस से भी कहा है कि उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए क्योंकि वह कानून व्यवस्था बिगाड़ने के लिए माहौल बना रहे थे। उनके समर्थकों ने जबरन ऑफिस में घुसने की कोशिश की।

एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष को दोपहर 2 बजे बैठक में जाना था, लेकिन प्रदर्शन के चलते वे जा नहीं सकीं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर 100-150 लोग आते हैं और मुझे धमकाते हैं, तो वे किस तरह के नेता हैं? उन्हें सिर्फ एनसीडब्ल्यू के ऑफिस आना था और केवल कुछ सवालों के जवाब देने थे।

राणा अय्यूब के ...

ईडी के मुताबिक, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जो फंड जुटाया गया वह पहले अय्यूब के पिता और बहन के अकाउंट में आया और यहां से अय्यूब के पर्सनल अकाउंट में ट्रांसफर किया गया। इसमें से 50 लाख रुपये लेकर अय्यूब ने अपने लिए फिक्स्ड अकाउंट खोला, जबकि 50 लाख रुपये दूसरे बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए। सिर्फ 29 लाख रुपये राहत कार्यों में इस्तेमाल किए गए।

राणा ने जमा किए फर्जी बिल :

प्रवर्तन निदेशालय ने आरोप लगाया कि राहत कार्य के नाम पर खर्च दिखाने के लिए राणा अय्यूब ने फर्जी बिल जमा किए। ईडी ने चार्जशीट में लिखा कि राणा अय्यूब ने आम जनता से मिले फंड्स को लॉन्डर किया और फिर इन फंड्स को बेदाग दिखाने की कोशिश की। राणा ने सरकारी अनुमति या रजिस्ट्रेशन के बिना विदेश से फंड हासिल किया, जो कि 2010 के फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशंस एक्ट के तहत अनिवार्य है। राणा की गुजरात दंगे पर लिखी किताब में हो चुके हैं कई खुलासे :

राणा अयूब 2002 के गुजरात दंगे पर 'गुजरात फाइल्स- अनाटॉमी ऑफ ए कवर अप' नाम से किताब लिख चुकी हैं। इसमें दावा किया गया है कि दंगों के समय कई अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव था। इसमें हरेन पंड्या मर्डर केस पर भी एक चैप्टर है। इसमें जांच अधिकारी वाईए शेख के आरोपों को भी जगह दी गई है।

वर्ल्ड कप के वार्म अप मैच में हारा भारत

पर्थ, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप जीतने के मिशन पर ऑस्ट्रेलिया पहुंची है। भले ही टीम इंडिया ने एशिया कप 2022 में कुछ खास प्रदर्शन न कर पाई हो, लेकिन ऑस्ट्रेलिया पहुंचकर टीम का एकमात्र मिशन था कि वार्म अप मैचों में अच्छा प्रदर्शन कर टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश करना। पहले अन-ऑफिशियल मैचे में तो टीम इंडिया ने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया से जीत हासिल की, लेकिन दूसरे मैच में उसी टीम से 36 रन के बड़े अंतर से हार गई। वो भी तब जब इंडिया का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया की एक घरेलू टीम से था।

टूर्नामेंट में आगे रोहित ब्रिगेड को ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका जैसी मजबूत टीमों से भिड़ना है। वहां महज एक घरेलू टीम से इंडिया की हार निराशाजनक है। इस हार ने कई बड़े सवाल पैदा कर दिए हैं। क्या टीम इस कॉम्बिनेशन के साथ सेमीफइनल तक भी पहुंच पाएगी?

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में भारत की ओर से शानदार गेंदबाजी देखने को मिली। अश्विन मैच में बेस्ट बॉलर के रूप में उभरे। उन्होंने 3 विकेट लिए। साथ ही हर्षल पटेल ने 2 और अर्शदीप-भवनेश्वर ने 1-1 विकेट लिए। एक विकेट रन आउट से मिला। इसी के बदौलत भारत ने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट के साथ 168 रन पर रोका।

दूसरी पारी में भारत टारगेट का पीछा करने उतरा। केएल राहुल के साथ ऋषभ पंत ओपनिंग करने उतरे। मैच में राहुल एकमात्र बल्लेबाज थे जिन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने 55 बॉल का सामना करते हुए 74 रन बनाए। उनके अलावा भारतीय खेमे का एक भी बल्लेबाज नहीं चला। ऋषभ 9, हुड्डा 6, पंड्या 17, अक्षर 2 और दिनेश कार्तिक 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रोहित शर्मा ने मैच तो खेला, लेकिन वे बैटिंग करने नहीं उतरे। इस निराशाजनक प्रदर्शन के साथ टीम इंडिया 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 132 रन ही बना सकी।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

इंडियाः रोहित शर्मा, केएल राहुल (कप्तान), दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, दिनेश कार्तिक, अक्षर पटेल, हर्षल पटेल, आर अश्विन, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह

वेस्टर्न ऑस्ट्रेलियाः एंड्रू टाय, जे फिलिप, एच मैकेंजी, एसटी फैनिंग, सी बैनक्रॉफ्ट, एजे टर्नर, डी शॉर्ट, एन हॉब्सन, एम केली, जे बेहरेनडॉर्फ, डी मूडी, एलआर मॉरिस।

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 8 रन से हराया

मलान ने खेली 82 रन की धमाकेदार पारी, सीरीज में 2-0 से आगे

कैनबरा, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने तीन टी-20 मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 8 रन से हराया। जीत के साथ ही 3 में से 2 मैच जीत कर इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया पर अजय बढ़त बना ली है।

दुनिया के छठे नंबर के बल्लेबाज डेविड मलान ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। मलान 7 चौके और 4 छक्कों के साथ 49 गेंद पर 82 रन बनाए। मलान की शानदार पारी की बदौलत इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाए। 178 रन के टारगेट का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 170 रन ही बना सकी। सैम करन ने 3 विकेट लिए। मलान को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मलान-मोईन ने जमाई 92 रन की पार्टनरशिप

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। पॉवरप्ले में इंग्लैंड ने 41 रन बनाकर 2 विकेट झटके। ऑस्ट्रेलिया ने अच्छी शुरुआत करते हुए इंग्लैंड के 54 रन में 4 विकेट ले कर टॉप आर्डर को समेट दिया। इसके बाद मलान और मोईन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पांचवें विकेट पर 92 रन जोड़े। मोईन अली ने तूफानी पारी खेली। ऑलराउंडर मोईन अली ने 4 चौके और 2 छक्के लगाते हुए 29 बॉल में 45 रन बनाए।

इंग्लैंड के टॉप आर्डर की असफलता के बावजूद टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मार्कस स्टोइनिस ने 4 ओवर में 34 रन देकर 3 विकेट लिए। जबकि स्पिनर एडम जम्पा ने 2 विकेट झटके।

ऑस्ट्रेलिया की ओपनिंग जोड़ी फेल

178 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की खराब शुरुआत रही। ओपनिंग करने उतरे कप्तान आरोन फिंच 20 के स्कोर पर स्टोक्स को कैच थमाकर पवेलियन लौट गए। वे 13 गेंदों पर केवल 13 रन बना सके। वहीं, पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया के टॉप स्कोरर डेविड वार्नर 11 गेंदों पर 4 रन बनाकर आउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिशेल मार्श ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 3 चौके और 2 छक्के की बदौलत 29 गेंद में 45 रन बनाए। इसके अलावा टिम डेविड ने 5 चौके और 1 चक्का लगाकर 23 बॉल में 40 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई टीम 6 विकेट पर 170 रन ही बना सकी।

सैम करन ने लिए 3 विकेट

इंग्लैंड की ओर से ऑल राउंडर सैम करन ने 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए। रिस टोपली, डेविड विली और बेन स्टोक्स ने 1-1 विकेट लिए।

उमरान मलिक और कुलदीप सेन की राह में रोड़ा बना आईसीसी

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान अपनी तेज गति से सबका ध्यान खींचने वाले उमरान मलिक और कुलदीप सेन ऑस्ट्रेलिया नहीं जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दोनों को टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया के नेट गेंदबाज के तौर इन्हें चुना था, लेकिन इन्हें वीजा मिलने में देरी हो रही है और अब उन्हें नहीं भेजा जाएगा। दोनों खिलाड़ियों के ऑस्ट्रेलिया जाने की राह में आईसीसी का नियम रोड़ा बन गया।

जम्मू-कश्मीर के मलिक और मध्य प्रदेश के सेन के अलावा चेतन सकारिया और मुकेश चौधरी का भी नेट गेंदबाज के तौर पर चयन हुआ था, जिन्हें भारत की 15 सदस्यीय टीम के साथ पर्थ जाना था।

बीसीसीआई करेगा विमेंस आईपीएल का आयोजन

मार्च 2023 से शुरू होगा टूर्नामेंट, 2 वेन्यू पर खेले जाएंगे 22 मैच

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिला आईपीएल यानी विमेंस इंडियन प्रीमियर लीग का इंतजार खत्म हो गया है। 2023 में बीसीसीआई इस टूर्नामेंट का आयोजन करेगा। 26 फरवरी को साउथ अफ्रीका में महिला टी-20 वर्ल्ड कप के ठीक बाद इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। विमेंस आईपीएल का पहला सीजन 2 वेन्यू पर खेला जाएगा। 22 मैचों के इस मेगा इवेंट में हर टीम के पास 18 प्लेयर होंगे। वहीं, विदेशी खिलाड़ियों की संख्या 6 रखी गई है। पांच खिलाड़ी से ज्यादा विदेशी खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे।

टीमें कैसे बिकेंगीं?

महिला आईपीएल में बीसीसीआई पांच टीमों को बेचेगा। हालांकि पुरुष आईपीएल में जैसे एक शहर के लिए बोली लगाते थे। बीसीसीआई में दो प्लान की ओर देख रहा है। पहला, देश के छह जोन में टीम को बेचा जाए। हर जोन की कई शहरों को चुना जाएगा जैसे नॉर्थ जोन से धर्मशाला/जम्मू, वेस्ट से पुणे/राजकोट, सेंट्रल से इंदौर/नागपुर/रायपुर, ईस्ट से रांची/कटक, साउथ से कोची/विशाखापट्टनमऔर नॉर्थ ईस्ट जोन से गुवाहाटी।

दूसरा प्लान है कि टीमों को बेचा जाए, लेकिन कोई होम बेस नहीं होगा। मैच अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में होंगे। बीसीसीआई महिला आईपीएल का प्लान अगले सप्ताह होने वाली एजीएम में रखेगा और निर्णय आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष के साथ बीसीसीआई के अधिकारी लेंगे।

टॉप टीम को मिलेगी फाइनल में जगह

विमेंस आईपीएल फॉर्मेट में खेला जाएगा। इसमें लीग स्टेज में हर टीम एक दूसरे के खिलाफ 2 मैच खेलेंगी। लीग स्टेज में टेबल पर टॉप में रहने वाली टीम सीधे फाइनल के लिए क्वालीफाई होंगी।

कारवां फॉर्मेट में होंगे मैच

विमेंस आईपीएल कारवां फॉर्मेट में हो सकता है। कारवां फॉर्मेट यानी एक ही शहर में वहां होने वाले सारे मैच खेले जाएंगे। फिर वहां से दूसरे शहर के लिए साड़ी टीमें रवाना होंगी। कोविड के दौरान 2021 में इसी तरह से आईपीएल हुआ था। जब आईपीएल टीमें यूएई गई थी। टूर्नामेंट के सारे मैचे 2 वेन्यू पर होंगे। पहला हाफ एक जगह और दूसरा हाफ दूसरे वेन्यू पर खेला जाएगा।

भारत 8वीं बार विमेंस एशिया कप के फाइनल में

थाईलैंड को 74 रनों से हराया; दीप्ति शर्मा ने लिए 3 विकेट

ढाका, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुरुवार को खेले गए विमेंस एशिया कप के सेमीफाइनल में भारत ने थाईलैंड को 74 रनों से हराकर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। भारतीय विमेंस टीम आठवीं बार एशिया कप के फाइनल में पहुंची है। इससे पहले 7 बार फाइनल में पहुंचकर 6 बार खिताब अपने नाम किया है।

थाईलैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने निर्धारित ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 148 रन बनाए। वहीं टारगेट का पीछा करने उतरी थाईलैंड की टीम 9 विकेट के नुकसान पर 74 रन ही बना सकी। शेफाली वर्मा प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

शेफाली ने भारत को दी अच्छी शुरुआत

ओपनर शेफाली वर्मा ने भारत को अच्छी शुरुआत दी। उन्होंने मंधाना के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 38 रन बनाए। मंधाना 4.2 ओवर में 13 रन बनाकर आउट हो गईं। वहीं भारत ने पावर प्ले में 1 विकेट के नुकसान पर 47 रन बनाए। शेफाली ने तेज पारी खेली। उन्होंने 28 गेंदों पर 1 छक्का और 5 चौकों की मदद से 42 रन बनाए। शेफाली को टिपोच ने चेईवेई के हाथों कैच करवाकर आउट किया। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 30 गेंदों का सामना कर 36 रन बनाए।

वहीं थाईलैंड की ओर से नताया बूचाथम ने 4 ओवर में 31 रन देकर 1 विकेट लिए। फनिता माया ने 1 ओवर में 12 रन देकर 1 विकेट लिया।

थाईलैंड की खराब शुरुआत

149 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी थाईलैंड टीम की शुरुआत खराब रही। 26 रन पर ही उसके 4 विकेट गिर गए। 7 रन पर ही ओपनर नानपट कोंचारोएनकी दीप्ति शर्मा की गेंद पर शेफाली वर्मा को कैच थमा कर पवेलियन लौट गईं। नानपट ने 10 गेंदों पर 5 रन बनाए। दूसरी ओपनर नाथकन चेंथम भी 9 गेंदों पर 7 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने 4 ओवर में 7 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं राजेश्वरी गायवाड़ ने 4ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए।

थाईलैंड (प्लेइंग XI)

नानपट कोंचारोएनकी (विकेटकीपर), नाथकन चेंथम, नारुएमोल चेईवेई (कप्तान), चनिंदा सथिरुआंग, रोसेनान नोह, फनिता माया, सोरनारिन टिप्पोच, नताया बूचाथम, ओनिचा कामचोमफू, थिपाचा पुथावोंग, नानिता बूंसाखम।

टी-20 विश्व कप 16 से

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया की श्रेष्ठतम टीमे इसके लिए मुकाबला करेगी। टी- 20 क्रिकेट ने थोडे समय में ही पुरी दुनिया में अपनी जगह बना ली है और यही कारण है कि एक दशक से थोड़े ज्यादा समय में ही इसके विश्वकप का आठवां संस्करण आयोजित हो रहा है।

यह टूर्नामेंट दो साल में एक बार आयोजित होता है। इस टूर्नामेंट का 2020 का संस्करण आस्ट्रेलिया में आयोजित होना था जो कोविड के कारण 2021 तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इसी दौरान मेजबान भारत हो गया परन्तु कोविड के कारण यह अरब और ओमान में आयोजित हुआ। इसका एक संस्करण 2018 में भी आयोजित होना था परन्तु 2017 में आइसीसी ट्राफी होने से इसको निरस्त कर दिया गया। कोविड के कारण इसका कार्यक्रम प्रभावित हो गया था। अब 2022 के बाद यह अपने कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित होगा। इसके लिए अब सभी 16 टीम तैयार है और हर एक टीम मैदान मारने का माद्दा रखती है।

टी-20 से क्रिकेट बना मेगा स्पोर्ट

क्रिकेटर्स को 2500 रुपए फीस मिलती थी, अब कॉन्ट्रैक्ट 20 करोड़ तक

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड 1975 में टीम इंडिया के खिलाड़ियों को एक टेस्ट मैच खेलने के लिए 2500 रुपए फीस देता था। फिर वनडे क्रिकेट आया और 1983 में तीसरे वर्ल्ड कप में हम चैंपियन भी बन गए। आपको जानकर हैरानी होगी कि चैंपियन बनने के बाद जब हमारे खिलाड़ी वापस भारत आए तो बीसीसीआई के पास पैसे नहीं थे अपने खिलाड़ियों को देने के लिए। तब लता मंगेशकर ने टीम के लिए शो किया और जो पैसा आया उसे खिलाड़ियों को दिया गया।

1983 के वर्ल्ड कप के बाद कमाई कुछ बढ़ी, लेकिन तब भी बीसीसीआई को भारत का एक मैच टीवी पर दिखाने के लिए दूरदर्शन को 5 लाख रुपए की फीस चुकानी पड़ती थी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को छोड़कर दुनिया भर के तमाम क्रिकेट बोर्ड की लगभग ऐसी ही स्थिति थी।

1991 में पहली बार टीवी राइट्स बिके और भारतीय बोर्ड की हैसियत कुछ लाख रुपए से बढ़कर कुछ करोड़ रु. की हुई। आने वाले करीब डेढ़ दशक में बोर्ड का रुतबा कुछ सौ करोड़ रु. का हो गया।

फिर आया टी-20 फॉर्मेट। इसने न सिर्फ भारत और भारतीय क्रिकेट बोर्ड को मालामाल किया, बल्कि क्रिकेट के खेल को भी फुटबॉल के बाद दुनिया का दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल बना दिया। आज तो टीम के कप्तान रोहित शर्मा को बोर्ड 7 करोड़ सालाना की कॉन्ट्रैक्ट फीस देता है। IPL की कमाई अलग है। भारतीय टीम से जुड़े अन्य स्टार्स भी मोटी कमाई कर रहे हैं। जहां तक ब्रॉडकास्ट की बात करें तो अब तो भारत में होने वाले एक अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए ब्रॉडकास्टर बीसीसीआई को 43.20 करोड़ रुपए देता है।

ये तमाम बदलाव आए टी-20 फॉर्मेट के हिट होने के बाद। 2007 में हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से अब तक इस फॉर्मेट ने क्रिकेट को क्या-क्या दिया है वह सब हम आज जानेंगे। आखिर तक इस आर्टिकल को पढ़ने के बाद आप टी-20 फॉर्मेट की ताकत से रूबरू होंगे और यह भी समझेंगे कि यह फटाफट फॉर्मेट टेस्ट क्रिकेट के लिए भी कितना फायदेमंद है।

ज्यादा देशों तक क्रिकेट की पहुंच टी-20 फॉर्मेट के लोकप्रिय होने से इस खेल की पहुंच बढ़ी है। 1877 में पहला टेस्ट मैच खेला गया। शुरुआत के 145 साल बाद भी अब तक केवल 12 देश ही इस फॉर्मेट में खेल पाए हैं। वनडे से दायरा थोड़ा बढ़ा, लेकिन टी-20 ने क्रांति ही कर दी। अब तक किस फॉर्मेट में कितने देश इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं, यह आप अगली तस्वीर में देख सकते हैं।

भारतीय फुटबाल में प्राण फूंकने का प्रयास

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।इस बारे में सऊदी अरब फुटबाल फेडरेशन और एआइएफएफ के बीच बाकायदा मेमोरेंडम साइन हुआ है जिसे लेकर देश की फुटबाल हलकों में उत्सुकता का माहौल है। भारतीय फुटबाल पर सरसरी नजर डालें तो संतोष ट्राफी सबसे ज्यादा उपेक्षित और अर्थहीन आयोजन बन कर रह गया है। भले ही इस आयोजन को राष्ट्रीय फुटबाल चैंपियनशिप का नाम दिया गया है लेकिन आइलीग और आइएसएल जैसे आयोजनों के प्रचलन में आने के बाद से संतोष ट्राफी बस नाम भर के लिए खेली जा रही है। वह जमाना लद गया है जब इस आयोजन में भाग लेना देश के हर उभरते फुटबालर का पहला सपना होता था और संतोष ट्राफी के प्रदर्शन के आधार पर ही राष्ट्रीय फुटबाल टीम का गठन किया जाता था।

ट्राएंगुलर सीरीज में पाकिस्तान फाइनल में

रिजवान-बाबर की हाफ सेंचुरी की बदौलत बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

ओवल, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ट्राएंगुलर सीरीज में बांग्लादेश को 7 विकेट से हरा कर फाइनल में पहुंच गया है। इस सीरीज में बांग्लादेश और पाकिस्तान के अलावा तीसरी टीम न्यूजीलैंड की है। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाए। टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ने 19.5 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मोहम्मद रिजवान प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 56 गेंदों पर 69 रन की पारी खेली।

बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही

बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 7 रन पर ही उसने पहला विकेट गंवा दिया था। सौम्य सरकार 4 गेंदों पर 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। वहीं नजमुल हुसैन शांतो भी 15 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हो गए। उसके बाद लिटन दास और कप्तान शाकिब अल हसन ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 88 रनों की पार्टनरशिप हुई। लिटन दास ने 42 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के की बदौलत 69 रन और शाकिब ने 7 चौके और 3 छक्कों की बदौलत 42 गेंदों पर 68 रन बनाए।

नसीम शाह और मोहम्मद वसीम ने 2-2 विकेट लिए

पाकिस्तान की ओर से नसीम शाह ने 4 ओवर में 27 रन देकर 2 विकेट और मोहम्मद वसीम ने 4 ओवर में 33 रन देकर 2 विकेट लिए।

बाबर और रिजवान के बीच पहले विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी

कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने पाकिस्तान को अच्छी शुरुआत दी। दोनों के बीच 101 रन की साझेदारी हुई। पाकिस्तान का पहला विकेट 12.3 ओवर में गिरा। बाबर आजम 40 गेंदों पर 50 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 9 चौके जड़े। मोहम्मद रिजवान ने 56 गेंदों का सामना कर 69 रन बनाए। 174 रन का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 46 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से हसनैन महमूद ने 4 ओवर में 27 रन देकर 2 विकेट लिए।

गांगुली दूसरी बार बनना चाहते थे बीसीसीआई प्रेसिडेंट

बोर्ड के अधिकारियों ने नहीं दिया साथ, आईपीएल चेयरमैन भी नहीं बने

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को अब नया अध्यक्ष मिलना लगभग तय हो गया है। मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली की जगह 1983 वर्ल्ड कप की विजेता टीम के सदस्य रहे रोजर बिन्नी नए अध्यक्ष बन सकते हैं। सौरव ने साल 2019 में यह पद संभाला था। क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक सौरव गांगुली दूसरी बार बीसीसीआई के अध्यक्ष बनना चाहते थे, लेकिन मंगलवार को मुंबई में हुई बोर्ड की मीटिंग में अलग-अलग राज्यों के बोर्ड से आए प्रतिनिधि इसके पक्ष में नहीं थे। बीसीसीआई की परंपरा है है कि पुराना अध्यक्ष ही नए अध्यक्ष का नाम प्रस्तावित करता है, लेकिन गांगुली ने ये नहीं किया।

आईपीएल चेयरमैन बनने को कहा गया

गांगुली को बैठक में आईपीएल चेयरमैन पद का ऑफर किया गया। लेकिन, गांगुली का कहना था कि बीसीसीआई अध्यक्ष हटने के बाद वो उसकी किसी उपसमिति का अध्यक्ष नहीं बनना चाहते हैं।

राजनीतिक पार्टियां भी कूदीं मैदान में

रोजर बिन्नी के सौरव गांगुली की जगह बीसीसीआई का अध्यक्ष बनने की संभावना से जुड़ी खबरों के बीच पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान को 'अपमानित करने की कोशिश' करने का आरोप लगाया। दूसरी ओर भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि टीएमसी खेल में राजनीति कर रही है।

पोडु भूमि विवाद को सुलझाने की प्रक्रिया शुरू

कई जिलों में पोडु भूमि के सर्वेक्षण में तेजी

वारंगल, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पोडु भूमि के विवादास्पद मुद्दे को हल करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के साथ, आदिवासी कल्याण विभाग ने वन, राजस्व और पंचायत राज विभागों के समन्वय से महबूबाबाद, मुलुगु, जयशंकर भूपालपल्ली, वारंगल और हनमकोंडा जिले में पोडु भूमि का सर्वेक्षण शुरू कर दिया है।

हालांकि सर्वेक्षण प्रारंभिक चरण में है, इन विभागों के कर्मचारी नियमित रूप से वर्ष 2005 से पहले पोडु भूमि के कब्जे वाले वास्तविक लोगों का पता लगाने के लिए गांवों का दौरा कर रहे हैं। वे संबंधित जिलों के जिला कलेक्टरों के मार्गदर्शन में काम कर रहे हैं। चूंकि पोडु भूमि से संबंधित हर विवरण को रिकॉर्ड करने के लिए एक ऐप विकसित किया गया था, अधिकारी ऐप का उपयोग कर रहे हैं और हर दिन जानकारी अपलोड कर रहे हैं।

महबूबाबाद के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जिले में 152 ग्राम पंचायतों की सीमा के तहत 320 बस्तियों में सर्वेक्षण करने के लिए 120 टीमों का गठन किया गया था। हमें 34,800 लोगों से आवेदन प्राप्त हुए, जो 1,16,000 एकड़ भूमि पर अधिकार का दावा कर रहे हैं, जो कि तत्कालीन वारंगल जिले में सबसे अधिक है। हमें 30 नवंबर तक सर्वेक्षण पूरा करने की संभावना है। हालांकि पोडु भूमि सर्वेक्षण 2008-09 में किया गया था और पोडु किसानों को शीर्षक दिए गए थे, अब सरकार के पास कोई प्रामाणिक डेटा उपलब्ध नहीं है। इसे देखते हुए, हम रिकॉर्ड के लिए एक डिजिटल फाइल बनाने के लिए ऐप का उपयोग करके हर विवरण दर्ज कर रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पूर्ववर्ती वारंगल जिले के पांच जिलों में तीन लाख एकड़ वन भूमि (पोडु) पर अधिकार का दावा करते हुए लगभग 1.05 लाख लोगों ने आवेदन किया है। लोग मुलुगु जिले में 90,022 एकड़ पर अधिकार मांग रहे हैं, जबकि 25,021 लोग भूपालपल्ली जिले में 73,842 एकड़ भूमि पर अधिकार का दावा कर रहे हैं और 7470 लोगों ने वारंगल जिले में 22239 एकड़ से अधिक के अधिकारों के लिए आवेदन किया है। हनमकोंडा जिले के केवल 777 लोग वन अधिकार अधिनियम के तहत लगभग 1500 एकड़ भूमि पर अधिकार मांग रहे हैं। इस बीच, वन अधिकारियों ने कहा कि कुछ लोग अभी भी इस विश्वास के साथ वन भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे कि उन्हें खिताब दिया जाएगा। भूपालपल्ली जिला वन अधिकारी (डीएफओ) भुक्या लावण्या ने कहा कि हम उन लोगों को चेतावनी दे रहे हैं जो वन क्षेत्रों में पेड़ों या झाड़ियों को काटने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वे अधिकारों का दावा कर सकें, ऐसा न करें क्योंकि यह उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचा देगा। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने हाल ही में पालीमेला और भूपालपल्ली मंडलों में इस तरह के कई प्रयासों को विफल कर दिया है और अपराधियों के खिलाफ मामले भी दर्ज किए हैं। वन भूमि पर अधिकार किसानों को जांच के तीन स्तरों- ग्राम सभा, उप-मंडल स्तरीय समिति (एसडीएलसी) और जिला स्तरीय समिति (डीएलसी) से गुजरने के बाद ही दिया जाएगा। राज्य 2008-09 में कुल आवेदकों में से केवल 50 प्रतिशत को ही एफआरए के तहत भूमि का मालिकाना हक दिया गया था।

यादाद्री मंदिर को सौ रुपये नहीं दिए, पर कोमटीरेड्डी को 18 हजार करोड़ का दिया ठेका : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने कहा कि, बीजेपी सरकार ने यादाद्री मंदिर को सौ रुपये नहीं दिए पर कोमटी रेड्डी को 18 हजार करोड़ का ठेका दिया, यह कहांतक उचित है। इस संदर्भ में मंत्री जगदीश रेड्डी ने मुनुगोडु उपचुनाव के चलते भाजपा उम्मीदवार कोमटी रेड्डी राजगोपाल रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कोमटी रेड्डी द्वारा किए गए वादों का कोई मूल्य नहीं है। साथ ही उन्होने कहा कि यादाद्री मंदिर निर्माण के चलते पीएम मोदी के नेतृत्व में बीजेपी सरकार ने 1,000 करोड़ देने का झूठा वादा किया। मंत्री ने बीजेपी का आलोचना कर कहा कि इस मंदिर निर्माण के लिए 100 रुपये न दे सकने वाले मोदी सरकार ने राजगोपाल रेड्डी को 18,000 करोड़ का ठेका किस बिना पर दिया।

ब्लैकमेल करने वाले दोस्त को मिली 8 दिन की सजा

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शी टीम ने एक युवा जोड़े को ब्लैकमेल करने वाले दोस्त से बचा लिया। जोडे को करीबी दोस्त द्वारा ब्लैकमेल किया जा रहा था। दंपत्ति को आश्रय देने वाले 23 वर्षीय छात्र अब्दुल सलमान ने छिपे हुए कैमरे से जोड़े के अंतरंग वीडियो को कैद कर लिया है। बाद में उसने महिला (पीड़ित) को यौन संबंध बनाने के लिए वीडियो भेजा और वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा करने की धमकी दी। पीड़ित ने हैदराबाद शी टीम से संपर्क किया और आरोपी को पकड़कर और उसके कब्जे से वीडियो एकत्र करके तत्काल कार्रवाई की गई। उसे गिरफ्तार कर लिया गया और सभी प्रासंगिक सबूतों के साथ, शी टीम ने आरोपी को अदालत में पेश किया। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने आरोपी को 8 दिनों की कारावास की सजा सुनाई। इसी क्रम में शी टीम ने एक ईमेल से मिली शिकायत पर अपराधी ड्राइवर को पकड़ लिया। नारायणगुडा मेट्रो स्टेशन के पास सडक पर एक मासूम लड़की का एक कार पीछा कर रही थी। लडकी को लगा कि ड्राइवर उससे कुछ पूछना चाहता है। लड़की ने सोचा कि वह उससे मार्ग/पते के बारे में मदद करने के लिए कह रहा है। जब कार उसके पास आकर रुकी तो तो ड्राइवर ने उसके साथ अश्लील हरकत की। सतर्क रहने वाली लड़की ने मोबाइल से उसकी तस्वीरें खींची और वह इलाके से भाग गया। लड़की उनके वाहन की फोटो खींचने में सफल रही। फिर उसने तस्वीरें और घटना को शी टीम को ईमेल किया। शी टीम ने तुरंत वाहन पंजीकरण संख्या का पता लगा लिया, तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए और आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत के समक्ष पेश किया। नामपल्ली कोर्ट ने आरोपी मोहम्मद हैदर अली खान को 8 दिन की कैद की सजा सुनाई।

नई दिल्ली में भाजपा नेताओं ने की सीईसी से मुलाकात

राचकोंडा पुलिस आयुक्त को स्थानांतरित करने का आग्रह

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विदेश राज्य मंत्री मुरलीधरन, राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और पूर्व एमएलसी एन रामचंदर राव सहित भाजपा नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज नई दिल्ली के निर्वाचन भवन में भारत के चुनाव आयुक्त से मुलाकात की और मुनुगोड़े उपचुनाव में सरकारी मशीनरी के दुरूपयोग और संबंधित मुद्दों पर एक ज्ञापन प्रस्तुत किया।

उन्होंने तेलंगाना राज्य में मुनुगोडे विधानसभा क्षेत्र के संबंध में अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग के मामले में ई.सी.आई के दिशानिर्देशों के उल्लंघन के बारे में सीईसी से शिकायत की। उन्होंने कहा कि राचकोंडा पुलिस आयुक्त महेश भागवत 2016 से एक ही पद पर काम कर रहे हैं और उसी निर्वाचन क्षेत्र की सीमा में उनकी निरंतरता भारत के चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का उल्लंघन है, जो कि अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग के संबंध में है। भाजपा नेताओं ने सीईसी को बताया कि चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार यदि किसी अधिकारी ने पिछले चार वर्षों के दौरान तीन साल पूरे कर लिए हैं या छठे महीने के आखिरी दिन या उससे पहले तीन साल पूरे कर रहे हैं, तो ऐसे अधिकारियों को बाहर कर दिया जाएगा। विधानसभा क्षेत्र की सीमा तत्काल प्रभाव से उन्होंने सीईसी से इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

मुनुगोड़े में टीआरएस ने दर्ज किए 25,000 फर्जी वोट : तरुण चुघ

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश प्रभारी तरुण चुघ ने आज आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी ने मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र में 25,0000 फर्जी वोट दर्ज किए हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर चुनाव आयोग से शिकायत की है।

यह कहते हुए कि राज्य में पूर्व में हुए उपचुनावों में 2000 से अधिक वोट दर्ज नहीं किए गए हैं, उन्होंने कहा कि मुनुगोडु उपचुनाव में बड़ी संख्या में नकली वोट दर्ज किए गए हैं। राज्य पार्टी के नेता एन. रामचंद्र राव के साथ मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, तरुण चुघ ने कहा कि सत्ताधारी पार्टी ने उपचुनाव प्रचार के लिए पार्टी के विधायकों और एमएलसी को प्रतिनियुक्त किया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग से उन सभी अधिकारियों को स्थानांतरित करने का आग्रह किया है, जो पिछले चार वर्षों से निर्वाचन क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के नेता राज्य के मंत्रियों और सचिवों को लाकर सरकार चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें चुनाव आयोग से आश्वासन मिला है कि वह इस मामले की जांच के आदेश देंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग से केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और चुनाव आयोग के पर्यवेक्षकों को मुनुगोडु भेजने का भी आग्रह किया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए मुनुगोडु में अपना कार्यालय रखा था।

शहरी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आरटीसी की पहल

बाजीरेड्डी ने हैदराबाद दर्शिनी बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के अध्यक्ष और निजामाबाद ग्रामीण विधायक बाजीरेड्डी गोवर्धन रेड्डी ने गुरुवार को यहां 'हैदराबाद दर्शिनी' योजना से संबंधित दो बसों को हरी झंडी दिखाई।

हैदराबाद में शहरी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, टीएसआरटीसी ने हाल ही में आगंतुकों के लिए 12 घंटे का सप्ताहांत टूर पैकेज लॉन्च किया है। पैकेज शनिवार और रविवार को उपलब्ध है। टूर पैकेज के तहत, आगंतुकों को शहर भर के प्रतिष्ठित स्थलों पर ले जाया जाएगा। हैदराबाद दर्शिनी बस सिकंदराबाद के अल्फा होटल से सुबह 8:00 बजे निकलती है और रात में आगंतुकों को उसी स्थान पर वापस छोड़ देगी। पहला गंतव्य बिड़ला मंदिर है और उसके बाद चौमहल्ला पैलेस है। आगंतुक गोलकुंडा पैलेस, दुर्गम चेरुवु पार्क, केबल ब्रिज ड्राइव थ्रू और हुसैन सागर में एनटीआर पार्क जाने से पहले तारामती बारादरी रिज़ॉर्ट के हरिता होटल में अपना दोपहर का भोजन करेंगे। टीएसआरटीसी ने शहर के दौरे के लिए मेट्रो एक्सप्रेस और मेट्रो लग्जरी एसी जैसी दो योजनाओं की घोषणा की। मेट्रो एक्सप्रेस का किराया वयस्कों के लिए 250 रुपये और बच्चों के लिए 130 रुपये होगा, जबकि मेट्रो लग्जरी एसी का किराया क्रमश: 450 रुपये और 340 रुपये है। हालांकि, शुरुआती ग्राहकों के लिए 10 प्रतिशत की छूट है। पैकेज 27 सितंबर को लॉन्च किया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए, टीएसआरटीसी के अध्यक्ष बाजीरेड्डी गोवर्धन रेड्डी ने कहा कि यह योजना पर्यटकों के साथ-साथ शहर के लोगों के लिए भी मददगार होगी और लोगों से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की।

आउटर रिंग रोड के पास मिला गला कटे हुए व्यक्ति का शव

संगारेड्डी, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बाहरी रिंग रोड (ओआरआर) के सर्विस रोड पर आईडीए बोलाराम कस्बे के बाहरी इलाके में गुरुवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का गला काटकर हत्या कर दी गई।

युवक की उम्र 25 से 30 साल के बीच है। बोलाराम इंस्पेक्टर सुरेंद्र रेड्डी के अनुसार, उसके पैर और हाथ रस्सी से बंधे थे और उसका गला धारदार हथियार से काटा गया है। पुलिस अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं कर पाई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए क्षेत्रीय अस्पताल पाटनचेरू भेज दिया गया है और मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है।

तिरुमलगिरी में सर्वाधिक वर्षा दर्ज, पहले के सभी रिकॉर्ड तोडा

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर में बुधवार की शाम से हुई बारिश ने अपने सभी पहले के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। राज्य की राजधानी के सबसे पुराने उपनगरों में से एक, तिरुमलगिरी में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई। बारिश इतनी तेज हो गई है कि एक दिन में ही यह मासिक औसत को पार कर गई है। तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी के अनुसार, पिछले 33 वर्षों के आंकड़ों को एक रिपोर्ट 'तेलंगाना के मौसम और जलवायु विज्ञान' में रखा गया है, तिरुमलगिरी में आमतौर पर अक्टूबर के महीने में 107.7 मिमी बारिश होती है। हालांकि, गुरुवार को सुबह 8:30 बजे समाप्त हुए 24 घंटों में कुल वर्षा 122.8 मिमी तक पहुंच गई, जबकि आधे से अधिक महीने शेष हैं। पिछले दो वर्षों में, इलाके ने अन्य मीलों को पीछे छोड़ते हुए सबसे अधिक वर्षा दर्ज की।

तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी के पास उपलब्ध जून 2020 से सितंबर 2022 तक की अवधि के आंकड़ों के अनुसार, तिरुमलगिरी में वर्षा की प्रचुरता है, जिसमें बारिश की रिकॉर्डिंग 1,000 मिमी के निशान के साथ 1176.4 मिमी है। अन्य क्षेत्रों में भी गुरुवार को भारी बारिश हुई। रामचंद्रपुरम में 79.5 मिमी बारिश दर्ज की गई, इसके बाद मारेदपल्ली (75.5 मिमी), बालानगर (73.4), मलकाजगिरी (63.6 मिमी), कुकटपल्ली (57.8 मिमी), और कतुबुल्लापुर (57.4 मिमी) में बारिश हुई।

हैदराबाद में शनिवार तक भारी बारिश की चेतावनी

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को सूचित किया कि अगले दो से तीन दिनों के दौरान शहर में बारिश जारी रहने की संभावना है।

शुक्रवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। हैदराबाद के उत्तर और पश्चिम क्षेत्रों में फिर से भारी बारिश होने की संभावना है, क्योंकि तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी ने कुथबुल्लापुर, गजुलाराराम, अलवाल, कुकटपल्ली और मूसापेट में 15.60 मिमी से 64.40 मिमी तक वर्षा की भविष्यवाणी की है। मौसम एजेंसी ने शनिवार को शहर के लिए लगभग तीन अंकों की बारिश के आंकड़ों की भविष्यवाणी की है। पूरे राज्य की राजधानी के लिए, एक नारंगी अलर्ट जारी किया गया है, जो भारी से बहुत भारी वर्षा का संकेत देता है। आईएमडी के अनुसार, हैदराबाद के लिए, दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी की 'सामान्य' तारीख 15 अक्टूबर है। मानसून की वापसी की घोषणा तब की जाती है जब पांच दिनों तक शुष्क मौसम बना रहता है और उसके बाद नमी के स्तर में कमी आती है।

बारिश के बाद गुरुवार को सुचित्रा से कोमपल्ली तक ट्रैफिक जाम

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में बीती रात हुई भारी बारिश के कारण गुरुवार की सुबह कई इलाकों में यातायात ठप हो गया। जलजमाव के कारण सुचित्रा से कोमपल्ली तक ट्रैफिक जाम की सूचना मिली है। मेडचल की ओर जाने वाले यात्रियों को इस मार्ग पर कम से कम आधे घंटे तक धक्का लगा। इस बीच, यातायात प्रबंधन के लिए सभी प्रमुख बिंदुओं पर पुलिस तैनात की गई है। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, शहर में अगले तीन दिनों तक और बारिश हो सकती है। आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। शहर में कभी-कभी हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ तेज बौछारें पड़ने की संभावना है। मौसम ब्यूरो ने कहा कि सतही हवाएं दक्षिण-पूर्वी/पूर्वी हवाएं होने की संभावना है, हवा की गति लगभग 04-08 किमी प्रति घंटे है

विजयवाड़ा और अमरावती में अन्य लोगों का आवागमन कठिन : धर्मना

अमरावती, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री धर्मना प्रसाद राव ने कहा कि, विजयवाड़ा और अमरावती शहरों में बिकट परिस्थिति के चलते अन्य लोगों का आवागमन कठिनतम हो चुका है। इस संदर्भ में, मंत्री धर्मना प्रसाद राव ने कहा कि विजयवाड़ा और अमरावती ऐसी स्थिति में नहीं हैं जहां वे शांति से रह सकें। उन्होंने कहा कि इन दोनों जगहों पर कोई स्वीकार्य संस्कृति नहीं है। उन्होंने कहा कि इन शहरो में ऐसी स्थिति पैदा कर दी, जहां दूसरे वहां नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि अमरावती के आसपास की जमीन कुछ ही लोगों के हाथ में है। साथ ही अमरावती क्षेत्र में गरीब परिवार घर नहीं बना सकते। यही नही यदि राजधानी ऐसे क्षेत्र में स्थापित की जाती है जो दूसरों को स्वीकार्य नहीं है, तो कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

अभिनेत्री नवीना जैक्सन ने की ग्रीन इंडिया चैलेंज की प्रशंसा

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेत्री नवीना जैक्सन ने राज्यसभा सांसद जे. संतोष कुमार की पहल ग्रीन इंडियन चैलेंज (जीआईसी) में भाग लिया और गुरुवार को जुबली हिल्स के प्रकाश नगर में एक पौधा लगाया।

इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने पर्यावरण को बचाने के लिए पेड़ लगाने और उनकी रक्षा करने के महत्व पर जोर दिया। नवीना ने लोगों से अपील की कि आने वाली पीढ़ियों को ऑक्सीजन देने और देश को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने के लिए सभी को पेड़ लगाना चाहिए। उन्होंने इस पहल के लिए संतोष कुमार और आगे की अभिनेताओं प्रणति, लोहित और पिंग पोंग सूर्या को चुनौती के लिए धन्यवाद दिया।

चंद्रयानगुट्टा में युवक को चाकू मारा

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात चंद्रयानगुट्टा में एक स्वागत समारोह में नृत्य करने के लिए खंजर उधार लेने को लेकर हुई बहस के बाद एक किशोर ने 19 वर्षीय एक व्यक्ति को चाकू मार दिया। पुलिस के मुताबिक चंद्रयानगुट्टा के घौसनगर निवासी मोहम्मद जाहिद ने एक समारोह में नाचने के लिए नजीर नाम के एक व्यक्ति से खंजर निकाला. हालांकि, वह इसे वापस करने में विफल रहा जिसके बाद रहमान, नज़ीर और किशोर इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए जाहिद के घर गए। नज़ीर, किशोर और जाहिद के बीच एक तर्क छिड़ गया। चंद्रयानगुट्टा उप निरीक्षक, पोचैया ने कहा कि गुस्से में आकर किशोर ने अपने साथ रखे चाकू को निकाल लिया और जाहिद के पेट में चाकू मार दिया। एक मामला दर्ज किया गया है और जांच चल रही है।

गोवा के राज्यपाल ने की विशेष पूजा-अर्चना

श्रीवरु के नेत्र दर्शन और तिरुप्पावदा सेवा को देखकर रोमांचित हो उठे श्रद्धालु

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में चल रहे श्री वेंकटेश्वर वैभवोत्सव में गोवा के राज्यपाल, पीएस श्रीधरन पिल्लई ने गुरुवार को तीसरे दिन इस कार्यक्रम में भाग लिया। हैदराबाद के निवासियों ने गुरुवार को श्री वेंकटेश्वर स्वामी के नेत्र दर्शन का आनंद लिया।

सुबह की सेवा के बाद, मूल विराट को सभी आभूषण, फूल आदि से वंचित कर दिया गया। देवता को केवल धोती और उत्तरीयम में ही लपेटा गया था। मुख्य देवता के माथे पर थिरुनामम कप्पू और कस्तूरी भी आकार में कम हो गए थे जिसके परिणामस्वरूप मुख्य देवता के अद्वितीय नेत्र दर्शन (जहां भगवान की दिव्य आंखें देखी जा सकती हैं) जो केवल गुरुवार को होता है।

गुरुवार को, तिरुमाला मंदिर में बंगारू वकिली और अन्नकूटोत्सवम (जहां इमली के चावल के ढेर डाले जाते हैं) के सामने तिरुमाला मंदिर में एक अर्जित सेवा के रूप में थिरुप्पावदा सेवा की जाती है। हैदराबाद के विशाल एनटीआर स्टेडियम में गुरुवार को सुबह 8.30 बजे से 10.30 बजे के बीच उसी सेवा को दोहराया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

एन एफ एल NFL
नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
अंचल कार्यालय : 3-6-666, बरवाले चेम्बर्स, स्ट्रीट नंबर 10, हिमायत नगर, एनएफएल, हैदराबाद, 500029, तेलंगाना राज्य फोन: 040-29701389 मो.: 8885002445.

संचालन एवं परिवहन ठेकेदारों की नियुक्ति हेतु निविदा आमंत्रण सूचना (ई-निविदा)

मेसर्स नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल), एक प्रमुख सीपीएसयू, २ साल की अवधि के लिए निम्नलिखित रेक पॉइंट्स पर एनएफएल उर्वरकों के लिए नियमित हैंडलिंग और परिवहन ठेकेदार नियुक्त करना चाहता है। प्रत्येक रेक प्वाइंट के लिए निविदा वितरण वेबसाइट www.nationalfertilizers.com और https://etenders.gov.in/eprocure/app से देखा और डाउनलोड किया जा सकता है:

राज्य	रेक प्वाइंट	अंतिम तिथि
तेलंगाना	खम्मम, वारंगल	05.11.2022
आंध्र प्रदेश	पादुगुपाडु, चिराला	05.11.2022
आंध्र प्रदेश	ओंगोल, चित्तौड, विजयनगरम, श्रीकाकुलम रोड	14.11.2022

केवल ई-निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। शुद्धिपत्र / निविदा का परिशिष्ट, यदि कोई हो, केवल उपरोक्त वेबसाईटों पर प्रदर्शित किया जाएगा।

आंचलिक प्रबंधक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.